हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,बुधवार | 25 दिसंबर 2024 | वर्ष : 02 | अंक : 217 | पृष्ठ -14 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

आरक्षण के मुद्दे का समाधान करें, अदालत पर इसे छोड़ना दुर्भाग्यपूर्ण : महबूबा मुफ्ती

एजेंसी

श्रीनगर । पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने जम्मू एवं कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से आरक्षण के मुद्दे को सुलझाने का रास्ता तलाश करने का आह्वान करते हुए कहा कि मामले को अदालतों पर छोड़ना हबूबा मुफ्ती ने यहां संवाददाताओं से कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों, विशेषकर युवाओं ने विधानसभा चुनाव में बड़ी संख्या में नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) को वोट दिया ताकि आरक्षण को ह्यतर्कसंगतह्ल बनाया जा सके और किसी का अधिकार नहीं छीना जा सके।उन्होंने कहा, हम इसमें कोई राजनीति नहीं चाहते हैं, लेकिन हम सामान्य वर्ग के छात्रों को परेशान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने छह महीने का समय मांगा है। उनके (नेकां के) पास लद्दाख सहित तीन सांसद और 50 विधायक हैं, उन्हें छह महीने की जरूरत क्यों है? उन्हें लगता है कि अदालत का फैसला आ जाएगा और उन्हें कुछ नहीं करना पड़ेगा।

Bihar Politics: नीतीश किसके साथ, JDU ने कर दिया साफ,

मोदी संग जारी किया नया पोस्टर

दो दिन पहले बीजेपी नेता और बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा था कि एनडीए अगले साल बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विधानसभा चुनाव लड़ेगा।

एजेंसी

पटना: अटकलों के बीच जनता दल-यूनाइटेड ने एक पोस्टर जारी कर सभी अटकलों को खत्म कर दिया है।"जब बात बिहार की हो, नाम सिर्फ नीतीश कुमार का हो" नारे के साथ पोस्टर जारी होने के दो दिन बाद, जनता दल-यूनाइटेड ने अब एक नया पोस्टर जारी किया है। इसके आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक नया पोस्टर, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हैं। यह एक और जेडीयू पोस्टर के सामने आने के एक दिन बाद आया है जिसमें नारा दिया गया है 2025...फिर से नीतीश। पार्टी के मंत्री श्रवण कुमार ने भी सोमवार को दोहराया कि 2025 में नीतीश कुमार मुख्यमंत्री के रूप में वापसी करेंगे। इस बीच, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी), एलजेपी (लोक जनशक्ति पार्टी) और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (एचएएम) सहित एनडीए के विभिन्न सहयोगियों ने बार-बार नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ने के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया है। दो दिन पहले बीजेपी नेता और बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा था कि एनडीए अगले साल बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विधानसभा चुनाव लड़ेगा। बिहार में अगले साल होने वाला विधानसभा चुनाव एनडीए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लड़ेगा। हालाँकि, हाल के दिनों में जेडीयू के संदेश पूरी तरह से नीतीश कुमार को उजागर करते दिखे। आज का पोस्टर पार्टी का पहला उदाहरण है जिसमें स्पष्ट रूप से नीतीश कुमार और पीएम मोदी दोनों को एक साथ दिखाया गया है, जिससे 2025 के लिए गठबंधन की चुनावी रणनीति के बारे में अटकलें तेज हो गई हैं। आपको बता दें कि बिहार में सभी 243 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए विधान सभा चुनाव अक्टूबर या नवंबर 2025 में होने वाले हैं। पिछला विधानसभा चुनाव अक्टूबर-नवंबर 2020 में हुआ था। चुनाव के बाद, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने राज्य का गठन किया सरकार, नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बनेंगे।

आरिफ मोहम्मद खान बिहार के नए राज्यपाल,

एजेंसी

पटना: आरिफ मोहम्मद खान को बिहार का राज्यपाल बनाया गया है। वहीं, बिहार से राजेंद्र आर्लेकर को केरल का गर्वनर नियुक्त किया गया है। राष्ट्रपति भवन ने इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है। कई और राज्यों के भी राज्यपाल बदले गए हैं।बिहार में श्रम संसाधन विभाग 13 लाख मजदूरों का निबंधन कराएगा। रजिस्ट्रेशन होने के बाद इन मजदूरों को कई सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। छठ पूजा को देखते हुए पटना में गंगा और तालाबों में बनाए जा रहे घाटों की सफाई, मरम्मत और संपर्क पथ पर 13 करोड़ 40 लाख खर्च होंगे। सबसे अधिक बांसघाट पर 49.38 लाख खर्च किए जाएंगे। राजधानी पटना में डेंगू विस्फोटक स्थिति में पहुंच रहा है। पटना सिटी से लेकर दानापुर तक डेंगू का कहर बरप रहा है।भारत सरकार ने नए राज्यपालों की नियुक्ति की है। बिहार राज्य के नए राज्यपाल के रूप में आरिफ मोहम्मद खान को नियुक्त किया गया है, जबकि केरल के राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर होंगे। ये नियुक्तियां राष्ट्रपति द्वारा की गई हैं। आरिफ मोहम्मद खान पहले केरल के राज्यपाल थे, और अब बिहार के राज्यपाल के रूप में उनकी नियुक्ति हुई है. उन्होंने अपनी राजनीतिक यात्रा की शुरूआत भारतीय जनता पार्टी से की थी, और वे भारतीय मुस्लिम समुदाय के प्रमुख चेहरों में से एक माने जाते हैं।बिहार में नीतीश सरकार ने पूर्ण शराबबंदी कई साल पहले ही लागू कर दी। लेकिन शराबबंदी लागू होने के बाद राज्य के कई जिलों में जहरीली शराब के कहर से जुड़ी खबरें सामने आती रहती हैं। हाल ही में छपरा और सीवान में जहरीली शराब की वजह से 35 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई और कुछ लोगों की आंख की रोशनी चली गई।

राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर केरल के गवर्नर

सांसद राशिद इंजीनियर को झटका, दिल्ली कोर्ट से रेगुलर बेल की याचिका खारिज

एजेंसी

दिल्ली : दिल्ली कोर्ट ने टेरर फंडिंग मामले में राशिद इंजीनियर की नियमित जमानत याचिका पर रोक लगाने का आदेश देने से इनकार कर दिया। यह फैसला अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश चंदर जीत सिंह ने सुनाया, जिन्होंने राशिद इंजीनियर द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उसने अपनी जमानत याचिका पर शीघ्र आदेश देने की मांग की थी। न्यायाधीश सिंह ने स्पष्ट किया कि इस बिंदु पर, वह केवल विविध आवेदन पर विचार-विमर्श कर सकते हैं, नियमित जमानत अनुरोध पर नहीं।अब्दुल रशीद शेख, जिन्हें इंजीनियर रशीद के नाम से जाना जाता है, उत्तरी कश्मीर की लंगेट सीट से दो बार विधायक रह चुके हैं। सत्तावन वर्षीय राशिद लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान तब चर्चा में आए थे जब उन्होंने उत्तरी कश्मीर की बारामूला सीट पर जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को दो लाख से अधिक वोटों से हराया था। राशिद की जीत एक चौंकाने वाली है क्योंकि उन्होंने तिहाड़ जेल से चुनाव लड़ा था, जहां वह पिछले पांच वर्षों से गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत आरोपों का सामना कर रहे हैं।

जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में बड़ा हादसा, खाई में गिरी सेना की गाड़ी, 5 जवानों की मौत

एजेंसी

जम्मू कश्मीर: मंगलवार शाम पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास एक वाहन के सड़क से उतर जाने से चालक सहित लगभग 10 सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गए। व्हाइट नाइट कोर ने बताया कि पुंछ सेक्टर में सेना की एक गाड़ी के दुर्घटनाग्रस्त होने से 5 जवानों की जान चली गई। बचाव अभियान जारी है और घायल कर्मियों को चिकित्सा देखभाल मिल रही है। पुलिस ने कहा कि आज लगभग 17:40 बजे (शाम 5.40 बजे), 11 मराठा लाइट इन्फैंट्री का एक सेना वाहन, जो एलओसी पर नीलम मुख्यालय से बलनोई घोड़ा पोस्ट की ओर जा रहा था, घोड़ा पोस्ट के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उन्होंने बताया कि वाहन करीब 150 फीट गहरी खाई में गिर गया, जिससे चालक समेत 10 जवान गंभीर रूप से घायल हो गए।11 मराठा लाइट इन्फैंट्री की एक त्वरित प्रतिक्रिया टीम (क्यूआरटी) और मनकोट से एक पुलिस पार्टी घटनास्थल पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया। क्षेत्र के ऊबड़-खाबड़ और पहाड़ी इलाकों को देखते हुए जम्मू-कश्मीर में यातायात दुर्घटनाएँ असामान्य नहीं हैं, जिनमें कार और अन्य वाहन घाटियों में गिर जाते हैं। 15 दिसंबर को गुरेज में जादिकुशी-गुरेज सड़क पर वाहन फिसलने से सेना के दो जवान घायल हो गए थे। सितंबर में सुकराला माता आश्रम रोड पर एक वाहन के सड़क से फिसलकर खाई में गिर जाने से एक सैनिक की भी मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए।

BPSC परीक्षा में गड़बड़ी का सबूत मिलने पर छात्रों के हित में होगा फैसला, बोले दिलीप जायसवाल

एजेंसी

पटना: भाजपा प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को प्रदेश अध्यक्ष सह राजस्व व भूमि सुधार मंत्री दिलीप कुमार जायसवाल ने बरबीघा के कुणाल किशोर को उनके समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता दिलायी। मौके पर उन्होंने कहा कि भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। उन्होंने दावा किया कि आज जो माहौल है, उससे तय है कि आने वाला समय एनडीएमय होगा।एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि बीपीएससी परीक्षा के कुछ अभ्यर्थी धरना पर बैठे हैं। आयोग इस बात का आकलन कर रही किसी और परीक्षा केंद्र में ऐसी गड़बड़ी हुई है या नहीं। इससे संबंधित कोई पुख्ता सबूत मिलने पर आयोग और सरकार अभ्यर्थियों के हित में निर्णय लेगी।

उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के एक फैसले की चर्चा करते हुए कहा कि अदालत का भी मानना है कि एक सेंटर के कारण या कुछ अभ्यर्थी के कारण सभी को इसकी सजा नहीं दी जा सकती है। विपक्ष के नेता के महिला सम्मान दिए जाने पर उन्होंने कहा कि राजद के कार्यकाल में महिलाओं की क्या हालत थी सबको पता है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि महिला का सम्मान लालू यादव का परिवार कहां सीखा है।

जयपुर हादसे में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 15 हुई, 18 गंभीर हालत में अभी भी

एजेंसी

राजस्थान: जयपुर में एलपीजी टैंकर विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है, जबकि दो और लोगों ने मंगलवार को सवाई मान सिंह (एसएमएस) अस्पताल में दम तोड़ दिया। एसएमएस अस्पताल के प्लास्टिक सर्जन डॉ. राकेश जैन ने कहा कि मरने वालों की संख्या अब 15 हो गई है। दो मृतकों की पहचान एटा (उत्तर प्रदेश) के नरेश बाबू और नूंह (हरियाणा) के यूसुफ के रूप में हुई है।जयपुर में गैस टैंकर हादसे में शामिल चालक जयवीर को पुलिस के सामने पेश हुआ। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि घटना की जांच कर रहा विशेष जांच दल (एसआईटी) जयवीर से पूछताछ करेगा। उत्तर प्रदेश के मथुरा का रहने वाला जयवीर हादसे के समय टक्कर से होने वाले नुकसान को भांपते हुए समय रहते ही गैस टैंकर से निकल गया था। एलपीजी से भरे टैंकर को एक ट्रक ने टक्कर मारी थी, जिससे टैंकर के नोजल टूट गए और उनसे गैस का रिसाव होने लगा। गैस रिसाव से लगी भीषण आग ने आसपास के 35 से अधिक वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया।

असदुद्दीन ओवैसी को कोर्ट ने जारी किया नोटिस, सात जनवरी को पेश होने का आदेश, जानें मामला

एजेंसी

नई दिल्ली: उत्तर प्रदेश के बरेली की एक स्थानीय अदालत ने ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी को एक याचिका के जवाब में उसके सामने पेश होने का निर्देश दिया है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि उन्होंने संसद में शपथ ग्रहण के दौरान फिलिस्तीन के समर्थन में नारा लगाकर संविधान का उल्लंघन किया है। अदालत ने एआईएमआईएम प्रमुख को 7 जनवरी, 2025 को सुनवाई के लिए उपस्थित होने को कहा है।वकील वीरेंद्र गुप्ता ने ओवैसी के खिलाफ याचिका दायर की, जिसमें दावा किया गया कि शपथ के दौरान फिलिस्तीन के लिए एआईएमआईएम नेता का समर्थन संवैधानिक और कानूनी सिद्धांतों का उल्लंघन है। गुप्ता ने बताया कि उन्होंने पहली बार 12 जुलाई को एमपी/एमएलए कोर्ट में याचिका दायर की थी, लेकिन इसे खारिज कर दिया गया था।इसके बाद गुप्ता ने जिला न्यायाधीश की अदालत में पुनरीक्षण याचिका दायर की, जहां जिला न्यायाधीश सुधीर ने इसकी अनुमति दे दी और औवेसी को नोटिस जारी कर सात जनवरी को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया।

भाजपा के लिए बुरे सपने से कम नहीं हैं दिल्ली की ये 11 विधानसभा सीटें, मतदाताओं ने कभी नहीं खिलाया कमल

एजेंसी

दिल्ली: दिल्ली फतह की तैयारी में जुटी भारतीय जनता पार्टी की राह में विधानसभा की 11 सीटें रोड़ा बनी हुई हैं।70 विधानसभा सीटों वाली दिल्ली की इन 11 सीटों पर पार्टी अब तक खाता तक नहीं खोल पाई है। 11 में से 5 सीटें तो दलित बहुल है। इन सीटों की वजह से ही 2013 में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी होकर भी सत्ता से दूर हो गई थी। बीजेपी दिल्ली की सत्ता में 2013 में सिर्फ 4 सीटों की वजह से नहीं आ पाई थी। ऐसे माहौल में राजधानी दिल्ली की 11 सीटें पार्टी के लिए काफी अहम हैं। जिसमें 4 सीट मुस्लिम बहुल और दो सीट सामान्य कैटेगरी की है।

इन 11 सीटों पर कभी नहीं खिला कमल

1. ओखला- मुस्लिम बहुल ओखला सीट पर भी बीजेपी कभी नहीं जीत पाई है। ओखला साउथ-ईस्ट दिल्ली की विधानसभा सीट है। 1993 में यहां भी विधानसभा का पहला चुनाव कराया गया था। ओखला सीट पर जनता दल, कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल और आम आदमी पार्टी को जीत मिल चुकी है। बीजेपी 2015 और 2020 में यहां दूसरे नंबर रही थी।

2. अंबेडकर नगर- दलितों के लिए रिजर्व अंबेडकर नगर सीट पर भी बीजेपी अब तक खाता नहीं खोल पाई है। अंबेडकर नगर सीट भी 1993 में अस्तित्व में आई थी। कांग्रेस 2013 तक इस सीट से जीत हासिल करती रही। 2013, 2015 और 2020 में आम आदमी पार्टी को यहां जीत मिली। विधानसभा के हर चुनाव में बीजेपी यहां पर दूसरे नंबर पर रहती है।

3. बल्लीमारन- मशहूर शायर मिर्जा गालिब से जुड़ी बल्लीमारन की सीट भी बीजेपी के लिए चुनौतीपूर्ण ही रही है। इस सीट पर भी बीजेपी अब तक जीत नहीं पाई है। 1993 से अब तक यहां या तो कांग्रेस या आम आदमी पार्टी को जीत मिली है। बल्लीमारन की सीट मुस्लिम बहुल है।4. मटिया महल-सेंट्रल दिल्ली की मटिया महल सीट पर भी बीजेपी अब तक चुनाव नहीं जीत पाई है। मटिया महल भी मुस्लिम बहुल सीट है। 1993 से लेकर अब तक इस सीट पर आम आदमी पार्टी, जनता दल सेक्युलर, जनता दल यूनाइटेड और लोक जनशक्ति पार्टी ने ही जीत हासिल की है।

5. सुल्तानपुर माजरा- नॉर्थ-वेस्ट दिल्ली की सुल्तानपुर माजरा सीट दलितों के लिए आरक्षित है। विधानसभा की इस सीट पर भी बीजेपी अब तक जीत नहीं दर्ज कर पाई है। 1993 में पहली बार यहां चुनाव कराए गए थे।

म्बरबीघा के युवा समाजसेवी कुणाल किशोर सैकड़ों समर्थकों के साथ भाजपा में हुए शामिल,

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने दिलाई सदस्यता
- जब पार्टी का विस्तार होता है तो संगठन मजबूत होता है :डॉ. दिलीप जायसवाल
- अदालत का भी मानना है कि एक परीक्षा केंद्र या कुछ अभ्यर्थी के कारण सभी को सजा नहीं दी जा सकती है : डॉ. दिलीप जायसवाल
- सरकार और आयोग बीपीएससी अभ्यर्थियों के हितों लेगी फैसला :डॉ. दिलीप जायसवाल

पटना, 24 दिसंबर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बिहार प्रदेश कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह में आज बरबीघा के युवा समाजसेवी कुणाल किशोर ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने सभी की सदस्यता ग्रहण करवाई और पार्टी में इनका स्वागत किया।भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने पार्टी में आये सभी लोगों का स्वागत करते हुए कहा कि जब पार्टी का विस्तार होता है तो संगठन मजबूत होता है। उन्होंने भाजपा को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बताते हुए कहा कि संगठन पर्व के मौके पर आज पार्टी की विचारधारा से प्रभावित होकर कुणाल किशोर और उनके सैकड़ों समर्थकों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इन सभी लोगों ने पार्टी में आस्था व्यक्त की है। उन्होंने आशा व्यक्त करते है कि इन सभी लोगों के आने से पार्टी मजबूत होगी और ये पार्टी को मजबूत करने के लिए काम करेंगे।उन्होंने दावा करते हुए कहा कि जो माहौल है उससे तय है कि आने वाला समय एनडीए मय होगा।

इधर, पत्रकारों के एक प्रश्न के उत्तर भाजपा अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने कहा, "बीपीएससी के कुछ अभ्यर्थी धरना पर बैठे हैं। आयोग इस बात का आकलन कर रही है कि क्या और किसी परीक्षा केंद्र में ऐसी गड़बड़ी हुई है या नहीं।अभी तक इस तरह का कोई मामला आयोग के पास नहीं है। अगर किसी बात का पुख्ता सबूत आएगा तो आयोग और सरकार निर्णय लेगी।"

उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के एक फैसले की चर्चा करते हुए कहा कि अदालत का भी मानना है कि एक सेंटर के कारण या कुछ अभ्यर्थी के कारण सभी को इसकी सजा नहीं दी जा सकती है। दबाव में कोई फैसला नहीं हो सकता। साक्ष्य के आधार पर ही कुछ फैसला होगा। विपक्ष के नेता के महिला सम्मान दिए जाने पर उन्होंने कहा कि राजद के कार्यकाल में महिलाओं की क्या हालत थी सबको पता है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि महिला का सम्मान लालू यादव का परिवार कहाँ सीखा है ? अगर सम्मान देना सीखता तो दूसरे घर की महिलाओं को भी सम्मान देना जानता।

इस समारोह को संबोधित करते हुए सांसद विवेक ठाकुर ने कहा कि एनडीए का जो वातावरण खड़ा है और लोगों का जो मनोभाव है वह स्पष्टता की ओर बढ़ रहा है। यह उसी का परिचायक है कि किशोर कुणाल अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हुए। उन्होंने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वालों का स्वागत किया।

इस मिलन समारोह में कुणाल किशोर के अलावा राजीव कुमार, शिवम कुमार,प्रसन्न , कन्हैया कुमार,चुनमुन कुमार चंदन वर्मा,मनीष कुमार,ऋतिक कुमार सहित सैकड़ों लोगों ने भाजपा की सदस्यता ली।इस अवसर पर प्रदेश मीडिया सह प्रभारी अमित प्रकाश बबलु, सूरज पांडेय, प्रभात कुमार, प्रवीण पटेल,आश्रिती शर्मा उपस्थित

सर्दियों में बढ़ रहे हैं हार्ट अटैक के मामले

मो.सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी : नफीसा मेडिकल कॉलेज मुम्बई के रिसर्च स्कॉलर जिला के पुपरी प्रखंड के शाहपुर निवासी डॉ. तौसीफ अहमद का कहना है कि सर्दियों में अचानक ब्लड प्रेशर बढ़ने से नसों में खून जमने लगता है, जो हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक का कारण बनता है। इसका मतलब है कि सर्दियों में रक्तवाहिकाओं के सिकुड़ने से शरीर में रक्त का प्रवाह सही नहीं होता है, जिससे हृदय पर अधिक दबाव पड़ता है और हार्ट अटैक की स्थिति बन जाती है। इसके अलावा नींद के दौरान शरीर की गतिविधियां धीमी हो जाती हैं, बीपी और शुगर का स्तर भी कम हो जाता है, लेकिन जागने से पहले शरीर का स्वायत्त तंत्रिका तंत्र इसे सामान्य स्थिति में लाने का काम करता है। लेकिन ठंड के दिनों में यह प्रणाली काम करती है इसके लिए हृदय को अधिक मेहनत करनी पड़ती है, जिसके कारण हृदय रोग से पीड़ित लोगों को दिल का दौरा पड़ता है, इसलिए हृदय रोगियों को सर्दियों में इन बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

सर्दियों में हर किसी के लिए सक्रिय रहना बहुत जरूरी है, खासकर हृदय रोगियों के लिए 30 से 40 मिनट तक टहलना बहुत जरूरी माना जाता है क्योंकि पैदल चलने से मानव जीवन पर बहुत कम प्रभाव पड़ता है। दिल के रोगियों को हमेशा अपना ख्याल रखना चाहिए क्योंकि आजकल ऐसे कई मामले सामने आए हैं जहां लोग सोते समय दिल का दौरा पड़ने के कारण अल्लाह को प्यारे हो जाते हैं और उनमें से ज्यादातर सुबह के 4 बजे एवं यह शाम 4:00 बजे से 6:00 बजे के बीच होता है, इसलिए लोगों के लिए खुद को और अपने पड़ोसियों को सर्दी से सुरक्षित रहने की सलाह देना बहुत महत्वपूर्ण है।

अम्बेदकर सम्मान समारोह के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी को ज्ञापन देते विधायक व पूर्व मंत्री विजय शंकर दुबे

संवाददाता
मोहम्मद आरीफ

सिवान महाराजगंज 24 दिसम्बर मंगलवार। कांग्रेस द्वारा महाराजगंज अनुमंडल मुख्यालय में आयोजित अम्बेडकर सम्मान समारोह के उपरांत अनुमंडल पदाधिकारी महाराजगंज को एक ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें केंद्र सरकार द्वारा शीतकालीन सत्र में भारतीय संविधान पर चर्चा के दौरान संविधान निमार्ताओं पर अमर्यादित,तथा अत्यंत पीड़ादायक टिप्पणी की गई थी के आशय का ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें आगे कहा गया कि शीतकालीन सत्र में 75 वे वर्ष के अवसर पर सभी दलों द्वारा चर्चा किया गया चर्चा के दौरान राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की ओर से जो चर्चा हुई उसमें खासकर माननीय प्रधानमंत्री द्वारा पूर्व कि केंद्रीय सरकार पर जो आरोप लगाए गए जो निराधार, तथा शर्मनाक है, पूर्व की कांग्रेस सरकार द्वारा संविधान संशोधन पर जो चर्चा हुई जिसे सत्ता पक्ष ने सत्ता के मद में संविधान विरोधी बताया यह तो और हास्यास्पद है, उन्हें यह पता ही नहीं की पूर्व की सरकार द्वारा किया गया संविधान संशोधन कभी भी संविधान की मूल भावनाओं के विपरीत नहीं रहा जबकि वर्तमान भाजपा सरकार द्वारा की गई कई संशोधन संविधान के मूल भावना तथा आम जनों के भावनाओं के विपरीत है 'इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता महराजगंज विधायक श्री विजय शंकर दुबे ने कहा की देश के गृह मंत्री द्वारा संविधान के प्रमुख निमार्ता डॉक्टर अंबेडकर के बारे में जो वक्तव्य दिया गया यह उनके विवेक शून्यता की ओर इशारा करता है इतना ही नहीं राष्ट्रीय आंदोलन से जुड़े हुए सभी संविधान निमार्ताओं को एक तरह से अपमानित करना किसी भी प्रजातांत्रिक सरकार को शोभा नहीं देता जबकि संविधान के मूल भावना के विपरीत वर्तमान सरकार के नींव में एक-एक ईंट लगी हुई है, इन्हें क्या मालूम की संविधान की मूल भावना भारतवासियों के लिए क्या अहमियत रखती है 'अतएव, महामहिम राष्ट्रपति महोदया से सादर अनुरोध किया गया है कि भारत के स्वास्थ्य के लिए वर्तमान सरकार पर प्रजातांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए उचित कदम उठाने की दिशा में दृष्टि देना चाहेंगी ' भारत के गृह मंत्री द्वारा संविधान निमार्ताओं के विरुद्ध आपत्तिजनक सोच रखने पर हम सभी कांग्रेस जन उनके इस्तीफा की मांग करते हैं 'कांग्रेस हमेशा ही संविधान और बाबा साहब का आदर व सम्मान किय है और भविष्य में भी करती रहेगी'ज्ञापन देने के अवसर पर विधायक श्री दुबे के साथ पूर्व कोंग्रेस जिला अध्यक्ष राजा राम सिंह, प्रखंड अध्यक्ष इम्तियाज अहमद, भगवान पुर हाट प्रखंड कोंग्रेस अध्यक्ष उपेंद्र पाण्डेय, जागा सिंह, मुखिया महताब आलम, राजकुमार सिंह, मुकेश राम, जितेंद्र सिंह, रत्नेश पाण्डेय, हरेंद्र राम, अजय मांझी, केदार मांझी, अजय पटेल, जन्नत हुसैन समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजुद थे '

शफीउल उमम व मखदूम बिहार कॉन्फ्रेंस 10 और 11 फरवरी 2024 को

इस कार्यक्रम में मदरसे के 20 बच्चों को दस्तार हिब्ज और केरत का प्रमाण पत्र दिया जाएगा।

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरीफ

सीतामढ़ी।जिला के परिहार प्रखंड स्थित दारुल उलूम हमीदिया गरीब नवाज में आगामी 10 और 11 फरवरी 2025 को दो दिवसीय विशाल शफीउल उमम व मखदूम बिहार कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मदरसे के 20 बच्चों को दस्तार हिब्ज और केरत का प्रमाण पत्र दिया जाएगा। कॉन्फ्रेंस की विधि व्यवस्था के संबंध में आज मदरसा कमेटी और कॉन्फ्रेंस कमिटी के प्रतिनिधियों ने सीतामढ़ी समाहर्ता को आवेदन देकर तथा एसडीओ संजीव कुमार को सूचना समर्पित की और कार्यक्रम की अनुमति की मांग की। कॉन्फ्रेंस के मुख्य अतिथि के रूप में भारत के प्रसिद्ध इस्लामिक स्कॉलर, गाजिए मिल्लत मौलाना मुफ्ती सलमान अजहरी साहब (मुंबई, महाराष्ट्र) उपस्थित होंगे। इस कार्यक्रम की तैयारी को लेकर मदरसा के सचिव अब्दुल मन्नान, कॉन्फ्रेंस कमिटी के अध्यक्ष निजाम शेख, पूर्व जिला पार्षद प्रोफेसर गौहर सिद्दीकी, पूर्व मुखिया फैज अहमद, मोहम्मद असरार उल हक, मोहम्मद मुस्ताक अहमद, पूर्व पंचायत समिति सदस्य मोहम्मद अनवारुल हक रिजवी सहित अन्य गणमान्य लोग शामिल थे। यह कार्यक्रम जिले के इस्लामिक समुदाय के लिए विशेष महत्व रखता है, और इसमें धार्मिक और शैक्षिक गतिविधियों को बढ़ावा देने का उद्देश्य है।

नि:सहाय व्यक्तियों के बीच प्रखंड कार्यालय जयनगर में कंबल वितरण किया गया

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के प्रखंड विकास पदाधिकारी, जयनगर प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि विपिन गोहिवार, उप प्रमुख विनोद यादव जी के द्वारा ठंड को देखते हुए जयनगर प्रखंड अंतर्गत विभिन्न पंचायत से आए हुए नि:सहाय व्यक्तियों के बीच प्रखंड कार्यालय जयनगर में कंबल वितरण किया गया।

बीपीएससी अभ्यर्थियों की मांगों को सुने राज्य सरकार: डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना. मंगलवार, 24 दिसंबर, 2024

बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने बीपीएससी के धरनारत अभ्यर्थियों के मांगों के समर्थन में उनसे मिलने गर्दनीबाग स्थित धरना स्थल पर पहुंचे।धरना स्थल पर पहुंचकर बिहार कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि बीपीएससी के अभ्यर्थियों के जायज मांगों का कांग्रेस पार्टी समर्थन करती है और सरकार से ये मांग करती है कि इनकी मांगों पर विचार करें। साथ ही उन्होंने कहा कि आंदोलनरत अभ्यर्थियों के मांगों को अपने नेता राहुल गांधी तक पहुंचाएंगें। उन्होंने कहा कि पुलिस प्राथमिकी का हम विरोध करते हैं क्योंकि परीक्षार्थियों को कंफ्यूजन में डालकर उनको मजबूर कर दिया गया था। इसलिए उनके ऊपर लादे गए मुकदमे और परीक्षार्थियों को परेशान करना बंद करना होगा अन्यथा कांग्रेस पार्टी पूरी मुस्तैदी से अभ्यर्थियों के पक्ष में आंदोलन को तैयार है।प्रदेश कांग्रेसअध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि सत्ता पक्ष के लोगों ने सदन चलने ही नहीं दिया वरना मैं इस सवाल को देश के उच्च सदन में उठाने की तैयारी में था लेकिन आप सभी ने देखा कि किस तरीके से सत्ता पक्ष ने युवाओं के भविष्य को अंधकारमय करने का कुत्सित प्रयास किया।

बखरी अनुमंडल में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए विशेष वाहन चेकिंग अभियान

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
चंद्रकिशोर पासवान

बखरी। सोमवार देर शाम बखरी अनुमंडल क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के लिए एक विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व बखरी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी श्री कुंदन कुमार ने किया। उन्होंने पुलिस कर्मियों के साथ मिलकर खुद सड़क पर उतरकर प्रमुख चौक-चौराहों, मुख्य मार्गों और संवेदनशील स्थानों पर वाहनों की गहन जांच की।सड़क सुरक्षा नियमों के पालन पर दिया जोर अभियान के दौरान दोपहिया और चारपहिया वाहनों की विशेष जांच की गई। वाहन चालकों को हेलमेट और सीट बेल्ट जैसे सुरक्षा उपायों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वालों को जागरूक करने के साथ-साथ सख्त चेतावनी भी दी गई।सड़क दुर्घटनाओं और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने की पहल पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं को कम करना, आमजन की सुरक्षा बढ़ाना और अवैध गतिविधियों पर रोक लगाना है। इसके तहत बखरी अनुमंडल क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के लिए यह कदम उठाया गया है।अभियान के दौरान श्री कुंदन कुमार ने नागरिकों से अपील की कि वे सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें और सुरक्षा उपायों को गंभीरता से लें।

'भारत रत्न' अटल बिहारी वाजपेयी की 100 वीं जन्म जयंती 'सुशासन दिवस' के अवसर पर होंगे कई कार्यक्रम

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- अटल सम्मान समारोह एवं काव्यांजलि का होगा आयोजन, पदयात्रा भी निकाली जाएगी

पटना, 24 दिसंबर। 'भारत रत्न' अटल बिहारी वाजपेयी की 100 वीं जन्म जयंती 25 दिसंबर को 'सुशासन दिवस' के रूप में भाजपा प्रदेश कार्यालय में धूमधाम से मनाई जाएगी। इस मौके पर कई कार्यक्रम के आयोजित किए जाएंगे।

भाजपा के प्रदेश महामंत्री मिथिलेश तिवारी ने बताया कि 100 वीं जन्म जयंती, हम सभी शताब्दी वर्ष के रूप में मनाएंगे। इसके तहत एक वर्ष तक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। इसकी शुरूआत भी 25 दिसंबर से हो रही है। उन्होंने कहा कि सुशासन दिवस के मौके पर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कृति और व्यक्तित्व पर एक प्रदर्शनी लगाई जा रही है।इसके अलावा अटल सम्मान समारोह आयोजित किया गया है।

श्री तिवारी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की गिनती बड़े कवि के रूप मे होती है। वे कवि हृदय थे, इस कारण उनकी जन्म जयंती के मौके पर काव्यांजलि का भी आयोजन किया जा रहा है , जिसमे स्थानीय कवि कविता पाठ करेंगे।

उन्होंने बताया कि इन सभी कार्यक्रमों में प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल सहित कई गणमान्य लोग शामिल होंगे।

पति को बचाने के फेर में गई पत्नी की जान, जमीनी विवाद में बदमाशों ने एक महिला टीचर को गोली मारकर कर दी हत्या

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर।जिले के दलसिंहसराय में बदमाशों ने जमीनी विवाद को लेकर बीती रात 5 से 6 की तायदाद में अपराधियों ने मंगलवार की अहले सुबह करीब चार बजे घर में घुसकर बीपीएससी शिक्षिका को गोली मारकर हत्या कर दी। मृतका की पहचान खोकसाहा वार्ड संख्या 04 निवासी अनीस कुमार की 26 वर्षीय पत्नी मनीषा कुमारी के रूप में हुई है। इधर जानकारी मिलने पर दलसिंहसराय की पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर भेज दिया। इधर दलसिंहसराय के थाना अध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि घटना स्थल का निरीक्षण करने हेतु एफएसएल की टीम को बुलाया गया है। बताया जाता है कि बीती रात 5 से 6 की संख्या में हथियारबंद बदमाशों ने एक महिला शिक्षिका की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतका टीचर सरायरंजन ब्लॉक के उत्क्रमित मध्य विद्यालय मनिका में कार्यरत थी। घटना के संबंध में मृतक टीचर के ससुर नरेश कुमार साह का बताना है कि बीती रात जब घर के लोग सो रहे थे।इसी बीच किसी ने सुबह चार बजे घर के बाहर से आवाज लगाई। आवाज सुनकर बाहर निकले तो बदमाशों के हाथ में हथियार देख घर के अंदर भाग बेटे को जगाया। बेटे ने जब बदमाशों को पकड़ने की कोशिश की तब बदमाशों ने गोली चला दी। गोली उनके पुत्र को नहीं लगकर उनकी पुत्र बधू को लग गई जिससे उसकी बहु की मौत मौके पर ही गई। इसके बाद सभी बदमाश मौके से फरार हो गये। इधर गोलीबारी की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस शव को जप्त कर मामले की जांच में जुट गई है। वहीं एफएसएल और डीआईयू की टीम भी मौके पर पहुंचे तकनीकी अनुसंधान में जुट गई है। मृतक के ससुर बताना है कि जमीनी विवाद को लेकर थाने में मामला भी दर्ज कराया था जिसका पुलिस ने एक दिन पहले ही अनुसंधान किया था। जमीनी विवाद को लेकर इससे पूर्व भी उनके परिवार में दो लोगों की जान जा चुकी है।

धक्का मुक्की कर कांग्रेस के अंबेडकर सम्मान मार्च को रोकना लोकतंत्र पर कुठाराघात- डॉ अखिलेश सिंह

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- अंबेडकर के सम्मान में कांग्रेसी उतरे मैदान में,सम्मान मार्च को रोका तो धरने में हुआ तब्दील, प्रशासन से नोक-झोंक

पटना. मंगलवार, 24 दिसंबर, 2024

संविधान निमार्ता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के सम्मान में आज कांग्रेस के द्वारा राष्ट्रव्यापी सम्मान मार्च का आयोजन किया गया जिसके तहत आज राजधानी पटना में यारपुर बाघ मूर्ति मंदिर के पास, अम्बेदर प्रतिमा के समीप,गर्दनीबाग, पटना से शहीद स्मारक (सप्तमूर्ती) सचिवालय तक सम्मान मार्च का आयोजन संयुक्त रूप से पटना महानगर कांग्रेस तथा पटना जिला के दोनों ग्रामीण कांग्रेस पार्टी के द्वारा किया गया।जिसमें बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश सिंह ने भी भाग लिया।गृह मंत्री अमित शाह के द्वारा बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के खिलाफ सदन के अंदर किए गए अपशब्दों को लेकर बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह के नेतृत्व में मार्च निकाला गया। इस मार्च को स्थानीय पुलिस प्रशासन के द्वारा आगे बढ़ने से रोक दिया गया जिसके बाद अफरा-तफरी की स्थिति मच गई। मार्च रोके जाने के बाद प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह के नेतृत्व में हजारों कांग्रेसी बीच सड़क पर बैठ गए। जिससे यह सम्मान मार्च धरना में तब्दील हो गया।इसके उपरांत प्रशासन के खिलाफ मौन प्रदर्शन कर कांग्रेसियों के द्वारा वापस अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सम्मान मार्च को समापन किया गया।जिसको संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि केंद्र तथा राज्य सरकार के द्वारा विपक्ष की आवाज का दमन किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि आज प्रशासन ने कांग्रेस कार्यकताओं को सम्मान मार्च से जिस प्रकार रोका उस यह सब जाहिर होता है कि देश तथा राज्य में तानाशाही की स्थिति है।उन्होंने कहा की देश संविधान से चलेगा और जब तक गृह मंत्री अमित शाह इस्तीफा नहीं देते हैं कांग्रेस का आंदोलन जारी रहेगा।उन्होने आरोप लगाया की भाजपा और इसके नेता देश को नागपुरिया किताब से चलाना चाह रहे हैं।देश में अराजकता माहौल बनाकर संवैधानिक मूल्यों का ह्रास किया जा रहा है। सदन से बाबा साहब के प्रति अपमानजनक बात करने की हिमाकत करने वाले गृह मंत्री को तत्काल इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि पहले नैतिकता के आधार पर इस्तीफा मांगा जाता था लेकिन अब ये सरकार तो नैतिकता का गला घोंट कर सदन के अंदर ही देश के महानायकों को बदनाम करने पर और उनका अपमान करने पर तुल गई है। देश में संविधान को लेकर अब तक भाजपा के नेता भ्रांतियां फैला रहे थे और अब तो संविधान के निमार्ता बाबा साहब के साथ भी ये ज्यादती करके ये दिखा रहे हैं कि इनको देश के महानायकों के प्रति कोई सम्मान नहीं है। ये आजादी के लड़ाई के महानायकों को भी नहीं मानते हैं। इस दौरान पूर्व मंत्री कृपानाथ पाठक,अंबुज किशोर झा,पटना महानगर के अध्यक्ष शशि रंजन,ग्रामीण अध्यक्ष सुमित कुमार सनी तथा कार्यकारी अध्यक्ष गुरजीत सिंह ने पटना जिलाधिकारी से मिल कर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा।

सीतामढ़ी के एसपी का होवा प्रमोशन

मो.सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी: सीतामढ़ी के वर्तमान पुलिस अधीक्षक (एसपी) मनोज कुमार तिवारी का प्रमोशन किया गया है उनको एस एस पी बनाने का आदेश विभाग से निर्गत किया गया सीतामढ़ी के वर्तमान एस पी एक अत्यंत ऊजार्वान और कर्मठ अधिकारी के रूप में जाने जाते हैं। उन्होंने अपनी जिम्मेदारी संभालने के बाद जिले में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने और अपराध नियंत्रण में प्रभावशाली कदम उठाए हैं। उनके नेतृत्व में पुलिस बल ने त्वरित कार्रवाई, आधुनिक तकनीक का उपयोग, और नागरिक सहयोग को प्राथमिकता देते हुए कई महत्वपूर्ण मामलों को सुलझाया है। मनोज कुमार तिवारी का प्रशासनिक दृष्टिकोण न केवल अपराधियों पर सख्ती करने में बल्कि जनता के साथ संवाद स्थापित करने में भी उत्कृष्ट है। वे नियमित रूप से जनता दरबार और जागरूकता अभियानों का आयोजन करते हैं, जिससे पुलिस और जनता के बीच विश्वास कायम हुआ है। उनकी कार्यशैली में अनुशासन और पारदर्शिता का विशेष महत्व है, जो जिले की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में सहायक साबित हो रही है। उनको इस इस पी बनाए जाने पर बहुत से लोगों ने बधाईयां दी है

सारण फाउंडेशन द्वारा कराये जा रहे सारण खेल महोत्सव के तत्वावधान में कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

मो.सदरे आलम नौमानी

शकील हैदर,वरिष्ठ संवाददाता, छपरा

गौतम ऋषि के पावन धरती रिवीलगंज के पूर्वी सेमरिया में किया गया। टूनामेंट के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता शैलेंद्र सेंगर ने की। टूनामेंट का विधिवत उद्घाटन भाजपा के पूर्व प्रदेश मंत्री एवं किसान मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष श्री कामेश्वर प्रसाद सिंह ने द्वारा नारियल फोड़ कर किया गया। कार्यक्रम में शामिल सिताब दियारा के मुखिया अजित सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता शंभू पांडे, विश्व आर्बिटर शतरंज के अरविंद कुमार सिंह ,सारण जिला कबड्डी संघ के उपाध्यक्ष अमरेन्द्र कुमार सिंह, वरीय खिलाड़ी सतीश कुमार सिंह, कबड्डी संघ के सचिव पंकज कश्यप , शतरंज संघ के सचिव मनोज कुमार वर्मा संकल्प, ओलंपिक संघ के सचिव सभापति बैठा एवं जयप्रकाश विश्वविद्यालय के सीनेट सदस्य नवलेश सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर खेल को प्रारंभ कराया। मुख्य अतिथि कामेश्वर प्रसाद सिंह ने अपने संबोधन में बताया कि सारण फाउंडेशन के अध्यक्ष शैलेंद्र सेंगर ने गौतम ऋषि की ऐतिहासिक धरती पर कबड्डी टूनामेंट करा कर जो शुरूआत किया है उससे इस क्षेत्र के युवाओं को खेल के प्रति जागरूक किया है वह काफी सराहनीय है। सारण जिला भारोत्तोलन संघ के अध्यक्ष डॉ सुरेश प्रसाद सिंह ने संबोधन में बताया कि सारण खेल महोत्सव की शुरूआत करके सारण के युवाओं में खेल के प्रति जोश भरने का कार्य फाउंडेशन के अध्यक्ष शैलेंद्र सेंगर ने किया है जो आज के इस दौड़ में युवाओं को खेल के क्षेत्र में अपनी कैरियर बनाने की शुरूआत करेगा। आज के नई पीढ़ी अपने कैरियर के लिए इधर-उधर भटक रही हैं , उस नई पीढ़ी में खेल के प्रति जागरूकता पैदा करने की एक कड़ी आज छपरा की धरती पर शैलेंद्र सेंगर ने प्रारंभ की है जो आगे चलकर निश्चित ही नौजवानों को स्वर्णिम भविष्य की तरफ ले जाने का कार्य करेगी।

कबड्डी के पहले मैच में मढ़ौरा बनाम दिघवारा के बीच जबरदस्त मुकाबला हुआ जिसमें मढ़ौरा ने दिघवारा को 20 अंक से परास्त कर अगले चक्र में प्रवेश किया। दूसरा मैच मांझी बनाम नगरा के बीच में सम्पन्न हुआ जिसमें मांझी ने नगरा को 18 अंक से परास्त कर अगले चक्र में प्रवेश किया। तीसरा मैच सोनपुर बनाम दरियापुर चौथा मैच मशरख बनाम अमनौर एवं पांचवा मैच किलकारी बनाम विजय राय का टोला से होगा। आज के मैच में निर्णायक के रूप में राकेश कुमार सिंह ,सुशील कुमार सिंह ,सूरज कुमार, मुकुलेस , नीरज तिवारी, राजेश कुमार सिंह,सूरज कुमार सिंह आदि ने निर्णायक की भूमिका निभाई। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से सुनील कुमार सिंह, रमेश सिंह, अमित कुमार गिरी, सुधीर सिंह, जितेश सिंह ,जोगिंदर सिंह ,गामा सिंह,राजदेव चौधरी , प्रभु राय, नितेश सिंह, अनुभव सिंह इत्यादि उपस्थित थे।

मदरसा के शिक्षकों के साथ हो रहा है सौतेला व्यवहार : रिजवानुल हक गुड्डू

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। मदरसा शिक्षकों की लंबित समस्याओं के समाधान एवं अपनी मांगो को सरकार के समक्ष रखने के लिए शहर स्थित मीनाक्षी उत्सव पैलेस पंजाबी कॉलोनी में मदरसा डेवलपमेंट ऑर्गनाईजेशन के बैनर तले एक कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ो की संख्या में मदरसा शिक्षको उपस्थित हुए और मुख्यमंत्री के जयकारों के खुब नारे लगाये साथ ही मदरसा डेवलपमेंट आर्यनाईजेशन समस्तीपुर यूनिट के अध्यक्ष मो रिजवानुल हक उर्फ गुड्डू ने पत्रकारों को बताया कि बिहार के मुख्यमंत्री ने हम मदरसा शिक्षको को बहुत कुछ दिया है आशा है कि जो कमी रह गई है उसे भी मुख्यमंत्री जल्द ही पूरा कर देंगे। जिला, सचिव मो तनवीर आलम ने कहा कि हम आशा के साथ मांग करते हैं कि सरकार मदरसा शिक्षकों को भी विद्यालय के समान सभी सुविधाएँ प्रदान करें जो मुख्यमंत्री जो अपने अकसर कहते है उसे सच करने का समय आ गया है। वहीं प्रेस वार्ता में उपस्थित मदरसा डेवलपमेंट आर्गनाईजेशन के प्रदेश संयोजका मो सफी अंसारी ने प्रेस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री से विनम्र प्रार्थना की है कि जल्द से जल्द बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड का गठन किया जाय। बोर्ड गठन में हो रही देरी के कारण वेतन बन्द 205 एवं 609 कोटि के शेष 133 मदरसों की फाइल एक साल से ज्यादा से धूल फांक रही है। जिससे हजारों परिवार भूखमरी के शिकार हो रही है। गैर अनुदानित 1646 मदरसों की फाइल भी बोई नहीं रहने के कारण सचिवालय तक नहीं पहुंच पा रही है। साथ ही सैकड़ों प्रबन्ध समिति बोर्ड से मंजूरी के लिए पड़ी है और नियुक्ति नहीं होने के कारण सैकड़ों मदरसा बन्द होते जा रहें हैं तथा लगभग मदरसो में शिक्षकों की कमी के कारण पठन - पाठन के काम में भी दुशवारी हो रही है। इसलिए मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री से गुजारिश है कि जल्द से जल्द बिहार मदरसा शिक्षा बोर्ड का गठन किया जाय। इस कॉन्फ्रेंस में मो मरगूब आलम के अलावा रिजवानुल हक गुड्डू, मौलाना मो अब्दुस सत्तार, मो दानिश कमाल, मो खालिद हसीब रिजवी, मो नूर हसन, मौलाना सईदुर रहमान, मौलाना मो कासिम, मो मुजफ्फर हुसैन, एबादुर रहमान अंसारी, मो जयाउल हक, मो अनवर हुसैन, मो मुबारक हुसैन अंसारी, मो गुलाब, मो शीस, मो एकरामुल हक आदि मौजूद थे। आखिर में पांच सदस्यीय टीम ने अपने नौ सूत्री मांगों से संबंधित मुख्यमंत्री के नाम से ज्ञापन डीएम और डीईओ को दिया।

किसी भी तरह की सूचना पर 20 मिनट में पहुंचेगी पुलिस: थानाध्यक्ष मशरक

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के अलग-अलग गांवों में अपराध नियंत्रण और गांवों में शांति व्यवस्था कायम रखने को लेकर सीओ सुमंत कुमार और थानाध्यक्ष अजय कुमार ने जजौली, सोनौली में लोगों के साथ बैठक आयोजित की। वहीं सोनौली गांव में पिछले दिनों पहले हुए विवादित स्थल का निरीक्षण किया और शांति व्यवस्था कायम रखने को सुरक्षा के आवश्यक उपाय किए गए वहीं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में थानाध्यक्ष ने क्षेत्र की जनता से रूबरू होकर सकारात्मक सहयोग करने की अपील की। इस मौके पर सोनौली मुखिया इम्तियाज खान उर्फ चुन्नू बाबू ने थानाध्यक्ष द्वारा उठाए गये कदम की सराहना की और कहा कि इस तरह के बैठक से क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम होगा। थानाध्यक्ष ने सभी लोगों से पुलिस की सहयोग करने और किसी भी तरह की सूचना बेहिचक देने की बात कही। कहा कि 20 मिनट के अंदर पुलिस मौके पर पहुंचेगी। वहीं जजौली गांव में सत्येंद्र सिंह और उनके पड़ोसी के बीच वर्षों से चले आ रहे विवाद का बैठक कर समाधान कराया। सीओ सुमंत कुमार ने बताया कि गांवों में शांति व्यवस्था बनाए रखने को लेकर इलाके में निरीक्षण किया गया। सोनौली गांव में बन रहें पंचायत सरकार भवन के जमीन की सीमांकन कर कार्य शुरू कराया गया।

कांग्रेस कमिटी ने निकाला भीमराव अंबेडकर का सम्मान यात्रा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। मंगलवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के आहवान पर तथा बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के निदेर्शानुसार समस्तीपुर जिला कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर सम्मान यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा का उद्देश संसद में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा संविधान निमार्ता देश रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर को अपमानित किए जाने के कारण उनके प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस जनों ने भाग लिया जो अपने हाथों में बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की फोटो एवं विभिन्न नारों की तख्तियां लिए हुए थे। प्रतिरोध मार्च जिला कांग्रेस कार्यालय से निकलकर विभिन्न मार्गों से होते हुए अंबेडकर स्मारक पर माल्यार्पण उपरांत जिला समाहर्ता की अनुपस्थिति में अपरस्पहर्ता को एक स्मार पत्र महामहिम राष्ट्रपति महोदया को संबोधित समर्पित किया गया। जिसमें केंद्रीय मंत्री परिषद से अमित शाह को अविलंब बर्खास्त करने का आग्रह किया गया है। सम्मान यात्रा का नेतृत्व जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष मो अबू तमीम ने किया। उक्त यात्रा में जय भीम, जय भीम, जय जय भीम के नारे लगाए जा रहे थे। इतना ही नहीं गृह मंत्री अमित शाह इस्तीफा दो, इस्तीफा दो के नारे खूब लगाए जा रहे थे। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमिटी के विजय शंकर शर्मा, देवेंद्र नारायण झा, सत्य नारायण सिंह, सरोज कुमार सिंह, मिथलेश पोद्दार, अंजनी मिश्र, महासचिव मुकेश कुमार चौधरी, सतीश चन्द्र चौधरी, ठाकुर मनोज भारद्वाज, समौली झा, प्रमोद कुमार अधिवक्ता, सोनी पासवान, कन्हैया कुमार, उमेंद्र नाथ तिवारी, नगर अध्यक्ष डोमन राय, प्रखंड अध्यक्ष उमेश चंद्रकुंवर, अब्दुल मालिक, कपिलेश्वर कुंवर, सुभाष चन्द्रसिंह, आशुतोष कुमार सिंह, पार्थेश्वर सिंह, दिनेश ठाकुर, संजय झा, अरविंद कुमार सिंह, नंद कुमार चौधरी, फिरोज अंसारी, युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष रितेश कुमार चौधरी, एससी विभाग के अध्यक्ष कामेश्वर पासवान, मो मोहिउद्दीन, सुधीर सिंह, मो तैयब, बलवीर साह, शिव राम ठाकुर, राम विलास राय, विश्वनाथ सिंह हजारी, राम विलास राय बिरनामा, मोइन रजा, प्रविंद कुमार, अजय कुमार, सुरज राम, अजीत कुमार सिंह, उमेश प्रसाद राम, नज्मुल होदा, गौरी शंकर चौधरी, वीरेंद्र राय, अनिल कुमार कुशवाहा, प्रवीण कुमार, गोपाल चौधरी, परमानंद मिश्र, ब्रजेश चौधरी,

मंडल के मुक्तापुर स्टेशन तथा रेल फाटक के मध्य चलाया गया अतिक्रमण मुक्ति अभियान, अवैध रूप से चल रही दुकानों को हटाया गया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। मंडल के मुक्तापुर स्टेशन पर अतिक्रमण मुक्ति हेतु अभियान चलाया गया। इस में स्टेशन परिसर तथा रेलवे फाटक में मध्य अवैध रूप से अतिक्रमित करके बनाई गई दुकानों को रेल प्रशासन द्वारा जेसीबी मशीन से तोड़कर हटाया गया। इस क्रम में वहां पर अवैध रूप से चल रहे, चिकन दुकान सहित अन्य दुकानों को भी हटाया गया। रेलवे की इस कार्रवाई से स्थानीय लोगों और यात्रियों द्वारा काफी सराहा जा रहा है तथा अतिक्रमण को हटाने के लिए रेल प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई का स्वागत किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि मुक्तापुर स्टेशन और रेल फाटक के बीच रेल परिसर में चल रही इस अवैध दुकान को हटाने से रेलवे की काफी जमीन अतिक्रमण मुक्त हुई है, जिससे अब यात्रियों को भी आने जाने में काफी सहूलियत होगी। इस कार्रवाई से यात्रियों और स्थानीय लोगों में हर्ष व्याप्त है। उन्होंने रेल प्रशासन को धन्यवाद दिया है। विदित हो कि रेल प्रशासन ने इस कार्रवाई को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है और अवैध दुकानों को हटाकर रेल परिसर को साफ कर दिया है। यह कार्रवाई रेलवे की जमीन को अतिक्रमण से मुक्त करने और यात्रियों को सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा की सुविधा प्रदान करने के लिए की गई है।

स्थानीय लोगो ने कहा कि हम रेल प्रशासन को इस कार्रवाई के लिए धन्यवाद देते हैं और उम्मीद करते हैं कि वे भविष्य में भी ऐसी कार्रवाइयां करते रहेंगे जो यात्रियों और स्थानीय लोगों के हित में होगी।

समस्तीपुर मे अमीन के पद पर नियुक्ति हेतु असली दस्तावेज कापी लेकर जांच होगी

देश के मौजुदा हालात मे मुसलमानों की जिम्मेदारी:मौलाना नौमानी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबरार नौमानी

सीतामढ़ी: मुसलमान अन्य कौमों की तरह एक कौम नहीं हैं बल्कि वे एक उच्च आदर्श वाली कौम हैं। इस हैसियत से मुसलमानों के मकाम व मर्तबे से यह कमतर बात है कि उनकी सोच अपनी समस्याओं और हितों तक ही सीमित रहे। जब शोषक वर्ग और विध्वंसक शक्तियाँ अपने स्वार्थ के लिए देश और समाज में अन्याय, विषमता को बढ़ावा दे रही हों तो ऐसे अराजक माहौल में मुसलमानों को ऐसे राजनीतिक कार्यक्रम और सामाजिक योजना और मानवतावादी विचारधारा को अपनाकर आगे बढ़ना चाहिए जिसमें देश के सभी लोगों का कल्याण हो, उक्त बातें उलमा बोर्ड हिंद के अध्यक्ष मौलाना मोहम्मद सदरे आलम नौमानी ने अपने एक बयान में कहा है उन्होंने ने कहा है कि सभी के लिए न्याय की गारंटी हो और सभी के अधिकारों की सुरक्षा हो, इस्लाम की शिक्षाओं के आलोक में मुसलमान सभी मनुष्यों के हितों के वाहक बनकर उभरें

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा किए गए कार्यों को जन-जन तक पहुंचने का संकल्प दिलाया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नावकोठी (बेगूसराय) ' प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में बैठक कर जदयू कार्यकताओं को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के 19 वर्षों के शासन काल में सभी वर्गों के लिए किए गए कार्यों का सभी पंचायतों में जन जन तक पहुंचाने का संकल्प दिलवाया गया। मंगलवार को रजाकपुर पंचायत में जदयू पंचायत अध्यक्ष गोपाल महतों के दरवाजे पर, समसा पंचायत में पूर्व पंचायत समिति सदस्य सह पंचायत अध्यक्ष मनोज महतो के दरवाजे पर, विष्णुपुर पंचायत में पूर्व प्रखंड अध्यक्ष केसरी नंदन मिश्र के दरवाजे पर कार्यकताओं को संकल्प दिलवाया गया जनता दल(यू०) के अध्यक्ष मुकेश कुमार सिंह, शुभांकर मिश्र,विजय शंकर महतों,गोपाल महतों,दिनेश महतों, श्री सत्य नारायण चौधरी, लक्ष्मी रजक,श्रीधर पाठक,चंद्रशेखर साह इत्यादि वरिष्ठ नेताओं ने भी संकल्प लिया।

बीईओ ने प्रधानाध्यापकों के साथ की समीक्षा बैठक, दी गई आवश्यक दिशा-निर्देश

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक बीआरसी के सभागार में मंगलवार को प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी डॉ वीणा कुमारी की अध्यक्षता में प्रखंड अंतर्गत सभी सरकारी विद्यालय के प्रधानाध्यापकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक दो सत्रों में बुलाई गई थी। जिसमें प्राथमिक विद्यालय और मध्य विद्यालय को अलग-अलग रखा गया था। जिसमें विद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के जन्म प्रमाण पत्र निबंधन तथा आधार आईडी जेनरेशन की समीक्षा की गई। बैठक में विधालय में बेंच डेस्क की उपलब्धता , हाउस होल्ड सर्वे, अपार आईडी, जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड सुधार हेतु बच्चों की सूची पर चर्चा की गयी और रिपोर्ट मांगी गयी। मौके पर प्रधानाध्यापक उपेन्द्र कुमार सिंह,बिनोद तिवारी,मंटू सिंह, अजीत सिंह,प्रभात कुमार,ओम प्रकाश सिंह, कुमार प्रमोद, संतोष सिंह समेत अन्य प्रधानाध्यापक मौजूद रहें। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी डॉ वीणा कुमारी ने विभिन्न कार्यों की समीक्षा के क्रम में विद्यालय में शिक्षकों की उपस्थिति व वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिये समग्र शिक्षा व विद्यालय शिक्षा समिति के वित्तीय अभिलेखों के संधारण से संबंधित कार्यों की जानकारी सभी एचएम से बारी-बारी से प्राप्त की। वही उन्होंने विद्यालय में नामांकित 75 प्रतिशत या अधिक उपस्थिति वाले छात्र-छात्राओं का ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर प्रविष्टि का निर्देश सभी प्रधानाध्यापक को दिया।

सघन वाहन चेकिंग में चार हजार वसूली पुलिस अधीक्षक ने भी क्षेत्र में वाहन चेकिंग किया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न चौक चौराहा पर थानाध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा व अवर निरीक्षक मनोज कुमार सहित पुलिस बल के नेतृत्व में जटमलपुर चौक, थाना के सामने, कल्याणपुर चौक आदि स्थानों पर सघन वाहन चेकिंग किया गया। कल्याणपुर पुलिस पदाधिकारी ने बताया कि पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मिश्रा भी क्षेत्र में सघन वाहन चेकिंग में शामिल थे। चेकिंग के दौरान 4000 की राजस्व वसूली की गई। क्षेत्र में वाहन चेकिंग अभियान से अवैध वाहन चालकों में मचा हड़कंप।

विभिन्न गांव में हुई मारपीट की घटना में 08 जख्मी, दो रेफर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांव में हुई मारपीट की घटना में 08 लोग जख्मी हुए। जिसे परिजनों के सहयोग से सभी जख्मी को सामुदायिक अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां एक कोयलाकुंड गांव के 45 वर्षीय मुन्ना महतो की स्थिति गंभीर देखते हुए चिकित्सक ने सदर अस्पताल रेफर किया। वहीं दूसरी ओर कोयलाकुंड गांव के 20 वर्षीय बलराम कुमार विरसिंहपुर गांव के 35 वर्षीय अखिलेश कुमार चौधरी, माला देवी, कुलदीप चौधरी, प्रीति कुमारी, शालिनी कुमारी व पूजा कुमारी का इलाज सामुदायिक अस्पताल में चल रहा है। इसकी जानकारी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर हैदर ने दी है।

सामाजिक कार्यकर्ता उमेश चौधरी का हृदय गति रुकने से मौत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के जटमलपुर गांव के पूर्व मुखिया स्वर्गीय रामविलास चौधरी के सबसे छोटे पुत्र व सामाजिक कार्यकर्ता 75 वर्षीय उमेश चौधरी का आकस्मिक निधन हृदय गति रुकने से हो गया। मौत की खबर आम होते ही बिजली की तरह दरभंगा तक फैल गई। मृतक के क्लास साथी दरभंगा मेडिकल कॉलेज के पूर्व विभागध्यक्ष डॉ ए के गुप्ता सहित गांव के मुखिया प्रतिनिधि सह जदयू नेता रामचंद्र राय कई लोग दरभंगा के महावीर राइस मिल के उद्योगपति पुत्र आदि ने उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उनका अंतिम संस्कार गांव के ही बागमती तट पर किया गया, उनके छोटे पुत्र छोटू ने मुखाग्नि दी।

अमित शाह द्वारा सांसद में दिए गये बयान से हो रही है दुनियां में जग हंसाई : राम बालक पासवान

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। गृह मंत्री अमित शाह द्वारा संसद में दिए गये बयान पर प्रत्येक दिन किसी न किसी नेता घोर निंदा की खबर आ रही है। इसी कड़ी में समस्तीपुर जिले के उप महापौर सह जन सुराज पार्टी के वरीय नेता राम बालक पासवान ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि अमित शाह द्वारा दिए गये बयान अत्यंत दुःखद, अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने कहा कि अमित शाह को अपना बयान अविलंब वापस लेना चाहिए तथा अपने पद से त्याग पत्र दे देना चाहिए। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने जो भीमराव अंबेडकर के खिलाफ बयान देकर खुद फंस गये हैं। अमित शाह द्वारा दिए गये अहंकारी बयान पूरे देश को झकझोड़ कर रख दिया है, जो देश के लोग कभी माफ नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि अमित शाह के बयान से पूरी दुनियां में जग हंसाई हो रही है। राम बालक पासवान ने कहा है कि भारत के प्रधानमंत्री ने किस प्रकार ऐसे हल्के लोगों को, ऐसे अहंकारी लोगों को ऐसे ओछे लोगों को अपने मंत्री मंडल में रखे हुए हैं, उसे अविलंब मंत्री मंडल से पदच्युत कर देना चाहिए।

डायल 112 की टीम को ग्रामीणों ने बंधक बनाया, अवैध खनन की सूचना पर पहुंची थी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र में डायल 112 की गाड़ी को स्थानीय लोगों ने बंधक बनाया दो थाने की पुलिस पहुंची। बतादे की चकमहेसी थाना क्षेत्र के मालीनगर पंचायत के वार्ड संख्या 07 सिमरी गांव में मंगलवार की दोपहर मिट्टी काटने की सूचना 112 की टीम को मिली, जैसे खनन स्थल पर पहुंची कि ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर लेकर सिमरी गांव की ओर ट्रेक्टर पर लोड मिट्टी हाइड्रेलिक ट्रैक्टर्स गिराते हुए भागने लगा, जिससे 112 की टीम के द्वारा पीछा किया। एक बागान की ओर जाने के क्रम में आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 362 के समीप अपने ननिहाल आी एक नौ वर्षीय किशोर ननिहाल के दरवाजे पर अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था। परिजनों ने आरोप लगाया कि 112 टीम की बोलेरो से ठोकर लगने से गंभीर रूप से बच्चा घायल हो गया। जिसे स्थानीय ग्रामीणों ने इलाज के लिए पूसा के एक निजी क्लीनिक में भर्ती कराया। वही घायल किशोर कि पहचान कल्याणपुर थाने के गोविंदपुर खजूरी चकजाफर गांव के पप्पू कुमार राय के 9 वर्षीय पुत्र सौरभ सुमन के रूप में की गई। बाद में स्थानीय ग्रामीणों ने 112 टीम के पदाधिकारी संजय कुमार सिंह को बंधक बना लिया। वही दुर्घटना स्थल से दोनों वाहन के चालक फरार हो गया दोनों वाहन मौके पर देखते हुए स्थानीय ग्रामीणों ने विरोध करते हुए वरिय पुलिस पदाधिकारी को बुलाने के बाद छोड़ने की बात कहते हुए पुलिस पदाधिकारी की विरोध करने लगे सूचना पर पहुंचे एडिशनल एसएचओ शम्भू सिंह कल्याणपुर थाने के सव इंस्पेक्टर शिम्पी कुमारी, एसआई रामनाथ राय, संजीव कुमार सिंह, राजेंद्र यादव दल बल के सहयोग से स्थानीय पुर्व मुखिया विजय शर्मा व अन्य जनप्रतिनिधि के सहयोग से परिजनों को समझाते हुए पुलिस कर्मी व 112 टीम के पदाधिकारी संजय कुमार सिंह को बंधक मुक्त कराया।

रजा जन सेवा सोसाइटी की ओर से सिलाई प्रशिक्षण में उत्तीर्ण छात्रा को सर्टिफिकेट प्रमाण पत्र

सर्दी का मौसम देखते हुए गरीब असहाय के बीच बंटा कम्बल

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

ताजपुर / समस्तीपुर : - - जिले के ताजपुर प्रखंड अंतर्गत शाहपुर बधौनी पंचायत के शाहपुर बघौनी स्वयं सेवी संस्था रजा जन सेवा सोसाइटी को ओर से रजा जन सेवा सिलाई क्लास महिला प्रशिक्षण केंद्र में उत्तीर्ण छात्राओं के बीच सिलाई प्रशिक्षण प्रमाणपत्र दिया गया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि मोरवा विधायक श्री रणविजय साहू जी ने छात्रा को सिलाई प्रशिक्षण प्रमाण पत्र दिया वहीं लगभग 50 से अधिक असहाय लोगों को कम्बल दिया और कहा कि किसी की मदद कर के सुकून मिलता है उसका बयान करना मुश्किल है इस सर्दी के मौसम में रजा जन सेवा सोसाइटी ने जो कूपन के माध्यम से जो जरूरत मंद लोगों के बीच कम्बल वितरण एवं गरीब बेसहारा बच्चियों के लिए सिलाई प्रशिक्षण दिलाना ये सब सराहनीय कार्य किया है । सोसायटी के अध्यक्ष शफीउररजा चुन्नू बाबू का शुक्रिया अदा किया और ये दुआ की हैं । आप को हर मुकाम पे सफलता मिलती रहे और कामयाबी हो ताकि आगे आपको ऐसा सेवा करने का मौका मिला रहे ।जिस की तुलना नहीं की जा सकती है । इस मौके पर सोसाइटी के अध्यक्ष शफीउररजा चुन्नू बाबू, पंचायत के उप मुखिया नसीरुद्दीन फैजी , पंचायत समिति सदस्य खलीलूर रहमान मुकद्दर , नूरुज्जोहा कमाल आफो , यूसुफ साहब , नजमुल होदा नजम , आयाज अहमद , गुड्डू बाबू ,अफरोज बाबू , अजहर मिकरानी, नियाज , मो0 सद्दाम , इत्यादि लोग उपस्थित थे ।

राजेश कुमार (35 वर्ष) अपने कार्यालय कक्ष मे टेबुल पर कार्यो को निबटाने के दौरान अचेत हो कर गिर पड़

केवटी(दरभंगा) :- प्रखंड कार्यालय के प्रधान लिपिक राजेश कुमार (35 वर्ष) अपने कार्यालय कक्ष मे टेबुल पर कार्यों को निबटाने के दौरान अचेत हो कर गिर पड़े। घटना करीब एक बजे की है। थोड़ी देर के लिए प्रखंड कार्यालय के सभी कर्मियों के बीच अफरा- तफरी मच गई। प्रखंड, अंचल और अन्य विभाग के कर्मचारी इकट्ठे हो गये। सहकर्मियों ने बेहोस पड़े प्रधान लिपिक को उसी हाल मे इलाज हेतु केवटी सीएचसी पहुँचाया जहाँ डॉक्टरों के 2 घण्टे के उपचार के बाद वे होश मे आये। सबों की सहमति से बीपीआरओ जयप्रकाश मंडल के संग उन्हें दरभंगा स्थित आवास पर भेजा गया।

तेघड़ा में जनसुराज के कार्यकताओं की हुई बैठक.

हर घर जनसुराज अभियान को सफल बनाने, संगठन को विस्तार एवं मजबूत करने पर हुआ विचार विमर्श.

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

तेघड़ा.मंगलवार को जनसुराज के तेघड़ा अनुमण्डल कार्यालय परिसर में तेघड़ा प्रखण्ड क्षेत्र के जनसुराज के कार्यकताओं की एक बैठक जनसुराज तेघड़ा अनुमण्डल अध्यक्ष विपिन कुमार चौधरी की अध्यक्षता एवं जनसुराज के प्रमुख नेता आर एन सिंह की निगरानी में की गई. बैठक में तेघड़ा विधान सभा में "हर घर जनसुराज अभियान" को सफल बनाने, संगठन को विस्तार एवं संगठन को मजबूत करने पर विचार विमर्श किया गया. जनसु ?राज के नेता एवं कार्यकर्ता के घर पर जनसुराज का झंडा एवं स्टीकर लगाने का संकल्प लिया गया. बैठक में आर० एन सिंह ने कहा कि प्रशान्त किशोर ने जो बिहार की दशा और दिशा बदलने का संकल्प लिया है, उनके इस विचार से प्रभावित होकर बहुत सारे लोग जनसुराज से जुड़े हैं. उनलोगों को एक जुट करने की आवश्यकता है। राज्य समिति सदस्य कुमार गौतम, मो रिजवान उस्मानी, मजहर अली, अरविन्द कुमार राय, प्रखण्ड अध्यक्ष कृष्ण मोहन सिंह इत्यादि ने अपने अपने विचार को रखा। बै

फौकानिया एवं मौलवी परीक्षा 20 जनवरी से शुरू होगा

मो.सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी :बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड पटना द्वारा संचालित फौकानिया (मैट्रिक) एवं मौलवी (इंटर) परीक्षा 2025 का 20 जनवरी 2025 से शुरू होगा और 25 जनवरी को समाप्त होगा। बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड पटना के सचिव शाहजहां, परीक्षा नियंत्रक डॉक्टर मो नूर इस्लाम अलीग ने कहा कि फौकानिया और मौलवी की परीक्षा आगमी 20 से 25 जनवरी

बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड पटना द्वारा संचालित फौकानिया (मैट्रिक) एवं मौलवी (इंटर) परीक्षा 2025 का 20 जनवरी 2025 से शुरू होगा और 25 जनवरी को समाप्त होगा

2025 तक आयोजित की जाएगी। परीक्षा दो पाली में आयोजित की जाएगी प्रथम पाली 8:45 से 1:45 तक एवं दुसरी पाली 1:45 से 5 बजे शाम तक परीक्षा होगी। प्रैक्टिकल की परीक्षा उसी मदरसा में होगी जिस मदरसा में छात्र छात्रा पढ़ाई करते हैं उसी मदरसा में प्रैक्टिकल की परीक्षा देंगे। परीक्षा की तैयारी की जा रही हैं समय से पूर्व पुरी तैयारी होजाएगी

सभी प्रखंडों में खुलेंगे मॉडल स्कूल, शनिवार को होगा शिक्षक-अभिभावक संगोष्ठी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर जिले के प्रत्येक प्रखंड में एक मॉडल स्कूल खुलेगा। इसके लिए विभागीय तैयारी शुरू हो गई है। इसे उत्कृष्ट मॉडल के रूप में विकसित किया जाएगा, ताकि अन्य विद्यालय इसका अनुसरण कर खुद को बेहतर बना सकें। इसका चयन भी जिला स्तर पर होगा। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ के निदेर्शानुसार मॉडल स्कूल बनाने की प्रक्रिया जिला मुख्यालय से शुरू होगी। सबसे पहले यहां के एक विद्यालय का चयन कर उसे मॉडल रूप दिया जाएगा।यह योजना तीन चरणों में पूरी होगी। पहले चरण में यह योजना जिला मुख्यालय में लागू होगी, फिर दूसरे चरण में इस योजना

का विस्तार अनुमंडल और प्रखंडों में किया जाएगा। इसका उद्देश्य सभी विद्यालयों को बेहतर बनाना है। वहीं, जरूरत के हिसाब से शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति भी की जा सकेगी। डीएम की अध्यक्षता में जिला स्तरीय स्थापना समिति होगी। इससे जरूरत के हिसाब से विषय और कक्षा के हिसाब से अलग-अलग स्कूलों में शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति हो सकेगी। कई स्कूलों में जरूरत के मुताबिक विज्ञान और अंग्रेजी के शिक्षक नहीं हैं। इसीलिए यह आदेश दिया गया है।वहीं अब स्कूलों में पहली घंटी गणित की होगी, जबकि दूसरी घंटी रीडिंग की होगी। इस व्यवस्था को लागू करने के लिए 100 दिन की कार्ययोजना है। तय किया गया है कि 100 दिन 100 घंटे गणित और 100 दिन 100 घंटे रीडिंग के लिए होंगे। इसके पीछे मकसद बच्चों को गणित और रीडिंग में सक्षम बनाना है। हाल ही में एक सर्वे में यह बात सामने आई थी कि सरकारी स्कूलों के बच्चे गणित और रीडिंग में कमजोर हैं। इस नई व्यवस्था से उनकी यह कमजोरी दूर हो सकेगी। स्थानीय स्तर पर अन्य कक्षाएं चलाने की व्यवस्था की जाएगी।इसके अलावा कंप्यूटर क्लास को लेकर भी सरकार गंभीर है। सरकार संबंधित स्कूलों में कंप्यूटर क्लास चलाने की व्यवस्था करने की भी तैयारी कर रही है। शिक्षा की स्थिति सुधारने के लिए हर माह के एक शनिवार को शिक्षक-अभिभावक संगोष्ठी आयोजित करने का आदेश दिया गया है।

बंजारा समाज विकास अभियान रजिस्टर्ड द्वारा गरीब असहाय में कम्बल वितरण किया गया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

बंजारा समाज विकास अभियान के तत्वाधान में आज दिनांक 24 12 2024 को ग्राम बोआरिडीह बरकुरवा थाना रामनगर जिला मुजफ्फरपुर में जिला इकाई अध्यक्ष मोहम्मद इस्लाम की अध्यक्षता में कम्बल वितरण शिविर का आयोजन किया गया । एवं बंजारा समाज विकास अभियान का जिला शाखा कार्यालय बोआरिडीह बरकुरवा थाना रामनगर का भी उद्घाटन किया गया जिसमें सचिव मो. तमन्ने , कोषाध्यक्ष मोहम्मद मुजिम एवं सदस्य मोहम्मद दुलारे साहब भी उपस्थित रहे जिसमें बंजारा समाज अभियान के द्वारा बढ़ती ठंड में गरीब , असहाय लोगों के बीच कम्बल वितरण किया गया इस आयोजन में प्रधान कार्यालय भासर

चौक , सीतामढ़ी बिहार से कार्यकारी अध्यक्ष मेहरून बेगम , सचिव कमल मोहम्मद कमालुद्दीन , कोषाध्यक्ष अरजमंद खातुन भी उपस्थित थे । सभी ने अपने-अपने विचार प्रकट किये ।एवं बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार से मांग की की घुमंतू जातियां बंजारा (नट) समुदाय के शैक्षणिक आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान के लिए संकल्पित होने की बात कही. । वक्ताओं ने कहा कि आजादी के 77 साल बीत जाने के बाद भी बंजारा एवं नट जातिया केंद्र एवं राज्य सरकार की प्रायोजित योजनाओं से बहुत दूर है । इस कार्यक्रम में बिहार के प्रत्येक जिले से अध्यक्ष , सचिव एवं सदस्यों ने भाग लिया । धन्यवाद ज्ञापन के साथ इस कार्यक्रम को समापन किया ।

दुग्ध उत्पादक सहयोग समिति के अभ्यर्थियों ने अध्यक्ष व प्रबंधकारिणी हेतु भरा पर्चा

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नावकोठी (बेगूसराय) ' प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत नौ दुग्ध उत्पादक सहयोग समिति के अध्यक्ष तथा प्रबंधकारिणी सदस्य पद के लिए अभ्यर्थियों ने नामांकन का पर्चा दाखिल किया। निवार्ची पदाधिकारी सह बीडीओ चिरंजीव पांडेय ने बताया कि दुग्ध उत्पादक सहयोग समिति लिमिटेड बस गोपालपुर, कमलपुर,बभनगामा, पहसारा 02,रजाकपुर, रजाकपुर पश्चिम, देवपुरा,करैटांड़ तथा फकीराना के अध्यक्ष तथा प्रबंध कार्यकारिणी सदस्यों के रिक्त पदों पर 26 दिसंबर तक नामांकन दाखिल कर सकते हैं।वहीं संवीक्षा 28 दिसंबर को एवं नाम वापसी व प्रतीक चिह्न का आवंटन 30 दिसंबर को होगा।वहीं मतदान 8 जनवरी को होगा।नामांकन के पहले दिन मंगलवार को पांच डेयरी के लिए अभ्यर्थियों ने नामजदगी का पर्चा निवार्ची पदाधिकारी के समक्ष दाखिल किया। जिसमें रजाकपुर से अध्यक्ष पद के लिए मुन्नी कुमारी,फकीराना से संजय कुमार,करैटांड़ से बालकृष्ण महतो,बस गोपालपुर से सुरेश प्रसाद सिंह, कमलपुर से नवल सिंह ने नामांकन किया।

समस्तीपुर में जमीनी विवाद में फिर हुई हत्या, बदमाशों ने घर में घुसकर महिला शिक्षक को मारी गोली.

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर में मंगलवार की सुबह बदमाशों ने एक महिला शिक्षक को घर में घुसकर गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश फरार हो गए। घटना दलसिंहसराय थाना क्षेत्र के खोकसाहा गांव का है। मृतका की पहचान अमित शाह की पत्नी मनीषा (35 वर्ष) के रूप में हुई है। मनीषा, मनिका स्थित एक सरकारी स्कूल में शिक्षक है। करीब डेढ़ साल पहले ही उनकी नियुक्ति हुई थी। गोली उनके टीचर के सिर में लगी है। घटना की सुचना मिलते ही थानाध्यक्ष राकेश कुमार रंजन मौके पर पहुंच गए। वहीं इस घटना से आक्रोशित लोगों ने पुलिस को शव उठाने से रोक दिया है, वे एसपी के साथ वरीय अधिकारी के आने के बाद ही शव उठाने की बात पर अड़े हैं।इस घटना के संबंध में शिक्षिका के ससुर नरेश शाह ने बताया कि ह्यगांव के मिथिलेश शाह जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। करीब पांच महीने पहले इसी साल अगस्त में उसने अवैध तरीके से जमीन की रजिस्ट्री करा ली और मेरी जमीन पर कब्जा कर लिया था। इसी को लेकर उससे विवाद चल रहा है। करीब चार दिन पहले मैंने मिथिलेश शाह और उसके चार सहयोगियों के खिलाफ स्थानीय थाना में आवेदन दिया था, जिसका पुलिस ने जांच पड़ताल की थी और कल यानी 23 दिसंबर को ही सुपरविजन भी हुआ था। लेकिन जांच में क्या सामने आया था, मुझे इसकी जानकारी नहीं है।शिक्षिका के ससुर बोले- मुझे मारने आए थे, बहू को मार डाला :उन्होंने बताया कि इसी जमीनी विवाद को लेकर आज कुछ बदमाश मेरी हत्या करने की नियत से मेरे घर आए थे। इस दौरान मैं तो बच गया, लेकिन बदमाशों ने मेरी बहू की गोली मारकर हत्या कर दी। मैंने चार दिन पहले ही थाने में आवेदन देकर हत्या की आशंका जताई थी और अपना और परिवार की सुरक्षा के लिए आवेदन दिया था।मृतका मनीषा के ससुर नरेश कुमार साह ने बताया कि आज सुबह करीब तीन- चार बजे चार से पांच लोग मेरे घर पर आए और आवाज देने लगे और पूछने लगी कि नरेश भइया कहां हैं? मैंने आवाज सुना तो उठकर बाहर निकला। मुझे लगा कि कोई पड़ोसी या गांव का ही है, जो आवाज दे रहा है। मैंने दरवाजा जैसे खोला, देखा कि सामने जो लोग खड़े हैं, उनमें से एक के हाथ में पिस्टल थी।नरेश शाह ने कहा कि पिस्टल देखकर मैं डर गया और मैं छत की ओर भागा, जबकि मेरी पत्नी नीचे छिप गई। बदमाश मेरे पीछे भागते हुए छत तक पहुंच गए। यह शोर सुनकर मेरे बेटे और बहू ने कमरे का दरवाजा खोला। इस दौरान बदमाश मेरे बेटे के कमरे में घुसे और गोली चला दी। जिससे बचने के लिए मेरा बेटा अवनीश नीचे बैठ गया और गोली उसके पीछे खड़ी बहू मनीषा कुमारी साह के सिर में गोली जा लगी।ह्यबदमाश ने जैसे ही पिस्टल तानकर फायर किया, मेरा बेटा बैठ गया और गोली मेरे बहू के सिर में लग गई। बहू वही किचन में गिर गई और बदमाश वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। उन्होंने कहा कि बदमाश मारने के लिए तो मुझे ही आए थे, लेकिन मेरी बहू की हत्या कर दी।इस घटना के बाद डीएसपी विवेक कुमार शर्मा ने कहा कि संदिग्ध की पहचान की जा रही है और पीड़ित परिवार से जानकारी जुटाई जा रही है।

जनवादी नौजवान सभा की बैठक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के दलसिंहसराय में भारत की जनवादी नौजवान सभा की बैठक नवादा स्थित अर्जून राय के आवास पर राहुल कुमार की अध्यक्षता में हुई, जिसमें पार्टी के शहीद नेताओ के प्रति मौन रखकर नमन किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि दिवंगत मार्क्सवादी कम्युनिस्ट नेता सुरेंद्र प्रसाद यादव के 14 वें शहादत दिवस पर आगामी 4 से 6 जनवरी तक स्थानीय आर बी कालेज के मैदान में तीन दिवसीय महिला फूटबॉल टूनार्मेंट का आयोजन किया जाएगा। बैठक में अर्जुन राय ने बताया कि साथी सुरेंद्र यादव दलसिंहसराय में गरीबों की लड़ाई लड़ते हुए 2012 में शहीद हो गये थे। पार्टी हर साल उनके याद में फुटबॉल टूनार्मेंट एवं स्मारक स्थल केवटा में आमसभा का आयोजन करती है। इस साल भी फूटबॉल प्रतियोगिता के बाद 9 जनवरी शहादत दिवस के दिन आमसभा का आयोजन करेगी। इसको लेकर खूब तैयारी चल रही है। इसके अलावे संगठन की

नौजवान सभा की बैठक नवादा स्थित अर्जून राय के आवास पर राहुल कुमार की अध्यक्षता में हुई, जिसमें पार्टी के शहीद नेताओ के प्रति मौन रखकर नमन किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि दिवंगत मार्क्सवादी कम्युनिस्ट नेता सुरेंद्र प्रसाद यादव के 14 वें शहादत दिवस पर आगामी 4 से 6 जनवरी तक स्थानीय आर बी कालेज के मैदान में तीन दिवसीय महिला फूटबॉल टूनार्मेंट का आयोजन किया जाएगा।

सदस्यता पर चर्चा करते हुए तीन हजार सदस्य बनाने का फैसला लिया गया। बैठक में कुन्दन पासवान, अखिलेश राय, रवि शंकर यादव, कुंदन यादव, अर्जुन यादव आदि शामिल थे।

जयनगर एनएच 527 बी के कोयलास्थान चौक के समीप एक बड़ी हादसा होते-होते रह गई

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

केवटी(दरभंगा) :- दरभंगा-जयनगर एनएच 527 बी के कोयलास्थान चौक के समीप एक बड़ी हादसा होते-होते रह गई। मिली जनकारी के अनुसार दरभंगा स्थित जिला दवा भंडार गृह से केवटी सीएचसी दवा लेकर आ रही पिकअप वैन कोयलास्थान चौक पर सड़क किराने दाहिने मे जाकर एक होटल के सामने मोटर साइकिल पर चालक के लापरवाही के कारण पलट गई। यह संयोग हीं था कि मोटर साइकिल सवार गाड़ी पर नही था और कोई भीड़- भाड़ नही थी। घटना के संदर्भ में थानाध्यक्ष राहुल कुमार ने बताया कि घटना मे किसी प्रकार की हताहत नही है। मौके से पिकअप चालक भागने में सफल रहा। क्षतिग्रस्त वाहनों को थाना पर लाया गया है।

चलाया गया विशेष वाहन चेकिंग अभियान

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नावकोठी (बेगूसराय) ' थाना क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न चौक चौराहा पर नावकोठी प्रशासन के द्वारा वाहन चेकिंग अभियान चलाया जाता है।इसी कड़ी में मंगलवार की सुबह विशेष चेकिंग अभियान के तहत पहसारा पश्चिम पंचायत के पहसारा चौक और इस्फा में वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया।इस दौरान डिक्की, कमर,जेब,थैला को सर्च किया गया।वहीं वाहन के कागजात के तौर पर ड्राइविंग लाइसेंस, इंश्योरेंस,पॉल्यूशन,गाड़ी का पेपर एवं हेलमेट की जांच की गई।जांच के दौरान 17 हजार रुपये का ऑनलाइन चालान काटा गया।इस दौरान सर्किल इंस्पेक्टर आनंद कुमार,सीडीपीओ मोनिका रानी,थानाध्यक्ष दिनेश कुमार,अपर थानाध्यक्ष अरविंद शुक्ला,एस आई विश्वजीत कुमार,विवेक कुमार एवं सशस्त्र पुलिस बल के जवान मौजूद थे।

रिविलगंज थानान्तर्गत गोदना रेलवे ढ़ाला के पास ट्रैक पर 01 व्यक्ति का शव बरामद हुआ

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

आज दिनांक-24.12.2024 को रिविलगंज थानान्तर्गत गोदना रेलवे ढ़ाला के पास ट्रैक पर 01 व्यक्ति का शव बरामद हुआ है। शव के सत्यानोपरांत ज्ञात हुआ कि यह शव प्रदीप कुमार, पिता- सुरेश ठाकुर, ग्राम ईनई, थाना रिविलगंज, जिला सारण का है, जो किशनगंज जिला बल में सिपाही के रूप में प्रतिनियुक्त थें। उक्त सूचना के प्राप्त होते ही पुलिस अधीक्षक, सारण द्वारा घटनास्थल पर पहुँच कर घटना की जाँच की गयी तथा मृतक के शव को पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल छपरा भेजा गया। मृतक के परिजनों द्वारा हत्या होने की बात बतायी जा रही है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक, सारण द्वारा घटना से जुड़ी सभी पहलुओं की जाँच कर अग्रतर कार्रवाई करने हेतु रिविलगंज थानाध्यक्ष को निर्देशित किया गया है।

तेजस्वी बोले- आप एक कदम चलेंगे तो मैं 4 कदम

धरने पर बैठे बीपीएससी अभ्यर्थियों से मिले, कहा- सीएम नीतीश को होश नहीं

पटना। के गर्दनीबाग में री-एग्जाम की मांग को लेकर पिछले 6 दिनों से बीपीएससी अभ्यर्थी धरने पर बैठे हैं। इस बीच नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव देर रात करीब 10 बजे कटिहार से सीधे धरना स्थल पर पहुंच गए। उन्होंने करीब आधे घंटे तक अभ्यर्थियों से बात की।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार खुद होश में नहीं हैं। उनको पता ही नहीं है कि बिहार में क्या कुछ चल रहा है।

तेजस्वी ने अपने हाथों में परीक्षा को फिर से करवाने की मांग वाला पोस्टर भी लिया। कैंडिडेट्स की समस्या सुनने के बाद नेता प्रतिपक्ष ने कहा, 'आप एक कदम चलेंगे, तो तेजस्वी यादव चार कदम चलेगा। बिहार में सब लोग मिलकर राजपाट चला रहे हैं। केवल मलाई खाने और सत्ता का सुख पाने के लिए सरकार में बने हुए हैं।' 'जब मैं डिप्टी सीएम था, तब पेपर लीक क्यों नहीं हुआ? 5 लाख लोगों को नौकरी कैसे मिली? अब कैसे पेपर लीक हो जाता है? इन सबके लिए बीपीएससी और सरकार जिम्मेदार है। छात्रों की मांग पूरी होनी चाहिए।' सरकार अपनी गलतियां छिपा रही है तेजस्वी ने आगे कहा, 'मुख्यमंत्री नीतीश कुमार खुद होश में नहीं हैं। उनको पता ही नहीं है कि बिहार में क्या कुछ चल रहा है। चार लोग मिलकर पूरे बिहार को चला रहे हैं। यही लोग मिलकर सब बर्बाद करने में लगे हुए हैं। CBI

और जांच एजेंसी इनकी है। सरकार अपनी गलतियों को छिपाने का काम कर रही है। 'विपक्ष पर लगातार आरोप लगाया जा रहा है। पेपर लीक मामले में किसी भी बड़े अधिकारियों पर अब तक कार्रवाई नहीं की गई। छात्रों को इंसाफ मिलना चाहिए। सही तरीके से हर परीक्षा होनी चाहिए। बीपीएससी 70वीं पीटी परीक्षा पूरी तरीके से रद्द होनी चाहिए।' तेजस्वी ने वीडियो कॉल पर अभ्यर्थियों से की थी बात इससे पहले गुरुवार रात को नेता प्रतिपक्ष ने बीपीएससी कैंडिडेट्स से

वीडियो कॉल पर बात की थी । उन्होंने कहा था, 'हम आपलोग के साथ हैं। आपके मुद्दे को जोर-शोर से उठाएंगे। एक बात हमेशा याद रखिएगा कि जो लड़ेगा वही जीतेगा। जब डीएम ही थप्पड़ मार रहा है तो प्रदर्शन के दौरान सुविधा कौन देगा। हमारी पार्टी प्रदर्शन में शामिल महिलाओं-बहनों के लिए मोबाइल शौचालय बनाएगी।' वहीं, जब अभ्यर्थियों ने कहा कि आप हमारा साथ देने के लिए गर्दनीबाग धरनास्थल पर आइए।

संक्षिप्त डायरी

13 साल छोटे प्रेमी के लिए पति को छोड़ा,अब सुसाइड

औरंगाबाद। में एक महिला का शव उसके लिव-इन पार्टनर के घर से मिला है। उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। महिला का अपने से 13 साल छोटे लड़के से अफेयर था। उसके लिए उसने अपने पति का घर छोड़ दिया। 8 साल के बेटे को भी छोड़कर प्रेमी के साथ रह रही थी। महिला का अपनी भाभी के भाई से अफेयर था। करीब 18 महीने से वो अपने प्रेमी के घर पर लिव इन में ही रह रही थी, लेकिन अचानक शनिवार की शाम महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। फिलहाल, सुसाइड के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। सीता की मौत के बाद से मिथिलेश और उसके परिजन फरार हैं। महिला की पहचान साहेब महतो की 35 साल की बेटी सीता देवी के रूप में हुई है। सीता की 2013 में सुभाष महतो के साथ शादी हुई थी। पेशे से मजदूर सुभाष महतो अपनी पत्नी को लेकर शादी के कुछ दिनों बाद औरंगाबाद शहर आ गया और यहां किराए के मकान में रहने लगा। करीब 2015 में सीता के भाई की शादी हुई। सीता की भाभी के भाई का नाम मिथिलेश था। एक बार वो काम से औरंगाबाद आया, तो अपनी बहन से बात कर सीता के घर ही रुक गया। संतोष ने भी कहा कि आप रिश्तेदार हैं, तो दूसरी जगह जाने की कोई जरूरत नहीं, घर पर ही रुक जाइए। इसी बीच सीता और मिथिलेश के बीच बातचीत हुई। दोनों ने एक दूसरे का नंबर ले लिया। यही से दोनों की कहानी शुरू हुई।

RJD विधायक मुकेश रौशन की फिसली जुबान

हाजीपुर। RJD के महुआ विधायक मुकेश रौशन की जुबान फिसल गई। RJD MLA मुकेश रौशन शहर के हाजीपुर स्टेशन के सामने भाजपा नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का पुतला दहन कर रहे थे। इस दौरान कार्यकताओं ने अमित शाह मुदार्बाद और बाबा साहब भीम राव आंबेडकर के अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान के नारे लगाए। तभी राजद MLA मुकेश रौशन ने सभी को चुप कराकर वे अमित शाह का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान का नारा लगाने लगे। मुकेश रौशन ने अमित शाह के संसद भवन में सदन के दौरान बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को लेकर दिए गए बयान के विरोध में हाजीपुर में शनिवार की शाम मार्च में निकले थे। इसकी अगुवाई विधायक मुकेश रौशन खुद कर रहे थे। MLA के अमित शाह की अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान का नारा लगाते ही साथ में खड़े कार्यकर्ता भी इसी नारा को दोहराते नजर आए। बीजेपी के लालगंज विधायक संजय सिंह ने कहा कि जो आत्मा की आवाज है, उसे आप दबाने की कोशिश करेंगे तो कभी न कभी उनकी जुबान पर आ ही जाता है। इसी लिए RJD MLA मुकेश रौशन की जुबान पर आ गया अमित शाह का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान। वो सही कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि वीडियो को मैंने भी देखा है। आत्मा उसको मजबूर करती है कि तुम सच बोलो तो सच सामने आया। बीजेपी विधायक ने आगे कहा कि तेज प्रताप यादव बोले हैं कि महुआ विधानसभा सीट में हमारी जान बसती है। वो पार्टी के नेता हैं और पार्टी उनकी है, हो सकता है कि महुआ से टिकट कटने के डर के कारण ऐसा कहा हो, लेकिन जो भी हो जुबान पर आया है तो सही ही बोले हैं।

होमगार्ड जवान की ड्यूटी के दौरान बिगड़ी तबीयत, मौत

वैशाली। के गरौल पावर सब स्टेशन में सुरक्षा गार्ड के रूप में तैनात होमगार्ड जवान सुनील कुमार सिंह की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक जवान सारण जिले के अवतार नगर थाना क्षेत्र के नरांव गांव निवासी स्वर्गीय राजेश्वर सिंह के 32 वर्षीय पुत्र थे। जवान की मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। ड्यूटी के दौरान बिगड़ी तबीयत शुक्रवार को ड्यूटी के दौरान सुनील कुमार सिंह की अचानक तबीयत खराब हो गई। पावर सब स्टेशन के अन्य कर्मियों ने उन्हें आनन-फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया। घटना की सूचना मिलते ही उनके परिजन भी अस्पताल पहुंचे। लेकिन, शनिवार की सुबह जवान ने दम तोड़ दिया। विभागीय सम्मान और सहायता मौत की खबर सुनकर होमगार्ड संघ के जिलाध्यक्ष सोनेलाल सिंह अपने साथियों के साथ सदर अस्पताल पहुंचे।

पूर्णिया में बैट्री फैक्ट्री में भीषण आग लगी

पूर्णिया के मरंगा बियाड़ा इंडस्ट्रियल एरिया स्थित बैट्री फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। आग की लपटें इतनी भयावह थी कि इसका गुब्बार आसपास के कई इलाकों से दिखाई दिया। आग फैक्ट्री के गैस चैंबर से उठी, जिसकी लपटें कुछ ही सेकेंड में चैंबर के पूरे हिस्सों को अपनी चपेट में ले लिया। आगलगी के बाद बियाड़ा इंडस्ट्रियल एरिया स्थित बैट्री फैक्ट्री के कर्मियों में अफरातफरी मच गई। देखते ही देखते आसपास के लोगों की भीड़ फैक्ट्री के बाहर जुट गई। कुछ ही देर में फैक्ट्री संचालक मौके पर पहुंचे। जिसके बाद फायर ब्रिग्रेड को कॉल कर आगलगी की जानकारी दी गई। जानकारी मिलते ही दमकल की 4 गाड़िया मौके पर पहुंची। घंटे भर की मशक्कत के बाद आगलगी पर काबू पाया जा सका।मरंगा बियाड़ा इंडस्ट्रियल एरिया स्थित बैट्री फैक्ट्री में हुए नुकसान का अब तक अनुमान नहीं लगाया जा सका है। बैट्री फैक्ट्री में हुई भीषण आगलगी का लाइव

वीडियो भी सामने आया है। जिसमें फैक्ट्री के गैस चैंबर वाले हिस्से से काले धुएं और आग का गुब्बार उठता देखा जा सकता है। मामले की जानकारी देते हुए बियाड़ा इंडस्ट्रियल एरिया के रूपेश सिंह ने बताया कि गैस चैंबर में वेल्डिंग करने के दौरान सुबह करीब 10 से 11 बजे उठी चिंगारी ने आग की तेज लपटों का रूप ले लिया। इसके कुछ ही सेकेंड में आग की लपटों ने पूरे गैस चैंबर को अपने जद में ले लिया। आग लगी की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की 4 गाड़ियां मौके पर पहुंची। जिसके बाद घंटे भर की मशक्कत से आग पर काबू पा लिया गया।

नीतीश कुमार को अब राजनीति से संन्यास ले लेना चाहिए

जन सुराज पार्टी के अध्यक्ष बोले- सीएम से जनता ऊब चुकी, अब नए विकल्प की तलाश

जमुई जन सुराज पार्टी के अध्यक्ष मनोज भारती ने नीतीश कुमार की राजनीति करियर पर टिप्पणी की है। उन्होंने कहा, 'नीतीश कुमार को अब राजनीति से संन्यास ले लेना चाहिए। अब समय आ चुका है। अगर NDA नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ती है, तो यह ठऊअ की बेवकूफी होगी।' उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से जनता ऊब चुकी है। अब जनता एक नए विकल्प की तलाश में है। हमारा काम जनता को सही-सही बात बताना है, फिर निर्णय जनता के हाथ में है।' बिहार की राजनीतिक जमीन काफी उर्वरक है' मनोज भारती ने कहा कि बिहार की राजनीतिक जमीन काफी उर्वरक है। उन्होंने इसे एक प्रतीकात्मक संदेश देते हुए कहा कि अगर इसमें

थोड़ा बीज डाला जाए, तो अच्छी फसल तैयार होगी। पार्टी में मची भगदड़ की अटकलों पर उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी से जुड़े लोगों ने पार्टी नहीं छोड़ी है, बल्कि केवल कोर कमेटी से इस्तीफा दिया है। उन्होंने बताया कि उन सभी लोगों से उनकी बातचीत हो चुकी है और वे अब भी जन सुराज के साथ हैं। साथ ही, उन्होंने आश्वासन दिया कि ये सभी लोग भविष्य के कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेंगे। बिहार की अगली कई पीढ़ियां अंधकार में डूब सकती है अगर जन सुराज से किसी का मोहभंग हो रहा है, तो इसे उन्होंने बिहार के लिए दुर्भाग्यपूर्ण बताया। भारती ने कहा कि बिहार बदलने का जो सपना सभी के दिलों-दिमाग में है, यह शायद उनका अंतिम प्रयास है। यदि इस बार चूक हो गई, तो बिहार की अगली कई पीढ़ियां अंधकार में डूब जाएंगी। 2025 के विधानसभा चुनावों की तैयारी में जुटी जनसुराज दरअसल, जन सुराज पार्टी के अध्यक्ष मनोज भारती शनिवार को दो दिवसीय दौरे पर जमुई पहुंचे। जनसुराज का अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार वो जमुई आए हैं। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य पार्टी कार्यकताओं से मिलना, जिला से लेकर प्रखंड स्तर तक संगठन के नेताओं के साथ आगामी रणनीति पर विचार-विमर्श करना है।

दानापुर फायरिंग को लेकर तनाव, बाजार-दुकानें बंद

पटना। के दानापुर में हुई अंधाधुध फायरिंग के बाद तनाव है। पेठिया और सदर बाजार के दुकानदारों ने अपनी-अपनी दुकानें बंद कर दी। पुलिस ने माहौल को देखते हुए फ्लैग मार्च किया है। दरअसल, शनिवार को दानापुर में श्राद्ध कर्म से लौट रहे दानापुर छावनी परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष रंजीत कुमार उर्फ दही गोप और विकास को शनिवार की रात गोली मारी थी। विकास ने वारदात के कुछ देर बाद ही दम तोड़ दिया था। वहीं रविवार की सुबह जमीन कारोबारी रंजीत कुमार की इलाज के दौरान मौत होने की सूचना है, हालांकि इसकी पुष्टि प्रशासन नहीं कर रहा है। इधर मौत की सूचना मिलने के बाद इलाके में तनाव बढ़ गया है। शनिवार की रात रंजीत कुमार श्राद्ध भोज में शामिल होने के बाद पेठिया बाजार में अपने सहयोगियों को छोड़कर अपनी कार से घर की ओर बढ़ रहे थे। इस बीच एक युवक ने रंजीत को आवाज दी। वहां जाते ही अपराधियों ने फायरिंग शुरू कर दी। 20 राउंड फायरिंग हुई थी। रंजीत के पेट और सिर में करीब 5 गोली लगी। रंजीत को बचाने गए विकास को भी अपराधियों ने गोली मार दी। दोनों खून से लथपथ करीब 15 मिनट तक सड़क पर पड़े रहे। स्थानीय लोगों ने अस्पताल में दोनों को भर्ती कराया। डॉक्टरों ने विकास को मृत घोषित कर दिया थावारदात के बाद अपराधियों ने 6 राउंड हवाई फायरिंग की और मौके से फरार हो गए। गोलीबारी की आवाज सुनकर पास में श्राद्ध भोज में भी अफरा-तफरी मच गई। घायल रंजीत को पहले सगुना मोड़ स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से डॉक्टरों ने रेफर कर दिया था। फिर पटना के एक निजी अस्पताल में रेफर किया गया। रविवार की सुबह रंजीत ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। सीसीटीवी फुटेज खंगाला जा रहा है दानापुर के एएसपी भानू प्रताप सिंह ने बताया कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज को खंगाला जा रहा है। मौके पर फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया है, जिससे अपराधियों की पहचान किया जा सके। घटनास्थल से 7 खोखा बरामद हुए हैं।

ससुर को फोन कर कहा आपकी बेटी मर गई

भोजपुर। में नवविवाहिता की फंदे से लटकी लाश मिली है। मृतका की पहचान रितु कुमारी (21) के रूप में हुई है। मृतका के पिता ने अपने कंपाउंडर दामाद पर हत्या का आरोप लगाया है। पिता का कहना है, 'दामाद श्याम कुमार ने अपने परिवार के साथ मिलकर रितु की हत्या की, फिर शव को रस्सी से लटका दिया। घटना को अंजाम देने के बाद श्याम अपने परिवार के साथ फरार हो गया। उसके साथ मेरा 10 महीने का नाती भी है।' मृतका के पिता के मुताबिक, रितु के गले पर काला निशान मिला है, जो रस्सी से गला घोंटने का निशान है। उन्होंने बताया कि दामाद और उसके परिजन की ओर से लगातार दहेज में बाकी 2 लाख रुपए की डिमांड की जा रही थी।' पिता ने ये भी बताया, 'रितु की मौत की जानकारी भी श्याम ने दी थी। उसने फोन करके कहा था कि रितु मर गई

है। जब हम लोग बेटी के ससुराल पहुंचे तो घर के सारे लोग फरार थे।' फिलहाल, पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है। घटना चांदी थाना क्षेत्र के रामपुर गांव की है।पटना के लहलादपुर गांव के रहने वाले मृतका के पिता भोला यादव ने बताया, 'रितु कुमारी की शादी 11 मई 2023 को हुई थी। आरोपी दामाद चांदी थाना क्षेत्र के रामपुर गांव का रहने वाला है। शादी में दहेज के तौर पर 9 लाख रुपए कैश की बात हुई थी। मैंने 7 लाख रुपए दिए थे और बाइक खरीदने के लिए डेढ़ लाख रुपए दिए थे। इसके अलावा, सोने की चैन, फ्रिज, बर्तन एवं अन्य सामान दिया गया था।'

महिला के राख फेंकने से नाराज पाटीदारों ने की मारपीट

सीवान। महिला के राख फेंकने से नाराज पाटीदारों ने की मारपीट महिला के राख फेंकने से नाराज पाटीदारों ने की मारपीटमहिला के राख फेंकने से नाराज पाटीदारों ने की मारपीट सीवान के सराय थाना क्षेत्र के सहलौर में जमकर हुई मारपीट के बाद 4 लोग गम्भीर रूप से घायल हो गये। मारपीट म मुख्य कारण राख फेंकना था, जहां एक बुजुर्ग महिला शरीफन बीबी द्वारा राख फेंके जाने के बाद मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया है। फरसा तलवार व लाठी डंडों से हमला हुआ है। साथ ही मारने व काटने का भी प्रयास किया गया है, जिसमें चारों घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पटीदारों द्वारा ही इस घटना को अंजाम दिया गया है। पाटीदारों के साथ पूर्व में जमीन को लेकर

विवाद चल रहा है। वृद्ध महिला के राख फेंकने से पटीदार काफी नाराज थे, जिसके बाद उग्र होकर उन्होंने हथियारों से हमला कर दिया। बीच बचाव करने पहुंचे घर के अन्य सदस्यों पर भी फरसा, तलवार चलाया गया जिसमें हाथ,सिर व अन्य कई जगहों पर हमला किया गया, जिसमें चार लोग घायल हो गए हैं। मामले में पीड़ित के द्वारा थाने में आवेदन दिया गया है। सराय थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार ने बताया वृद्ध महिला द्वारा राख फेके जाने के बाद तलवार व अन्य हथियारों से हमला कर दो पक्षों में मारपीट हुई है।

एनडीए में सीएम पद को लेकर कोई विवाद नही

जदयू नेता जय कुमार बोले- सब जानते नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही लड़ेंगे 2025 का चुनाव

सासाराम। पूर्व मंत्री और जदयू नेता जय कुमार सिंह शनिवार रात अपने चुनाव क्षेत्र दिनारा के सूर्यपुरा में अग्निकांड के पीड़ित परिवार से मुलाकात की और उन्हें हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया। मौके पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि एनडीए में सीएम पद का कोई विवाद नहीं है, सभी घटक दल जानते हैं कि 2025 में भी नीतीश कुमार ही नेता होंगे। पूछे गए सवाल में पूर्व मंत्री ने कहा कि बिहार एनडीए स्थिर है नीतीश कुमार के नेतृत्व में 2025 का लड़ा जाएगा चुनाव। उन्होंने बिहार सरकार के मंत्री और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के बयान

का समर्थन करते हुए कहा कि प्रदेश अध्यक्ष सही कह रहे हैं कि बिहार में किसका नेतृत्व होगा वह बड़े नेता तय करेंगे। बता दें कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और बिहार के मंत्री दिलीप जायसवाल ने एक दिन पूर्व बयान दिया था कि नीतीश कुमार की नेतृत्व में 2025 का चुनाव लड़ा जाएगा वही नेता होंगे, लेकिन वह 24 घंटा के

अंदर वह अपने बयान से पलट गए उन्होंने कहा कि हम लोग छोटे नेता हैं, बिहार में कौन नेता होगा इसका निर्णय भाजपा के शीर्ष नेता तय करेंगे। उसके बाद एनडीए नेताओं का बिहार में एक विशेष बैठक हुआ था, उसके तुरंत दिलीप जायसवाल ने बयान दिया था कि बिहार में 2025 का चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जाएगा जबकि आज वह 24 घंटा के भीतर अपने बयान से पलट गया> उन्होंने कहा कि बिहार में किसके नेतृत्व में चुनाव होगा और कौन नेता होंगे 2025 के इसका निर्णय भाजपा के शिष्य नेतृत्व करेगा। आज पूर्व मंत्री जयकुमार सिंह ने इसका जवाब देते हुए कहा कि दिलीप जायसवाल ठीक कह रहे हैं की जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार है और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा है तो यह लोग बैठकर बात करेंगे कि बिहार में किसके नेतृत्व में लड़ा जाएगा चुनाव और नीतीश कुमार ही नेतृत्व में ही बिहार विधानसभा का अगला 2025 चुनाव होगा ये सब जानते है।

कुमार विश्वास का तंज- पहले के राम अच्छे थे

मेरठ महोत्सव में भाजपा सांसद अरुण गोविल के नहीं पहुंचने पर ली चुटकी, कुमार को मिलना था चुनाव में टिकट

मेरठ। कवि कुमार विश्वास ने आज कहा- पहले के राम असली थे। आप पहले भी भगवान राम के भरोसे थे। आगे भी उनके ही भरोसे रहोंगे। ये बातें कुमार विश्वास ने मेरठ महोत्सव में कही। दरअसल उनका इशारा भाजपा सांसद अरुण गोविल की ओर था। उन्होंने नाम न लेते हुए उन पर तंज कसा। इसकी वजह ये थी कि अरुण गोविल आज इस कार्यक्रम में नहीं पहुंचे थे। जबकि बीजेपी के पूर्व सांसद राजेंद्र अग्रवाल यहां पर पहले से मौजूद थे। कुमार विश्वास ने भाजपा नेताओं की चुटकी ली। उन्होंने कहा- मैं आज यहां पर आया हूं तो भाजपा वाले ये न समझे कि मैं आज कोई अच्छी बात बोलूंगा। मेरा पेमेंट हो चुका है इसलिए आज किसी को नहीं छोड़ने वाला हूं। पूर्व भाजपा सांसद राजेंद्र अग्रवाल का नाम लेते हुए कहा- लोग कह रहे हैं राजेंद्र जी बदल गए हैं अब वो सांसद नहीं है। जबकि कुछ लोग ऐसे भी हैं जो कह रहे हैं पहले वाले राम अच्छे थे। उन्होंने राजेंद्र अग्रवाल की चुटकी लेते हुए कहा- आज यहां पर भीड़ अधिक हो गई है। अगर किसी को बैठने की सीट न मिली हो तो आप राजेंद्र अग्रवाल की तरफ देख सकते हैं। कुमार विश्वास ने आगे कहा- मेरठ से मेरा बहुत पुराना नाता रहा है। मैं आज यहां पर बहुत दिनों के बाद आया हूं।

मैं दुनिया भर के 44 देशों में घूम आया हूं लेकिन कभी नहीं कहा कि मैं गाजियाबाद का हूं। मेरठ में मैं पैदा हुआ हूं। हमारे यहां एक कहावत है कि हाथी घूमे गांव-गांव जिसकी हाथी उसी का नाव। उन्होंने मीडिया वालों पर चुटकी लेते कहा- आज देश भर की बड़ी मीडिया यहां पर मौजूद है। ये इसलिए नहीं आये हैं कि कल कवि सम्मेलन दिखाए कवर करे बल्कि इसलिए आये हैं क्योंकि कुमार विश्वास कुछ बोले और ये तुरंत ब्रेकिंग न्यूज चला दें। 'भाजपा नेताओं के सामने कुमार विश्वास ने किया इशारा'। पत्रकार मित्रों अगर आपने इशारा अपनी पत्नी का पकड़ा होता तो यहां नहीं आना पड़ता। उन्होंने आगे कहा-आने वाले समय में मेरठ महोत्सव देश के सबसे श्रेष्ठ महोत्सव की लिस्ट में शामिल होगा। महोत्सव में सांसद और बालीवुड अभिनेत्री हेमामालिनी अपनी गंगावतरण नृत्य नाटिका की प्रस्तुति देंगी। कवि कुमार विश्वास भी एक दिन कविताओं और रामकथा सुनाएंगे। वहीं बालीवुड के प्लेबैक सिंगर शंकर महादेवन, नीति मोहन और हर्षदीप कौर की नाइट होगी। 21 से 25 दिसंबर तक आयोजित मेरठ महोत्सव में रात को बालीवुड नाइट होगी। दिन में इंटलैक्चुअल टॉक्स और टेक्निकल सेशन होंगे। सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस फोर्स की ड्यूटी निर्धारित की गई है। शहर के प्रमुख चौराहों को सजाया गया है। महोत्सव में अलग -अलग स्टॉल लगाए गए हैं। विक्टोरिया पार्क को भी सजाया गया। डीएम और एसएसपी ने विक्टोरिया पार्क पहुंचकर निरीक्षण किया। अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महोत्सव में आ सकते हैं। इसके लिए उन्हें न्योता दिया गया है। सांस्कृतिक एवं रंगारंग कार्यक्रम कराने की जिम्मेदारी डीएम दीपक मीणा ने अपर नगर आयुक्त ममता मालवीय को दी है।

सांक्षिप्त डायरी

बुलेरो ड्राइवर के साथ लूट के बाद कत्ल की वारदात को अंजाम देकर सुबूत मिटाने के गुनाहगार को उम्रकैद, पन्द्रह हजार का जुमार्ना भी

एडीजीसीः मणिकर्ण शुक्ल

एडीजीसी- अशोक कुमार शुक्ला

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर सदर कोतवाली में 25 अगस्त 2008 को नई बस्ती निवासी बुलेरो यूपी 91सी- 6339 के ड्राइवर राकेश निषाद को पहले तो अभियुक्त बुकिंग करके जहानाबाद ले जाते हैं, फिर उसके साथ लूट की वारदात को अंजाम देने के बाद गाड़ी में ही मौत के घाट उतारकर लाश को सजेती थाना क्षेत्र में सड़क किनारे पानी की खंती में फेंक कर फरार हो जाते हैं, इस सनसनीखेज मामले में मृतक के भाई अशोक कुमार निषाद की तहरीर पर हमीरपुर सदर कोतवाली में अभियुक्त रिजवान पुत्र रसूलबक्श निवासी कुरारा, हालपता पटकाना कोतवाली हमीरपुर,जबकि रफीक पुत्र सिद्दीक बेहना निवासी आछी मुहाल पूर्वी घाटमपुर, कानपुर नगर, प्रमोद कुमार गुप्ता पुत्र राजाराम गुप्ता निवासी सुमेरपुर,जबकि शब्बीर पुत्र स्व० मुन्ना हाशिम बेहना निवासी बेहनौटा कोडा, जहानाबाद फतेहपुर,निसार अहमद उर्फ कल्लू पुत्र मुन्नू निवासी गौरा चॉदपुर, फतेहपुर हालपता पटकाना कोतवाली नगर हमीरपुर के खिलाफ अ०स०- 2033/2008 धाराझ 394,302,201,120बी आईपीसी के तहत दर्ज किया गया था, जबकि आपरेशन कन्विक्शन के तहत 21 दिसम्बर 2024 को हमीरपुर की डकैती अदालत के स्कालर जज अनिल कुमार खरवार ने अभियुक्त रिजवान पुत्र रसूलबक्श को गुनाहगार मानते हुये उम्र कैद के साथ ही पन्द्रह हजार रुपये का सुनाया जुमार्ना, वही अभियुक्त रफीक पुत्र सिद्दीक बेहना, जबकि प्रमोद कुमार गुप्ता पुत्र राजाराम गुप्ता सहित शब्बीर पुत्र स्व० मुन्ना हाशिम बेहना को संदेह के फायदे के चलते मामले से बरी किया गया, साथ ही अभियुक्त निसार अहमद उर्फ कल्लू पुत्र मुन्नू की सुनवाई के दौरान मौत हो गई, जबकि इस सनसनीखेज मामले की जांच तेज तर्रार तत्कालीन सदर प्रभारी कोतवाली निरीक्षक एस० के० सिंह ने पूरी करने के बाद अदालत में चार्जशीट पेश की थी, वहीं अभियोजन की तरफ से अदालत में जोरदार पैरवी एडीजीसी मणिकर्ण शुक्ल और अशोक कुमार शुक्ला ने की।

नाबालिग को अगवा कर दुष्कर्म करने वाले गुनाहगार को दस साल की सख्त सजा के साथ ही हुआ बीस हजार रुपये का जुमार्ना

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर के कुरारा में 24 मार्च 2013 में कुरारा निवासी नाबालिग पीड़ित छात्रा को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में रिरुआ के आंटा जालौन निवासी रामकुमार पुत्र नत्थू कुश्वाहा के खिलाफ अ०सं०- 509/2013 धाराझ 363,366,376 आईपीसी सहित 4 पाक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था, जबकि आपरेशन कन्विक्शन के तहत 21 दिसम्बर 2024 को हमीरपुर की स्पेशल पाक्सो अदालत की स्कालर जज ने अभियुक्त रामकुमार पुत्र नत्थू को गुनाहगार मानते हुये दस साल की सख्त सजा के साथ ही किया बीस हजार रुपये का जुमार्ना, जबकि मामले की जांच एस आई रुप सिंह यादव ने पूरी करने के बाद अदालत में चार्जशीट दाखिल की, वही अभियोजन की तरफ से जोरदार पैरवी एडीजीसी रुद्र प्रताप सिंह ने की।

एडीजीसी-चन्द्र प्रकाश गोस्वामी

स्काउट गाइड शिविर में सीखे गुर जीवन में आते हैं कामः प्रो. विनोद मोहन मिश्रा

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। भारत स्काउट और गाइड उत्तर प्रदेश कुशीनगर के द्वारा त्रिदिवसीय प्रशिक्षण शिविर आशा इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, कसया के प्रांगण में मोहम्मद इजहारुल खान डिस्ट्रिक्ट ट्रेनिंग कमिश्नर के नेतृत्व में स्काउट/ गाइड का समापन हो गया। प्रशिक्षण कुशल प्रशिक्षक एन पी सिंह, डेविड पटेल और मीरा यादव के द्वारा दिया गया। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा मां सरस्वती और मां भारती के चित्र पर पुष्पमाला चढ़कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। विद्यालय के बच्चियों ने सरस्वती वंदना, गीत स्वागत प्रस्तुत किया। विद्यालय के डायरेक्टर अभिषेक तिवारी द्वारा अतिथियों को माल्यार्पण कर एवं अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया ' प्राचार्य प्रो0 विनोद मोहन मिश्रा ने कहा कि आप सभी बिना भेदभाव के स्काउट/ गाइड का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं कैंप में किसी तरह का कोई भेदभाव नहीं है सिर्फ टोली अलग-अलग है आप बहुत ही ऊजार्वान हैं ' यह प्रशिक्षण ऊर्जा देने के साथ-साथ आपातकाल में भी जीवन यापन करने की भी सीख देती है ' यह प्रशिक्षण आने वाले समय में काम आएगा और इसकी सीख और ऊर्जा लंबे समय तक बनी रहेगी ' मोहम्मद इजहारुल खान ने धन्यवाद ज्ञापित किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य रामेश्वर तिवारी द्वारा सबका आभार व संचालन विश्वेश चौबे ने किया ' इस मौके पर उक्त विद्यालय के प्रधानाचार्य प्राइमरी जेपी सिंह, प्रधानाचार्या प्री प्राइमरी प्रज्ञा त्रिपाठी, बुईका के राजकिशोर गुप्ता, आर पी चौधरी, राहुल कुमार गौड़ , श्रीमती प्रियंका सिंह, शोभा शर्मा, नीलम द्विवेदी, आफताब आलम अंसारी अकाउंटेंट, शशांक पांडेय उपस्थित रहे।

सपाईयों ने प्रदर्शन कर राष्ट्रपति को संबोधित सौंपा ज्ञापन

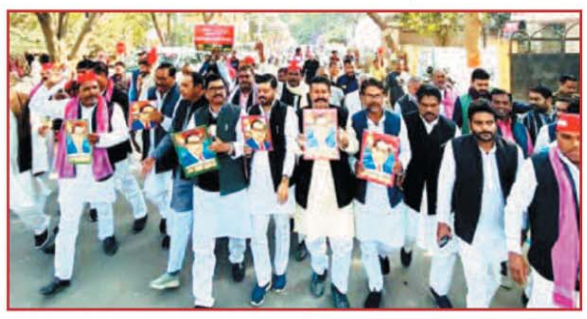

संवाददाता

कुशीनगर। संसद में गृह मंत्री अमित शाह द्वारा संविधान निमार्ता डा० अम्बेडकर पर किये गए आपत्तिजनक टिप्पणी से नाराज सपा ने प्रदर्शन किया और महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपकर केंद्रीय गृहमंत्री को हटाने की मांग की। पार्टी के जिलाध्यक्ष शुकरुल्लाह अंसारी, पूर्व मंत्री राधेश्याम सिंह , पूर्व मंत्री डॉ पीके राय, पूर्व एमएलसी राम अवध यादव, पूर्व विधायक पूर्णमासी देहाती के नेतृत्व में सपा पदाधिकारियो व कार्यकर्ता प्रदर्शन व नारेबाजी करते हुए जिलामुख्यालय रविंद्रनगर धुस पर पहुंचे। नेताओ ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की बाबा साहब पर आपत्तिजनक टिप्पणी से दलित, पिछड़ों एवं वंचित समाज की भावताओं को गहरा आघात पहुँचा है। टिप्पणी भाजपा की संविधान विरोधी मानसिकता प्रकट होती है। समाजवादी पार्टी का मुख्य उद्देश लोकतंत्र और संविधान को मजबूत बनाना है जिससे दलित, पिछड़े समाज के जीवन में खुशहाली आये। डॉ अम्बेडकर के विरूद्ध की गई टिप्पणी अति खेदजनक है। सपा ने मांग किया कि भाजपा डा० अम्बेडकर जी पर की गई अपमानजनक टिप्पणी के लिए अतिशीघ्र जनता से माफी मांगे। इस दौरान पूर्व प्रत्याशी गण विक्रमा यादव, विजेंद्र पाल यादव, डॉ उदय नारायण गुप्ता, रणविजय सिंह

राजेंद्र यादव मुन्ना, वीरेंद्र सिंह, सैथवार कैलाश चंद कनौजिया, विजय कुशवाहा, एके बादल, पूर्व जिला अध्यक्ष इलियास अंसारी, हरिशंकर राजभर, मनोज कुमार यादव, पुरंदर प्रताप यादव, जिला उपाध्यक्ष गण भोला यादव, हीरालाल प्रजापति, रामाधार कुशवाहा, मार्कण्डेय तिवारी, लखीचंद यादव, कृष्णा सिंह पटेल, राम प्रताप कुशवाहा, डॉ मनोज कुमार कुशवाहा, उग्रसेन यादव, मनीष सिंह, सुरेंद्र यादव, कैसर जमाल टीटू, सुरेश यादव, रहमत अंसारी, डॉ अब्दुल मजीद, राजेश यादव, वाजिद अली, गुड्डू यादव, राकेश सिंह सैथवार, आजम अंसारी, राम लखन यादव, पंकज आर्य, अमर जायसवाल, संजय यादव, राजेंद्र पाल, ओम प्रकाश यादव, राकेश यादव, निठूरी राजभर, सचिंद्र यादव, राजेन्द्र यादव, एडवोकेट उदयभान यादव, सिकंदर आलम, गुल बदन यादव, रामपरसन सिंह सैथवार, सुरेंद्र यादव, विवेक ओझा, अवधेश राय उपस्थित रहे।

पुण्यतिथिः कलम के सच्चे सिपाही थे स्व. वंश बहादुर तिवारीः रजनीकांत मणि

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। लोकतंत्र रक्षक सेनानी, पत्रकार एवं समाजसेवी स्व. बंशबहादुर तिवारी की 18 वीं पुण्यतिथि शिद्दत के साथ मनाई गई। इस मौके पर लोकतंत्र सेनानियों, विशिष्ट जनों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी ने कहा कि समाज की सेवा में अपना पूरा जीवन समर्पण करने वाले स्व. तिवारी कलम के सच्चे सिपाही थे जिन्होंने समाज के अंतिम छोर बैठे व्यक्ति के हक की लड़ाई लड़ी। पत्रकारिता जगत में अपनी बेबाक लेखनी के लिए वे हमेशा याद किये जायेंगे। पूर्व विधायक मदन गोंविन्द राव ने कहा कि उनका व्यक्तित्व व कृतित्व अत्यंत ही प्रेरणादायी है।लोकतंत्र सेनानी बंका सिंह ने कहा कि परिस्थितियां अनकूल रही हों या प्रतिकूल उन्होंने मूल्यों के साथ उन्होंने कभी समझौता नही किया और मुखरित होकर समाज को दिशा देने का कार्य किया। नपाप अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश कुमार जायसवाल ने कहा कि स्व. तिवारी मानवता के अप्रतिम उदाहरण थे जिन्होंने समाज के सभी वर्गों के हक की आवाज उठाई। प्रधानाचार्य

हनुमान इंटर कालेज पड़रौना शैलेन्द्र दत्त शुक्ला ने कहा कि स्व. तिवारी का जीवन संघर्षों में बीता लेकिन कभी समाज सेवा के कार्य में संसाधन की कमी के चलते वे विचलित नही हुए बल्कि परिस्थितियों को उन्होंने मोड़ने का कार्य किया। वक्ताओं ने अपने संस्मरण सुनाते हुए कहा कि इमरजेंसी के दौरान उन्होंने अपनी बेबाक पत्रकारिता धर्म का निर्वहन कर एक नजीर पेश की जिसके लिए वे जेल भी गये। वे जनता के प्रेरणा के स्रोत हैं। भन्ते महेंद्र ने उनसे अपना परिवारिक नाता जोड़ते हुए कहा कि उनकी संतानों ने उन्हें याद कर प्रेरक कार्य किया है। हमें माता - पिता, गुरु का सम्मान करना चाहिए। लोकतंत्र रक्षक सेनानी रामकृष्ण केदार सिंह, प्रधानाचार्य उमेश उपाध्याय, भारत तिब्बत समन्वय संघ के बृजेश मणि, बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष ओमप्रकाश पाण्डेय, अध्यक्ष अरविंद पाठक, ज्ञानेन्द्र लाल श्रीवास्तव, महामंत्री ज्ञान प्रकाश द्विवेदी, भाजपा नेता डॉ अनिल प्रताप राव, बीके स्मिता दीदी , डॉ गौरव तिवारी, पूर्व ब्लाक प्रमुख डॉ प्रियेश त्रिपाठी, सुमित त्रिपाठी, बृजेश मणि त्रिपाठी, प्रसून जायसवाल, डॉ अम्बरीष विश्वकर्मा, अनिल त्रिपाठी, राज किशोर पाण्डेय, प्रेम प्रकाश दूबे, अयोध्यालाल श्रीवास्तव, वाजिद अली, अमरचंद जायसवाल, दीनानाथ यादव ने अपने विचार रखे। कसया नगर के गाँधी घर स्थित उनके आवास पर आयोजित श्रद्धांजलि सभी एवं भजन का शुभारंभ समाधि स्थल पर आगत अतिथियों पुष्पार्चन के साथ हुआ। संगीतकार धीरज राव, सुनील मिश्रा की टीम ने भजन प्रस्तुत किया। स्वागत एवं आभार ज्ञापन सुपुत्र एडवोकेट कृष्ण कुमार तिवारी, कवि व पत्रकार दिनेश तिवारी भोजपुरिया ने किया। संचालन तिवारी ब्रदर्स ने किया। इस दौरान स्व. तिवारी की पत्नी रामायणी देवी, पौत्र व पौत्री गण, ओमप्रकाश जायसवाल, पत्रकार विनयकांत मिश्र, संजय जायसवाल, लव कुमार, कुश कुमार, पन्नालाल मद्देशिया, शैलेश सिंह, हृदयानन्द शर्मा, वीरेंद्र यादव, एड पंचनन्द मिश्रा, एड जितेंद्र पटेल, सभासद, राजेश मद्देशिया, हरिनारायण यादव, रोटरी क्लब के अध्यक्ष वाहिद अली, सचिव अजय सिंह, दुर्गेश चतुर्वेदी, प्रभुनाथ प्रसाद, विजयकृष्ण द्विवेदी, राजीव प्रताप नारायण सिंह, अमित मिश्रा, विशाल शर्मा, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, नीतीश यादव, महेंद्र मद्धेशिया, गोपाल मद्धेशिया, सुदामा, घनश्याम, आशुतोष तिवारी, अभिषेक तिवारी, अंशुमान तिवारी, गन्धर्व मणि एडवोकेट, कुंदन दुबे, राहुल चतुर्वेदी, एड राजेन्द्र तिवारी, उपेंद्र तिवारी, गुड्डू सिंह, नुरुल हसन, चंद्रभूषण शर्मा, कन्हैया, बृजेश मद्धेशिया, राजू मद्धेशिया, ल हरिंदर जायसवाल, कन्हैया जायसवाल, प्रद्युम्न कुशवाहा, ज्ञानी जायसवाल, सोनू जायसवाल आदि मौजूद रहे।

कानपुर में केशव बोलेः अखिलेश संघ ज्वाइन कर लें

कानपुर। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य रविवार को कानपुर पहुंचे। यहां मंदिर मस्जिद के मोहन भागवत के बयान और अखिलेश यादव के समर्थन पर केशव ने कहा-अखिलेश और विपक्षी दल के लोगों को संघ के बयान अच्छे लगने लगे हैं, तो वह जल्द ही संघ की शाखा ज्वाइन कर लें। राहुल गांधी विरासत से सांसद बने हैं। विरासत की राजनीति करने वाले अहमियत नहीं समझते हैं। केशव मौर्य ने कहा- गुरु गोविंद सिंह के सुपुत्र बाबा जोरावर सिंह

और बाबा फतेह सिंह ने अपने धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए मुगलों के सामने झुकने से इनकार कर दिया। उन्होंने इस्लाम कबूलने से मना कर दिया। अपने धर्म के प्रति अडिग रहते हुए वीरगति को प्राप्त किया। केशव मौर्य ने कहा- वीर बाल दिवस का महत्व स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस से कम नहीं है। यह बलिदान हमारे युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। कांग्रेस ने ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया था। लेकिन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सही इतिहास को पाठ्यक्रम में शामिल कर देश के सामने प्रस्तुत किया जा रहा है। यह सरकार सिख इतिहास के सही तथ्यों को सामने लाने का प्रयास कर रही है।

जोरावर सिंह और फतेह सिंह का बलिदान अद्वितीय : कामेश्वर सिंह

संवाददाता

कुशीनगर। धर्म और देश की रक्षा के लिए गुरु गोविंद सिंह के छः साल और नौ साल के साहबजादे बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह का बलिदान देश ही नहीं वल्कि पूरी दुनिया में अद्वितीय है।वीर साहबजादे द्वारा प्रदर्शित साहस और दृढ़ संकल्प एक प्रमाण के रुप में खड़ा है,जो औरंगजेब और उसके अनुयायियों को एक संदेश देता है कि भारत की युवा पीढ़ी क्रूरता के आगे झुकने से इनकार करती है और देश के मनोबल को बनाए रखने के लिए दृढ़ संकल्पित रहती है। यह राष्ट्र की नियति को आकार देने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है, जिससे वीर बाल दिवस को अतिरिक्त महत्व मिलता है। यह बातें भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर सिंह ने कहा। वह रविवार को रविन्द्र नगर भाजपा कार्यालय में आयोजित वीर बाल दिवस संगोष्ठी को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा आजादी के 75 वर्षो के बाद करतारपुर साहिब कॉरिडोर की सौगात सिख समाज को दी गयी। जो कि शत्रु देश पाकिस्तान से संधि करके संपूर्ण किया गया और अभी उसकी अग्रिम 5 वर्षो के लिए पुनः बढ़ाया है। अब मात्र आधार कार्ड अमृतसर के बार्डर पर दिखाकर व्यक्ति सुबह 11.00 बजे पाकिस्तान सीमा में जाकर गुरुद्वारा साहिब के दर्शन करके 4.00 बजे वापस आ सकता है। मात्र रु0 50/- जिसका शुल्क लिया जाता है। केन्द्र सरकार द्वारा गुरु तेगबहादुर जी महाराज जी के 400 वें प्रकाश उत्सव पर दिल्ली लाल किला पर वृहद कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिस किले से उनको शहीद करने का आदेश जारी हुआ था उपरोक्त स्थल पर यह कार्यक्रम अपने

आपमें अविस्मरणीय था। 1984 से ब्लैक लिस्टेड सिख संस्थाओं से बैन हटाया गया। 1984 के नरसंहार की एस.आई.टी. टीम बनायी गयी। अभी विगत माह दिल्ली के राज्यपाल के द्वारा दिल्ली में पीड़ित परिवारों के परिजनों को सरकारी नौकरी प्रदान की गयी। लंगर से जी.एस.टी. हटाया जाना। श्री सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 1984 के कानपुर नरसंहार के 43 दोषियों को 38 वर्षो के बाद जेल भेजा गया।उ०प्र० में विभिन्न गुरुद्वारों के जीर्णोद्वार हेतु धनराशि जारी की गयी। लखनऊ में खालसा चौक की स्थापना की गयी। लखनऊ में एल०डी०ए० कालोनी का नाम बदलकर गुरु तेगबहादुर नगर रखा गया। मुख्यमंत्री जी द्वारा लगभग 8 वर्षो में 75 बार विभिन्न गुरुद्वारों में दर्शन करने गये एवं कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया। गुरुओं की जीवनी कक्षा 8, 9, 10 के पाठ्यक्रमों में शामिल किया। विशिष्ट अतिथि रामकोला गुरुद्वारा के ज्ञानी संजय सिंह ने कहा कि युवा साहिबजादों की अदम्य भावना ने मुगल सम्राट को क्रोधित कर दिया, जिसके कारण उन्हें तुरंत दीवारों के बीच दफना दिया गया। भारतीय इतिहास के इतिहास में, इस घटना को बाद में साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह द्वारा दिए गए सर्वोच्च बलिदान के रूप में याद किया गया। संगोष्ठी को खड्डु विधायक विवेकानंद पाण्डेय, पूर्व जिलाध्यक्ष लल्लन मिश्र, रामकोला विधायक विनय प्रकाश गोंड ने भी सम्बोधित किया।जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने अध्यक्षता और आभार व्यक्त किया तथा संचालन जिला उपाध्यक्ष दिवाकर मणि त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक व जिला मंत्री विवेकानंद शुक्ल, सरदार सतपाल सिंह, पडरौना नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि मनीष जायसवाल बुलबुल,रामकोला नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सतीश चौधरी, जिला उपाध्यक्ष मनोज जायसवाल, सीता सिंह, जिला मंत्री अतुल श्रीवास्तव, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष अजय राय,जिला मीडिया प्रभारी विश्वरंजन कुमार आनन्द आई टी विभाग जिला संयोजक नमो नारायण मौर्य सहित सैंकड़ों पदाधिकारी कार्यकर्ता और आमजन उपस्थित थे।

भारत में एसआईपी में अच्छी वृद्धि, बढ़ा विश्वास

जनवरी से नवंबर तक एसआईपी में शुद्ध प्रवाह 9.14 लाख करोड़ रुपए रहा

मुंबई ।

भारत में एसआईपी में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) में शुद्ध प्रवाह 233 फीसदी (सालाना आधार) बढ़ा है। इसका मुख्य कारण भारतीय अर्थव्यवस्था की लचीलापन में वृद्धि और भू-राजनीतिक परिस्थितियों में स्थिरता है। आईंसीआरए एनालिटिक्स की रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी से नवंबर तक कुल एसआईपी में शुद्ध प्रवाह 9.14 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल के मुकाबले 233 प्रतिशत की वृद्धि है। नवंबर में रजिस्टर्ड नए एसआईपी की संख्या 49.47 लाख हो गई है, जो 2023 में 30.80 लाख थी। एसआईपी एयूएम ने नवंबर में 13.54 लाख करोड़ रुपये के अंडर मैनेजमेंट रखा, जो पिछले साल के 9.31 लाख करोड़ के मुकाबले है। भारतीय म्यूचुअल फंड (एमएफ) इंडस्ट्री ने भी शुद्ध प्रवाह में 135 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखी है। विश्वव्यापी अर्थव्यवस्था में भारत की स्थिति के साथ, आने वाले वर्षों में उद्योग में गुना-गुना वृद्धि की संभावना है। विशेषज्ञों का कहना है कि घरेलू म्यूचुअल फंड उद्योग में भी उम्मीदें हैं कि निवेशकों में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। शुद्ध एयूएम में भी बड़ी बढ़ोतरी हुई है, जिसके साथ नवंबर में एयूएम पहुंचा 68.08 लाख करोड़ रुपये पर। इक्विटी कैटेगरी के लार्ज कैप फंड में सबसे अधिक वृद्धि हुई है, जो नवंबर में लगभग 731 प्रतिशत बढ़कर 2547.92 करोड़ रुपये हुआ है। भावनात्मक दृष्टि से देखा जाए तो, भारतीय अर्थव्यवस्था का उछाल निवेशकों के बीच नया जोश और विश्वास पैदा कर रहा है। आने वाले दिनों में उद्योग में और भी बढ़ोतरी की संभावना है जिससे निवेशकों को अच्छे रिटर्न की संभावना है।

देश के नौ प्रमुख शहरों में घरों की बिक्री में 21 फीसदी गिरावट की संभावना

- कुल बिक्री तिमाही में 1,08,261 इकाई रह जाने की संभावना

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट की एक आंकड़ा विश्लेषक कंपनी ने जारी की एक रिपोर्ट में कहा है कि देश के प्रमुख नौ आवास बाजारों में अक्टूबर से दिसंबर तिमाही के दौरान घरों की बिक्री में 21 फीसदी की गिरावट की संभावना है। इसका कारण उच्च आधार प्रभाव है, जिसके कारण लगभग 1.08 लाख इकाई रह जाएगी। कंपनी ने दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, नवी मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु, पुणे, हैदराबाद, चेन्नई, और ठाणे के लिए बिक्री आंकड़े जारी किए हैं। दिल्ली-एनसीआर में ही बिक्री में वृद्धि की संभावना है जबकि अन्य शहरों में गिरावट की संभावना है। जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार कुल बिक्री तिमाही में 1,08,261 इकाई रह जाने की संभावना है, जो पिछले साल से कम है। हालांकि, सितंबर तिमाही में बिक्री में पांच प्रतिशत की वृद्धि की संभावना है। रिएल स्टेट के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि उच्च आधार प्रभाव के कारण बिक्री में गिरावट आई है, लेकिन त्योहारी मांग के कारण इसमें सुधार हो सकता है। वे ने दावा किया कि आपूर्ति-खपत अनुपात मजबूत और स्वस्थ है, जिससे रियल एस्टेट क्षेत्र में स्थिरता बनी रहेगी। हैदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, कोलकाता, और पुणे में भी बिक्री में गिरावट की संभावना है। हालांकि, दिल्ली-एनसीआर में बाजार इस रुझान को बदलने के लिए तैयार है और बिक्री में वृद्धि की संभावना है। यह आंकड़े रियल एस्टेट बाजार की मानें और इस क्षेत्र में संवेदनशीलता का पूरा काम करते हैं। देश विस्तार से यह गिरावट के संकेत के रूप में देखी जा सकती है, जो क्षेत्र के निर्माण और विकास की दिशा में महत्वपूर्ण है।

किआ की नई एसयूवी सिरोस बाजार में पेश

नई दिल्ली ।

किआ मोटर्स ने अपनी नई एसयूवी सिरोस को बाजार में पेश किया है। इस मॉडल का लॉन्च ऑटो एक्सपो 2025 में किया जाएगा। किआ इस एसयूवी के जरिए अपनी दो अन्य एसयूवी मॉडल्स, सेल्टॉस और सोनेट, के बीच के ग्राहकों को आकर्षित करने की योजना बना रही है। यह एक बी सेगमेंट की एसयूवी है, जिसकी बुकिंग 3 जनवरी 2025 से शुरू होगी, और इसकी डिलीवरी फरवरी 2025 से शुरू हो जाएगी। सिरोस को एचटीके, एचटीके (ओ),एचटीके प्लस, एचटीके एचटीएक्स प्लस औरएचटीएक्स प्लस(ओ) के छह वैरिएंट्स में उपलब्ध कराया जाएगा, और यह 8 आकर्षक रंगों में उपलब्ध होगी। डिजाइन के मामले में, किआ ने एसयूवी सिरोस को खासतौर पर स्पेशियस बनाने की कोशिश की है। इस एसयूवी की फ्रंट डिजाइन को बेहद बोल्ड और आकर्षक बनाया गया है, जिसमें वर्टिकल आइस क्यूब एलईडी हेडलाइट्स और बड़ा एलईडी डीआरएल शामिल हैं। इसके फ्रंट में शानदार लुक के साथ हाई सेट बोनट, बंपर में सिल्वर एलिमेंट्स और एडवांस ड्राइविंग असिस्टेंस सिस्टम के लिए रडार मॉड्यूल दिए गए हैं। इसकी साइड प्रोफाइल में लंबी रूफ टेल, ब्लैक बॉडी क्लैडिंग और 17 इंच के अलॉय व्हील्स दिए गए हैं। इसके अलावा, डबल पैन पैनोरमिक सनरूफ और केबिन में 30 इंच का पैनोरमिक स्क्रीन सेटअप भी उपलब्ध है, जो वायरलेस एंड्रॉयड ऑटो और एप्पल कारप्ले कनेक्टिविटी को सपोर्ट करता है। सेफ्टी फीचर्स की बात करें तो किआ ने सिरोज में 6 स्टैंडर्ड एयरबैग्स और 360 डिग्री कैमरा सुविधा दी है।

इसके अलावा, इसमें ऑटो होल्ड के साथ इलेक्ट्रिक पार्किंग ब्रेक की भी सुविधा है। इंजन के विकल्प में, किआ सिरोस में 1.5 लीटर डीजल इंजन दिया गया है, जो 116 बीएचपी की पावर और 250 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। पेट्रोल विकल्प में 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन मिलेगा, जो 120 बीएचपी की पावर और 172 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। यह एसयूवी 6-स्पीड मैनुअल, 7-स्पीड डीसीटी और 6-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन गियरबॉक्स के साथ उपलब्ध होगी।

एलआईसी के पास लावारिस पड़े 880 करोड़ रुपए!

- अब तक लगभग 3,72,282 बीमा पॉलिसियां ली गईं, लेकिन मैच्योरिटी पर पैसे निकलवाए नहीं

नई दिल्ली ।

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में बिना दावा किए पड़ी परिपक्वता राशि जो मिली थी, वह 880.93 करोड़ रुपये थी। इस समय तक लगभग 3,72,282 पॉलिसीधारकों ने बीमा पॉलिसियां ली थीं, लेकिन मैच्योरिटी पर पैसे निकलवाए नहीं। अगर किसी पॉलिसीधारक ने तीन साल से अधिक समय तक कोई लाभ नहीं प्राप्त किया तो वो राशि बिना दावा की गई मानी जाती है और अगर पैसा 10 साल से अधिक समय तक बिना दावा के रह जाता है, तो वह पूरी राशि सरकार के सीनियर सिटिजन वेलफेयर फंड में स्थानांतरित कर दी जाती है। लेकिन अनक्लेम्ड राशि होने के पीछे कई कारण हो सकते हैं। एलआईसी अपने पॉलिसीधारकों तक पहुँचने और अनक्लेम्ड राशियों का निपटारा करने के लिए जागरूकता अभियानों और डिजिटल माध्यमों का सहारा ले रही है। अगर आपके भी किसी एलआईसी पॉलिसी पर अनक्लेम्ड पैसा है, तो आपको एलआईसीकार्यालय जाकर आवश्यक दस्तावेज जमा करने होंगे। सभी एलआईसी पॉलिसीधारकों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी पॉलिसी की स्थिति को समय-समय पर जांचते रहें ताकि उनकी मेहनत की कमाई सुरक्षित रहे और उन्हें अपने भविष्य के लिए भी सुरक्षा मिले। अब एलआईसी ने जनता को ऑनलाइन भी सुविधा दी है, जिससे कोई भी पॉलिसेधारक घर बैठे अपनी पॉलिसी की स्थिति जान सकता है।

गरीबों की मदद के लिए चावल पर जीएसटी घटायाः निर्मला सीतारमण

- चावल पर कर दर को 18 से 5 प्रतिशत कम किया जाएगा

जैसलमेर ।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक के बाद बड़े फैसले किए। उन्होंने घोषित किया कि चावल पर कर दर को 18 से 5 प्रतिशत कम किया जाएगा। इसके साथ ही, जीवन रक्षक जीन थेरेपी और एसएएम मिसाइलों के लिए उपयोग होने वाले पुर्जों पर जीएसटी छूट की अवधि भी बढ़ा दी गई है। सभी एसएएम मिसाइलों के निर्माण में उपयुक्त पुर्जों को जीएसटी से छूट दी जाएगी। उन्होंने छोटे व्यवसायों की मदद के लिए कई और कदम उठाए, जैसे 2,000 रुपये से कम के लेन-देन के लिए छूट देना। वित्त मंत्री ने महसूस किया कि ई-कॉमर्स कंपनियों और खाद्य पदार्थों की डिलीवरी सेवाओं पर जीएसटी को लेकर और चर्चा होनी चाहिए। इसके साथ ही, बैठक में और विस्तृत चर्चा की जाएगी। वित्त मंत्री ने उधारकर्ताओं के लिए भी शुल्कों में कई बदलाव की घोषणा की। उन्होंने संशोधन के लिए एक अवधारणा नोट को मंजूरी दी और वस्तुओं की परिभाषा को स्पष्ट करने के उद्देश्य के साथ खुदरा बि के लिए पहले से पैक और लेबल वाली वस्तुओं की परिभाषा में संशोधन किया। इन सभी निर्णयों से सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में सुधार करने का निशाना साबित किया है।

रॉयल एनफील्ड की 3 नई बाइक्स जल्द होगी लांच

नई दिल्ली ।

रॉयल एनफील्ड कंपनी भारतीय बाजार में तीन नई बाइक्स को लॉन्च करने की तैयारी में है। अगर आप भी रॉयल एनफील्ड की नई बाइक खरीदने का प्लान बना रहे हैं, तो आपके लिए यह एक बेहतरीन मौका हो सकता है। पहली बाइक है रॉयल एनफील्ड क्लासिक 650, जो क्लासिक 350 की सफलता को देखते हुए लॉन्च की जाएगी। इस बाइक में 648सीसी का पैरेलल ट्विन इंजन मिलेगा, जो 47.4 बीएचपी की पावर और 52.4 एनएम का टॉर्क जेनरेट करेगा। यह बाइक शानदार परफॉर्मेंस के साथ क्लासिक डिज़ाइन में होगी और 2025 की पहली तिमाही में लॉन्च होने की उम्मीद है। दूसरी बाइक है रॉयल एनफील्ड बुलेट 650, जो रॉयल एनफील्ड की आइकॉनिक बुलेट सीरीज़ का बड़ा वर्जन होगी। इसमें 648सीसी ट्विन-सिलेंडर इंजन होगा, जो बेहतरीन राइडिंग अनुभव देगा। इसकी टेस्टिंग भारतीय सड़कों पर हो चुकी है, और इसकी लॉन्चिंग को लेकर उम्मीदें बहुत ज्यादा हैं। तीसरी बाइक है रॉयल एनफील्ड हिमालयन 650, जो एडवेंचर बाइक प्रेमियों के लिए एक शानदार विकल्प साबित हो सकती है।

जीएसटी काउंसिल की बैठक में पॉपकॉर्न पर लगेंगे 3 तरह के टैक्स

- पॉपकार्न पर फ्लेवर के अनुसार लगाया जाएगा टैक्स

नई दिल्ली । केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नेतृत्व में जीएसटी काउंसिल की 55वीं बैठक जैसलमेर में आयोजित हुई, जहां पॉपकॉर्न पर नए टैक्स रेट्स के फैसले लिए गए। इसमें काउंसिल ने पॉपकॉर्न को तीन विभिन्न जीएसटी स्लैब में शामिल करने की योजना बनाई है, जो उसके फ्लेवर के अनुसार होंगे। टैक्स की विवरण इस प्रकार हैं- 1. साधारण नमक और मसालों से तैयार किया गया पॉपकॉर्न (पैकेज्ड और लेबल्ड न हो) पर 5 फीसदी जीएसटी लागू होगा। 2. पैकेज्ड और लेबल्ड साधारण नमक और मसालों वाले पॉपकॉर्न पर 12 फीसदी टैक्स लगेगा। 3. चीनी या सुगर फ्लेवर वाले पॉपकॉर्न पर 18 फीसदी जीएसटी लागू होगा। पॉपकॉर्न का व्यापार न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में भी बड़ा है। बीते साल में भारत में पॉपकॉर्न का व्यापार लगातार बढ़ रहा है और एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में इसका मार्केट 8 अरब डॉलर से अधिक का हो गया है। जीएसटी काउंसिल की बैठक में अन्य फैसले भी लिए गए, जिसमें पुरानी कारों पर 18 फीसदी जीएसटी, फोर्टिफाइड चावल पर 5 फीसदी जीएसटी और जीन थेरेपी के लिए पूरी छूट शामिल हैं। हेल्थ इंश योरेंस और लाइफ इंश योरेंस पर जीएसटी की दर कम करने के प्रस्ताव टल गए हैं, जबकि जोमेटो और स्विगी पर ऑनलाइन फूड ऑर्डर करने पर भी कोई राहत नहीं मिली। कुल मिलाकर जीएसटी काउंसिल की बैठक ने व्यापारिक मामलों को ध्यान में रखते हुए पॉपकॉर्न पर टैक्स में बड़े बदलाव किए हैं, जो आम जनता को सीधे असर पहुंचा सकते हैं।

इस साल आईपीओ बाजार में 90 कंपनियों ने रिकॉर्ड 1.6 लाख करोड़ जुटाए

- निवेशकों ने दीर्घकालिक निवेश के लिए भी कंपनियों में विश्वास जताया

मुंबई । आर्थिक वृद्धि की रफ्तार और अनुकूल बाजार परिस्थितियों के साथ, 2024 में आईपीओ के बाजार में भारी चल रही है। इस साल कंपनियों ने आईपीओ के माध्यम से भारी राशि जुटाई है। इस वृद्धि में निवेशकों का भरोसा और नियामकीय ढांचे में सुधार का महत्वपूर्ण योगदान है। साल के दौरान कंपनियों ने आईपीओ के जरिये रिकॉर्ड 1.6 लाख करोड़ रुपये की राशि जुटाई है। एक्सचेंज के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 2024 में 90 आईपीओ आए जिनके जरिये सामूहिक रूप से 1.6 लाख करोड़ रुपये जुटाए गए। माना जा रहा है कि अगला साल भी आईपीओ के लिए काफी अच्छा रहेगा। आईपीओ के लिए असाधारण रहा यह साल न केवल निर्गम लाने वाली कंपनियों के भरोसे को दर्शाता है, बल्कि इससे निवेशकों के विश्वास का भी पता चलता है। आईपीओ ने न केवल निगमों के भरोसे को बल्कि निवेशकों के विश्वास को भी प्रमाणित किया है। निवेशकों ने सिर्फ लाभ कमाने के लिए नहीं बल्कि दीर्घकालिक निवेश के लिए भी कंपनियों में विश्वास जताया है। हुंदै मोटर इंडिया का ऐतिहासिक 27,870 करोड़ रुपये का आईपीओ इस साल का सबसे बड़ा आईपीओ हुआ है। छोटी, मझोली और बड़ी कंपनियों ने साझेदारी जुटाते हुए धन जुटाया है। निवेशकों की बढ़ती भागीदारी के साथ आईपीओ के बाजार में आने वाले साल में भी तेजी की संभावना है। साल के तैयारी में हैं कंपनियां, जो आईपीओ के माध्यम से और अधिक धन जुटाने की सोच रही हैं। जब बाजार विश्लेषकों का यह मानना है कि 2025 में आईपीओ से जुटने वाली राशि अब कि आंकड़ों को पार कर सकती है, तो निवेशकों की उम्मीदें और भी ऊंचाई पर चढ़ गई हैं। आगामी साल में भी आईपीओ बाजार ऐसे ही गतिविधियों में आगे बढ़ते रहने की संभावना है।

वैश्विक रुझान, एफआईआई की गतिविधियां तय करेंगी शेयर बाजार की दिशा : विश्लेषक

- रुपये-डॉलर का रुख और कच्चे तेल के दाम भी बाजार को प्रभा वित करेंगे

मुंबई ।

इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक रुझान और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की गतिविधियों से तय होगी। विश्लेषकों ने कहा है कि इस कम कारोबारी सत्र वाले सप्ताह में घरेलू मोर्चे पर कोई प्रमुख घटनाक्रम नहीं है। ऐसे में बाजार भागीदारों की नजरें वैश्विक संकेतकों पर रहेगी। बाजार के एक वरिष्ठ शोध विश्लेषक ने कहा कि आगे की ओर देखें तो घरेलू मोर्चे पर किसी बड़े संकेतक का अभाव है। हालांकि, कुछ वैश्विक संकेतक बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसमें अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल, डॉलर इंडेक्स का प्रदर्शन, बेरोजगारी दावे और नए घरों की बिक्री के आंकड़े शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बाजार में उतार-चढ़ाव का सिलसिला चल रहा है। साथ ही विदेशी संस्थागत निवेशक लगातार बिकवाल बने हुए हैं। ऐसे में निवेशकों द्वारा सतर्क रुख अपनाए जाने की उम्मीद है। हालिया कमजोरी के रुख के बावजूद बाजार का दृष्टिकोण सतर्क रूप से आशावादी बना हुआ है। हालांकि, एफआईआई की लगातार बिकवाली ने बाजार पर दबाव बढ़ा दिया है। बाजार के जानकारों ने कहा कि एफआईआई का रुख अचानक से लिवाल से बिकवाल का हो गया, जिससे बाजार प्रभावित हुआ है। विश्लेषकों ने कहा कि रुपये-डॉलर का रुख और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम भी बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यह सप्ताह कम कारोबारी सत्रों का रहेगा।

बाजार भागीदारों की निगाह एफआईआई के प्रवाह और वैश्विक बाजारों के प्रदर्शन पर रहेगी। बाजार के जानकारों ने कहा कि भारतीय बाजार में कमजोरी बने रहने की संभावना है। उतार-चढ़ाव के बीच बाजार भागीदारों की निगाह वैश्विक संकेतकों पर रहेगी। उन्होंने कहा कि त्योहारी सीजन आ रहा है और वैश्विक बाजारों में दो-तीन दिन अवकाश रहेगा। ऐसे में स्थानीय बाजार में भी गतिविधियां सुस्त रहेंगी।

केंद्र सरकार और एडीबी ने नीति-आधारित ऋण पर हस्ताक्षर किए

भारत के लॉजिस्टिक्स सेक्टर में एक महत्वपूर्ण उन्नति की उम्मीद

नई दिल्ली । भारत सरकार और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मल्टीमॉडल और एकीकृत लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम कार्यक्रम (स्माइल) के तहत ऐतिहासिक नीति-आधारित ऋण पर हस्ताक्षर किए। इस कार्यक्रम के माध्यम से भारत के लॉजिस्टिक्स सेक्टर में एक महत्वपूर्ण उन्नति की उम्मीद है। सरकारी स्तर पर वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग और एशियन डेवेलपमेंट बैंक मिलकर भारत को ईफी सिएंट, रेसीलेंट और सस्टेने बिल लॉजिस्टिक्स सिस्टम में वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं। मल्टीमॉडल और एकीकृत लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम कार्यक्रम एक अहम नीति-आधारित पहल है जो लॉजिस्टिक्स सुधारों के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाता है। इसके अंतर्गत, मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्बाध एकीकरण के लिए राष्ट्रीय, राज्य और शहर स्तर पर क्षमताएँ विकसित की जाएगी, वेयरहाउसिंग का मानकीकरण होगा, व्यापार लॉजिस्टिक्स में सुधार किया जाएगा, और प्रदूषण को कम करते हुए दक्षता बढ़ाई जाएगी। इन सुधारों से यह आशा है कि लॉजिस्टिक्स लागत में कमी आएगी, परिचालन दक्षता में सुधार होगा, और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। इसके माध्यम से भारत को विश्वस्तरीय लॉजिस्टिक्स सेवाएं प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण धारा मिलेगी।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों का मार्केट कैप 4.95 लाख करोड़ घटा

- टीसीएस और रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ

मुंबई ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों के बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) में 4,95,061 करोड़ रुपये की गिरावट देखी गई है। शेयर बाजार में मंदड़ियों के रुख के बीच टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। बीते सप्ताह टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार पूंजीकरण 1,10,550.66 करोड़ रुपये घटकर 15,08,036.97 करोड़ रुपये, रिलायंस इंडस्ट्रीज के मूल्यांकन में 91,140.53 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 16,32,004.17 करोड़ रुपये, पर आ गया।

एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 76,448.71 करोड़ रुपये घटकर 13,54,709.35 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल की 59,055.42 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 8,98,786.98 करोड़ रुपये, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार पूंजीकरण 43,909.13 करोड़ रुपये घटकर 7,25,125.38 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 41,857.33 रुपये घटकर 9,07,449.04 करोड़ रुपये, इन्फोसिस का मूल्यांकन 32,300.2 करोड़ रुपये घटकर 7,98,086.90 करोड़ रुपये, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मूल्यांकन 20,050.25 करोड़ रुपये घटकर 5,69,819.04 करोड़ रुपये, हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 12,805.27 करोड़ रुपये घटकर 5,48,617.81 करोड़ रुपये और आईटीसी का मूल्यांकन 6,943.5 करोड़ रुपये घटकर 5,81,252.32 करोड़ रुपये रह गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। इसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, इन्फोसिस, एसबीआई, आईटीसी, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

घरेलू प्रवासियों की संख्या में कमी आने का अनुमानः ईएसी-पीएम

- 2023 में घरेलू प्रवासियों की संख्या 40.20 करोड़ रही

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति (ईएसी) की एक रिपोर्ट ने देश में घरेलू प्रवासियों की संख्या में 2011 से 2023 तक 12 प्रतिशत की कमी का अनुमान लगाया है। रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में घरेलू प्रवासियों की संख्या 40.20 करोड़ रही, जो 2011 की जनगणना के अनुसार 11.78 प्रतिशत कम है। ईएसी-पीएम के खास पत्र में इस विषय पर ध्यान दिया गया है। एक पूर्व चेयरमैन ने लिखा है कि यह घटती प्रवासन दर वृद्धि की ओर एक सकारात्मक कदम है। यह बेहतर आर्थिक अवसरों के कारण हो रहा है और इससे देश को आर्थिक वृद्धि में सामर्थ्य मिलेगा। जनगणना 2011 के अनुसार केवल पांच राज्यों में ही कुल प्रवासियों का 48 प्रतिशत हिस्सा है, जिसमें राज्य के भीतरी प्रवासी भी शामिल हैं। प्रवासी संख्या में कमी का अनुमान देश में ला-गई अच्छी सेवाओं और शिक्षा के साथ-साथ उच्च आवृत्ति डेटा का उपयोग करने का परिणाम है। इस स्थिति में, देश को और भी अधिक उन्नति के लिए घरेलू प्रवासियों की सेवाएं सुधारने में महत्वपूर्ण कदम उठाने की आवश्यकता हो सकती है। इससे वे अपने परिवारों को सुधारित जीवन प्रदान करके देश की आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दें।

महान राष्ट्र-सपूतों में अग्रणी थे अटल बिहारी वाजपेयी

ललित गर्ग

तीन बार देश के प्रधानमंत्री रहे अटल विहारी वाजपेयी ने पांच दशक तक सक्रिय राजनीति की, अनेक पदों पर रहे, केंद्रीय विदेश मंत्री व प्रधानमंत्री- पर वे सदा दूसरों से भिन्न रहे, अनूठे रहे। घाल-मेल से दूर। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। विचारों में निडर। टूटते मूल्यों में अडिग। घेरे तोड़कर निकलती भीड़ में मर्यादित। वे भारत के इतिहास में उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने सिर्फ अपने नाम, व्यक्तित्व और करिश्मे के बूते पर न केवल सरकार बनाई बल्कि एक नयी सोच की राजनीति को पनपाया, पारदर्शी एवं सुशासन को सुदृढ़ किया।

भारतीय राजनीति का महानायक, भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता, भारत रत्न, प्रखर कवि, वक्ता और पत्रकार श्री अटल विहारी वाजपेयी की जन्म जयंती 25 दिसंबर को भारत सरकार प्रतिवर्ष सुशासन दिवस के रूप में मनाती है। इस वर्ष हम उनका 100वां जन्मोत्सव मना रहे हैं, जिन्होंने प्रखर राजनेता, अजातशत्रु, विचारक एवं समाज सुधारक एवं राष्ट्र-निमार्ता के रूप में न केवल देश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमिट यादों को जन-जन के हृदय में स्थापित कर हमसे जुदा हुए थे। अटलजी यह नाम भारतीय इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त जननायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, नये भारत के निमार्ता, कुशल प्रशासक, दार्शनिक के साथ-साथ भारत को एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग है, इतने दृष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, दार्शनिक और चिंतक हैं, प्रबुद्ध और प्रधान है, वक्ता और नेता हैं, शासक एवं लोकतंत्र उन्नायक हैं।

तीन बार देश के प्रधानमंत्री रहे अटल विहारी वाजपेयी ने पांच दशक तक सक्रिय राजनीति की, अनेक पदों पर रहे, केंद्रीय विदेश मंत्री व प्रधानमंत्री- पर वे सदा दूसरों से भिन्न रहे, अनूठे रहे। घाल-मेल से दूर। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। विचारों में निडर। टूटते मूल्यों में अडिग। घेरे तोड़कर निकलती भीड़ में मर्यादित। वे भारत के इतिहास में उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने सिर्फ अपने नाम, व्यक्तित्व और करिश्मे के बूते पर न केवल सरकार बनाई बल्कि एक नयी सोच की राजनीति को पनपाया, पारदर्शी एवं सुशासन को सुदृढ़ किया। पिछले कई दशकों में वह एक ऐसे नेता के रूप में उभरे जो विश्व के प्रति उदारवादी सोच और लोकतांत्रिक आदर्शों के प्रति प्रतिबद्धता को महत्व देते हैं। वे ऐसे भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं जिस देश की सभ्यता का इतिहास 5000 साल पुराना है और जो अगले हजार वर्षों में आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार है।

विलक्षण प्रतिभा, राजनीतिक कौशल, कुशल नेतृत्व क्षमता, बेवाक सोच, निर्णय क्षमता, दूरदर्शिता और बुद्धिमत्ता के कारण कांग्रेस के सभी नेता उनका लोहा मानते रहे। वाजपेयीजी बेहद नम्र इंसान थे और वह अहंकार से कोसों दूर थे। उनके प्रभावी एवं बेवाक व्यक्तित्व से पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू भी प्रभावित थे और उन्होंने कहा था कि अटलजी एक दिन भारत के प्रधानमंत्री जरूर बनेंगे। आज भारतीय जनता पार्टी की मजबूती का जो धरातल बना है, वह उन्हीं की देन है। वे भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक हैं। 1977 में जनता पार्टी सरकार में उन्हें विदेश मंत्री बनाया गया। इस दौरान संयुक्त राष्ट्र संघ के अधिवेशन में उन्होंने हिंदी में भाषण दिया और वे इसे अपने जीवन का सबसे

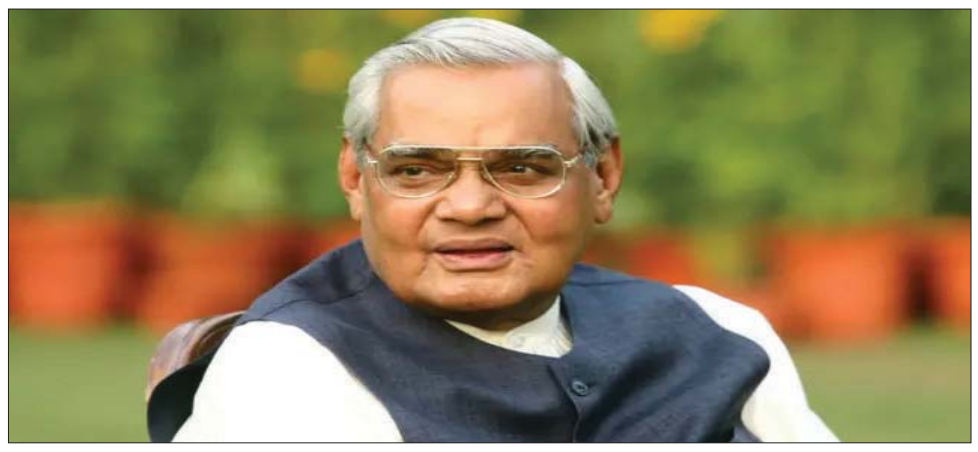

सुखद क्षण बताते थे। वे संसद में बहुत प्रभावशाली वक्ता के रूप में जाने जाते रहे हैं और महत्वपूर्ण मुद्दे पर उनके भाषण खासे गौर से सुने जाते रहे हैं, जो भारत के संसदीय इतिहास की अमूल्य धरोहर है।

उत्तर प्रदेश में आगरा जनपद के प्राचीन स्थान बटेश्वर के मूल निवासी पण्डित कृष्ण बिहारी वाजपेयी मध्य प्रदेश की ग्वालियर रियासत में अध्यापक थे। वहीं शिन्दे की छावनी में 25 दिसंबर 1924 को ब्रह्ममुहूर्त में उनकी सहधर्मिणी कृष्णा वाजपेयी की कोख से अटलजी का जन्म हुआ था। महात्मा रामचन्द्र वीर द्वारा रचित अमर कृति 'विजय पताका' पढ़कर अटलजी के जीवन की दिशा ही बदल गयी। छात्र जीवन से वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक बने और तभी से राष्ट्रीय स्तर की वाद-विवाद प्रतियोगिताओं में भाग लेते रहे। डॉ० श्यामाप्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के निर्देशन में राजनीति का पाठ तो पढ़ा ही, साथ-साथ पाञ्चजन्य, राष्ट्रधर्म, दैनिक स्वदेश और वीर अर्जुन जैसे पत्र-पत्रिकाओं के सम्पादन का कार्य भी कुशलतापूर्वक करते रहे। अटलजी ने किशोर वय में ही एक अद्भुत कविता लिखी थी-हिन्दू तन-मन हिन्दू जीवन, रग-रग हिन्दू मेरा परिचय, जिससे यह पता चलता है कि बचपन से ही उनका रुझान देश हित, राष्ट्रीयता एवं हिन्दुत्व की तरफ था। राजनीति के साथ-साथ समष्टि एवं राष्ट्र के प्रति उनकी वैयक्तिक संवेदनशीलता, जिजीविषा, व्यापक दृष्टि आद्योपान्त प्रकट होती ही रही है। उनके संघर्षमय जीवन, परिवर्तनशील परिस्थितियाँ, राष्ट्रव्यापी आन्दोलन, जेल-जीवन आदि अनेक आयामों के प्रभाव एवं अनुभूति से जुड़े विचार उनके काव्य में सदैव ही दिखाई देते थे।

अटल विहारी वाजपेयी 16 मई 1996 को पहली बार प्रधानमंत्री बने, लेकिन लोकसभा में बहुमत साबित न कर पाने की वजह से 31 मई 1996 को उन्हें त्यागपत्र देना पड़ा। इसके बाद 1998 तक वे लोकसभा में विपक्ष के नेता रहे। 1999 में हुए चुनाव राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के साझा घोषणापत्र पर लड़े गए और इन चुनावों में वाजपेयी के नेतृत्व को एक प्रमुख मुद्दा बनाया गया। गठबंधन को बहुमत हासिल हुआ और वाजपेयी ने एक बार फिर प्रधानमंत्री की कुर्सी संभाली। एनडीए का नेतृत्व करते हुए मार्च 1998 से मई 2004 तक, छह साल भारत के प्रधानमंत्री रहे। इस दौरान उनकी सरकार ने 11 और 13 मई 1998 को पोखरण में पाँच भूमिगत परमाणु परीक्षण विस्फोट करके भारत को परमाणु शक्ति संपन्न देश घोषित कर दिया। इस कदम से उन्होंने भारत को निर्विवाद रूप से विश्व मानचित्र पर एक सुदृढ वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित कर दिया। यह सब इतनी गोपनीयता से किया गया कि अति विकसित जासूसी उपग्रहों व तकनीकी से संपन्न पश्चिमी देशों को इसकी भनक तक नहीं लगी। यही नहीं इसके बाद पश्चिमी देशों द्वारा भारत पर अनेक प्रतिबंध लगाए गए लेकिन वाजपेयी सरकार ने सबका दृढ़तापूर्वक सामना करते हुए आर्थिक विकास की ऊचाइयों को छुआ। वाजपेयीजी ने पडौसी देश पाकिस्तान के साथ रिश्तों को सौहार्दपूर्ण बनाने की दृष्टि से भी अनेक उपक्रम किये। 19 फरवरी 1999 को सदा-ए-सरहद नाम से दिल्ली से लाहौर तक बस सेवा शुरू की गई। कुछ ही समय पश्चात् पाकिस्तान के तत्कालीन सेना प्रमुख परवेज मुशर्रफ की शह पर पाकिस्तानी सेना व उग्रवादियों ने कारगिल क्षेत्र में घुसपैठ करके कई पहाड़ी चोटियों पर कब्जा कर लिया। अटल सरकार ने पाकिस्तान की सीमा का उल्लंघन न करने की अंतर्राष्ट्रीय सलाह का सम्मान करते हुए धैर्यपूर्वक किंतु ठोस कार्यवाही करके भारतीय क्षेत्र को मुक्त कराया।

अटल विहारी वाजपेयी चाहे प्रधानमन्त्री के पद पर रहे हों या नेता प्रतिपक्ष- बेशक देश की बात हो या क्रान्तिकारियों की, या फिर उनकी अपनी ही कविताओं की, नपी-तुली और बेवाक टिप्पणी करने में अटलजी कभी नहीं चूके। भारत को लेकर उनकी स्वतंत्र सोच एवं दृष्टि रही है-ऐसा भारत जो भूख, भय, निरक्षरता और अभाव से मुक्त हो। उनकी कविता जंग का ऐलान है, पराजय की प्रस्तावना नहीं। वह हारे हुए सिपाही का नैराश्य-निनाद नहीं, जूझते योद्धा का जय-संकल्प है। वह निराशा का स्वर नहीं, आत्मविश्वास का जयघोष है। उन्होंने विज्ञान की शक्ति को बढ़ावा देने के लिए लाल बहादुर शास्त्री के नारे 'जय जवान जय किसान' में बदलाव किया और 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान' का नारा दिया। वे जितने कद्दावर के राजनीतिज्ञ थे उतने ही गहन आध्यात्मिक भी थे। उन्होंने राजनीतिक समस्याओं के अतिरिक्त धार्मिक तथा सांस्कृतिक विषयों पर भी साधिकार कलम चलाई, एक नई दृष्टि एवं दिशा दी। इस दृष्टि से वे एक महान् राष्ट्रनायक, साहित्यकार, विचारक, महामनीषी एवं चिन्तक थे।

इस शताब्दी के भारत के 'महान सपूतों' की सूची में कुछ नाम हैं जो अंगुलियों पर गिने जा सकते हैं। अटल विहारी वाजपेयी का नाम प्रथम पंक्ति में होगा। मेरा सौभाग्य रहा कि मुझे वाजपेयीजी से मिलने के अनेक अवसर मिले, रायसीना हिल पर अणुव्रत आन्दोलन एवं आचार्य तुलसी के कार्यक्रमों के सिलसिले में अनेक बार मिला। प्रधानमंत्री रहते 7 रेडक्रोस रोड पर तीन-चार मुलाकातें हुई। एक बार उनके जन्म दिन पर कृष्णा मेनन मार्ग पर भी उनके दर्शनों का दुर्लभ अवसर मिला। उनमें गजब का अल्हड़पन एवं फक्कड़पन था। वे हमेशा बेपरवाह और निश्चिन्त दिखाई पड़ते थे, प्रायः लोगों से घिरे रहते थे और हंसते-हंसाते रहते थे। उनके जीवन के सारे सिद्धांत मानवीयता एवं राष्ट्रीयता की गहराई ये जुड़े थे और उस पर वे अटल भी रहते थे। किन्तु किसी भी प्रकार की रूढ़ि या पूर्वाग्रह उन्हें छू तक नहीं पाता। वे हर प्रकार से मुक्त स्वभाव के थे और यह मुक्त स्वरूप भीतर की मुक्ति का प्रकट रूप है।

भारतीय राजनीति की बड़ी विडम्बना रही है कि आदर्श की बात सबकी जुबान पर है, पर मन में नहीं। उड़ने के लिए आकाश दिखाते हैं पर खड़े होने के लिए जमीन नहीं। दर्पण आज भी सच बोलता है पर सबने मुखौटे लगा रखे हैं। ऐसी निराशा, गिरावट व अनिश्चितता की स्थिति में वाजपेयीजी ने राष्ट्रीय चरित्र, उन्नत जीवन शैली और स्वस्थ राजनीति प्रणाली के लिए बराबर प्रयास किया। वे व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्र के बदलाव की सोचते रहे, साइनिंग इंडिया- उदय भारत के सपने को आकार देते रहे। उनका समूचा जीवन राष्ट्र को समर्पित एक जीवन यात्रा का नाम है- आशा को अर्थ देने की यात्रा, ढलान से ऊंचाई की यात्रा, गिरावट से उठने की यात्रा, मजबूरी से मनोबल की यात्रा, सीमा से असीम होने की यात्रा, जीवन के चक्रव्यूहों से बाहर निकलने की यात्रा। 100वी जन्म जयन्ती पर मन बार-बार उनकी तड़प को प्रणाम करता है। उस महापुरुष के मनोबल को प्रणाम करता है!

संपादकीय

व्यापार और दोस्ती

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुवैत के महामहिम अमीर शेख मेशाल अल-अहमद अल-जबर अल सबा के साथ अपनी बैठक को उत्कृष्ट बताया। दोनों नेताओं ने व्यापक चर्चा की और भारत व कुवैत के बीच संबंध रणनीतिक साझेदारी तक विस्तारित हो गए। सूचना प्रौद्योगिकी, औषधि, फिनटेक, बुनियादी ढ़ांचे और सुरक्षा क्षेत्र में संबंधों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया। मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट किया, मैं आशावादी हूं कि आने वाले समय में हमारी दोस्ती और भी विकसित होगी। प्रधानमंत्री मोदी दो दिवसीय यात्रा पर वहां गए थे। जो बीते 43 सालों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा है। उन्होंने बहुत ही सधे शब्दों में बयान किया, हिन्दुस्तान से यहां आने में चार घंटे लगते हैं मगर प्रधानमंत्री को यहां आने में चार दशक लग गये। कुवैत में दस लाख की आबादी वाला भारतीय समुदाय सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय है। मोदी ने भारतीय समुदाय के कल्याण के लिए अमीर के प्रति आभार व्यक्त किया। वे वहां प्रवासियों से भी मिले। यह मोदी का अपना तरीका है। वे अपनी विदेश यात्राओं के दौरान प्रवासी भारतीयों से मिलकर अपनी लोकप्रियता ही नहीं बढ़ाते बल्कि प्रवासियों के विषय में वे खुलकर बात करते हैं और विशाल मंच से भारतीयता तथा देसी यादों का पिटारा भी पेश करने से नहीं चूकते। कुवैत भारत का छठा सबसे बड़ा कच्चे तेल का आपूर्तिकर्ता है। देश में कुवैत निवेश प्राधिकरण का निवेश दस अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो चुका है। कुवैत ने व्यापारिक आयात-निर्यात के लिए मुंबई, कोलकाता, पोरबंदर व गोवा में इन व्यापारिक गतिविधियों के मद्देनजर अपने दफ्तर भी बनाए हैं। मोदी ने उन्नीसवीं सदी में कुवैती व्यापारियों के गुजरात आने का जिक्र भी किया। भारत और कुवैत के अरब सागर के दो किनारों पर बसे होने के बावजूद लंबे समय से रोजमर्रा के प्रयोग की चीजों समेत आभूषणों के व्यापार का आदान-प्रदान होता रहा है। मोदी ने अपनी कूटनीति में व्यापक परिवर्तन दर्शाये हैं। चूंकि इस वक्त भारत तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था है, इसलिए अपनी गति बनाए रखने के लिहाज से उसे व्यापक परिवेश में सोचना होगा। देश के दीर्घकालिक हितों व विकास के नये तरीकों के प्रति विशेष रुचि रखते हुए हमें सिर्फ उपभोक्ता बने रहने की बजाए निर्यात के मार्ग भी प्रशस्त करने हैं। विश्व के विभिन्न देशों के साथ व्यापारिक संबंध भारत को तेजी से आगे बढ़ता देखने के लिए जरूरी हैं।

चिंतन-मनन

ध्यान की तरंग

यहूदियों में एक कथा है कि जब कोई बच्चा पैदा होता है, तो देवता आते हैं और उस बच्चे के सिर पर हाथ फेरते हैं; ताकि वह भूल जाए उस सुख को, जो सुख परमात्मा के घर उसने जाना था, नहीं तो जिंदगी बड़ी कठिन हो जाएगी-दयावश ऐसा करते हैं वे, नहीं तो जिंदगी बड़ी कठिन हो जाएगी। अगर वह सुख याद रहे, तो बड़ी कठिन हो जाएगी जिंदगी, तुलना में। तुम फिर कुछ भी करो, व्यर्थ मालूम पड़ेगा। धन कमाओ, पद कमाओ, सुंदर से सुंदर पत्नी और पति ले आओ, अच्छे से अच्छे बच्चे हों, बड़ा मकान हो, कार हो, कुछ भी सार न मालूम पड़ेगा, अगर वह सुख याद रहे।

तो यहूदी कथा कहती है कि एक देवता उतरता है करूणावश और हर बच्चे के माथे पर सिर्फ हाथ फेर देता है। उस हाथ के फेरते ही पर्दा बंद हो जाता है, उसे भूल जाता है परमात्मा। सुख भूल गया, फिर यह जीवन के दुखों में ही सोचने लगता है, सुख होगा। उस पर्दे को फिर से खोलना है, जो देवताओं ने बंद कर दिया है। मुझे तो नहीं लगता कि कोई देवता बंद करते हैं। देवता ?सी मूढ़ता नहीं कर सकते। लेकिन समाज बंद कर देता है। शायद कहानी उसी की सूचना दे रही है। मां-बाप, परिवार, समाज, स्कूल बंद कर देते हैं, पर्दे को डाल देते हैं। ?सा डाल देते हैं कि तुम भूल ही जाते हो कि यहां द्वार है, तुम समझने लगते हो दीवार है। ध्यान का अर्थ है, इस पर्दे को हटाना। और इसे अनायास होने दो इसे कभी-कभी तुम्हें पकड़ लेने दो- और जब तुम्हें यह तरंग पकड़े, तो लाख काम छोड़कर बैठ जाना।

शेख हसीना भारत के गले में हड्डी की तरह फंसी

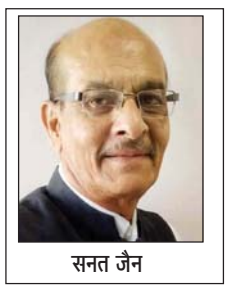

सनत जैन

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने औपचारिक रूप से शेख हसीना को बांग्लादेश वापस भेजने की मांग भारत सरकार से की है। शेख हसीना पिछले 5 महीने से भारत में हैं। बांग्लादेश में उनकी सरकार के खिलाफ तख्ता पलट हुआ था। उन्हें बांग्लादेश छोड़कर भागना पड़ा। भारत सरकार ने सुरक्षित रूप से उन्हें बांग्लादेश से निकालकर भारत में शरण दी थी। शेख हसीना भारत में रहकर वर्तमान सरकार के खिलाफ लगातार बयानबाजी कर रही हैं। बांग्लादेश में हसीना के समर्थक आए दिन वहां पर सरकार के लिए चुनौती बन रहे हैं। जिसके कारण बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। पिछले 5 महीने में भारत सरकार और बांग्लादेश सरकार के बीच में तनाव बढ़ता चला जा रहा है। बांग्लादेश में हिंदुओं के ऊपर लगातार जो हमले हो रहे हैं और मंदिरों को निशाना बना तोड़ा जा रहा है, उसमें मूल कारण शेख हसीना को भारत सरकार द्वारा शरण दिया जाना है। यही नहीं भारत में बैठकर शेख हसीना द्वारा बांग्लादेश में राजनीतिक गतिविधियों को चलाने का विरोध भी बांग्लादेश की जनता कर रही है। इसी कारण वहां की जनता हिंदुओं के खिलाफ खड़ी हो रही है। हाल ही में भारत के विदेश सचिव बांग्लादेश गए थे, लेकिन वह भी कोई सार्थक परिणाम लेकर वापस नहीं लौटे हैं। बांग्लादेश में अडानी द्वारा महंगी बिजली सप्लाई करने का समझौता किया गया है। इसमें कथित तौर पर शेख हसीना द्वारा भारी भ्रष्टाचार किया गया। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने अडानी का भुगतान रोक दिया है। उसके बाद से भारत सरकार और बांग्लादेश के बीच में लगातार दूरियां बढ़ती चली जा रही है। भारत सरकार और बांग्लादेश के बीच अपराधियों की अदला-बदली को लेकर पहले से ही समझौता है। इसी समझौते के तहत बांग्लादेश शेख हसीना को वापस लौटाने की मांग कर रहा है।

शेख हसीना के ऊपर हत्या, अपहरण और देशद्रोह के लगभग 225 मामले दर्ज हैं। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने भारत सरकार को चेतावनी दी है, कि शेख हसीना को बांग्लादेश को सौंप दिया जाए। अन्यथा बांग्लादेश, भारत सरकार के साथ संबंधों को लेकर कडा रूख अख्तियार करेगा। शेख हसीना के द्वारा किया गया भ्रष्टाचार और तानाशाही वाले रवैये को लेकर बांग्लादेश में उनके खिलाफ जबरदस्त गुस्सा है। आरोप तो यह भी लगा कि बांग्लादेश के चुनाव में भी उन्होंने भारी गड़बड़ी कर बहुमत हासिल किया था। जिसके कारण जनता में उनके प्रति बहुत नाराजी है। भारत सरकार शेख हसीना को भारत छोड़कर किसी अन्य देश में भेज देती, तो भारत और बांग्ला देश के संबंध इतने ज्यादा नहीं बिगड़ते। बांग्लादेश में हिंदुओं के ऊपर हमले भी नहीं होते। भारत में जो कुछ मुसलमानो के साथ हो रहा है, वैसी ही प्रतिक्रिया अब बांग्लादेश में हिंदुओं को लेकर हो रही है। इस समय अमेरिका-चीन के रडार पर भारत है। दोनों ही देश भारत को अपने पाले में बनाए रखने के लिए तरह-

तरह की पेंतरेबाजी कर रहे हैं। अमेरिका की निगाह बांग्लादेश के ऊपर है। बांग्लादेश को अमेरिका से जो ताकत मिल रही है। अकारण भारत को उसमें फसना पड़ रहा है। भारत सरकार को चाहिए कि वह शेख हसीना को किसी अन्य राष्ट्र में शरण दिलाने में उनकी मदद करे। भारत से शेख हसीना चली जाएंगी, तो बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में शेख हसीना के कारण भारत सरकार के जो रिश्ते खराब हो रहे हैं, वह सामान्य होना शुरू हो जाएंगे। सरकार को समय रहते हुए सार्थक निर्णय करने की जरूरत है।

रोशनी, प्रेम और सद्भाव का पर्व है क्रिसमस

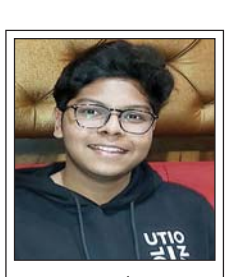

अतुल गोयल

'क्रिसमस' पर्व पूरी दुनिया में 25 दिसम्बर को मनाया जाने ईसाई समुदाय का सबसे बड़ा त्यौहार है। यह पर्व वास्तव में केवल एक धार्मिक पर्व ही नहीं है बल्कि इसका एक सांस्कृतिक नजरिया भी है। यह पर्व केवल एक दिन का उत्सव नहीं है बल्कि यह पूरे 12 दिन का पर्व है, जो क्रिसमस की पूर्व संध्या से शुरू हो जाता है। हिन्दुओं में जो महत्व दीवाली का है, मुस्लिमों में जितना महत्व ईद का है, वही महत्व ईसाईयों में क्रिसमस का है। जिस प्रकार हिन्दुओं में दीवाली पर अपने घरों को सजाने की परम्परा है, उसी प्रकार ईसाई समुदाय के लोग क्रिसमस के अवसर पर अपने घरों को सजाते हैं। इस अवसर पर शंकु आकार के विशेष प्रकार के वृक्ष 'क्रिसमस ट्री' को सजाने की तो विशेष महत्ता होती है, जिसे रंग-बिरंगी रोशनियों से सजाया जाता है।

मान्यता है कि करीब दो हजार वर्ष पूर्व 25 दिसम्बर को ईसा मसीह ने समस्त मानव जाति का कल्याण करने के लिए पृथ्वी पर जन्म लिया था। तब पूरे रोम में धार्मिक आडम्बर चारों ओर फैले थे, रोम शासक यहूदियों पर अत्याचार करते थे, धनाढ्य वर्ग विलासितापूर्ण जीवन व्यतीत करता था जबकि गरीबों की हालत अत्यंत दयनीय थी। चारों ओर अशांति फैली थी, भाई-भाई का शत्रु बन गया था, धर्मस्थलों के पादरी अथवा पुजारी स्वार्थसिद्धि में लिप्त थे, छोटे-बड़े, अमीर-गरीब, ऊंच-नीच के बीच भेदभाव की गहरी खाई बन चुकी थी। ऐसे विकट समय में पृथ्वी पर जन्म लिया था यीशु ने। ईसाई धर्म के लोग मानते हैं कि ईसा के जन्म के साथ ही समूचे विश्व में एक नए युग का शुभारंभ हुआ था, यही कारण है कि हजारों वर्ष बाद भी उनके प्रति लोगों का वही उत्साह, वही श्रद्धा बरकरार है और 25 दिसम्बर की मध्य रात्रि को गिरिजाघरों के घड़ियाल बजते ही 'हैप्पी क्रिसमस' के उद्घोष के साथ जनसैलाब उमड़ पड़ता है, लोग एक-दूसरे को गले मिलकर बधाई देते हैं और आतिशबाजी भी करते हैं। इस अवसर पर लोग गिरिजाघरों के अलावा अपने घरों में भी खुशी और उल्लास से ऐसे गीत गाते हैं, जिनमें ईसा मसीह द्वारा दिए गए शांति, प्रेम एवं भाईचारे के संदेश की महत्ता स्पष्ट परिलक्षित होती है।

जिन ईसा मसीह की स्मृति में लोग क्रिसमस का त्यौहार मनाते हैं, उनका जन्म अत्यंत विकट परिस्थितियों में हुआ था। दिसम्बर के महीने की हाड़ कंपा देने वाली कड़ाके की ठंड में इसराइल के येरूसलम से 8 किलोमीटर दूर बेथलेहम नामक एक छोटे से गांव में आधी रात के वक्त खुले आसमान तले एक अस्तबल में एक गरीब यहूदी यूसुफ की पत्नी मरियम की कोख से जन्मे थे यीशु, जिनके जन्म की सूचना सबसे पहले हेरोद जैसे क्रूर सम्राट को नहीं बल्कि गरीब चरवाहों को मिली थी। माना जाता है कि ये चरवाहे उसी क्षेत्र में अपनी भेड़ों के झुंड के साथ रहा करते थे और जिस रात ईसा ने धरती पर जन्म लिया, उस समय ये लोग खेतों में भेड़ों के झुंड की रखवाली करते हुए आग ताप रहे थे। कहा जाता है कि मरियम जब गर्भवती थी तो एक रात गैबरियल नामक एक देवदूत मरियम के सामने प्रकट हुआ, जिसने मरियम को बताया कि उन्हें ईश्वर के बेटे की मां बनने के लिए चुना गया है। उन दिनों जनगणना का कार्य चल रहा था और तब यह प्रथा थी कि जनगणना के समय पूरा परिवार अपने पूर्वजों के नगर में एकत्रित होता था और वहीं परिवार के सभी सदस्यों का नाम रजिस्टर में दर्ज कराता था।

यूसुफ दाऊद के कुटुम्ब तथा देश का था, इसलिए गर्भवती मरियम को साथ लेकर वह भी नाम लिखवाने अपने पूर्वजों की भूमि बेथलेहम पहुंचा। जनगणना की वजह से बेथलेहम में उस समय बहुत भीड़ थी। वहां पहुंचकर युसूफ ने एक सराय के मालिक से रूकने के लिए जगह मांगी लेकिन सराय में बहुत भीड़ होने के कारण उन्हें जगह नहीं मिली। मरियम को गर्भवती देख सराय के मालिक को उस पर दया आई और उसने उन्हें घोड़ों के अस्तबल में ठहरा दिया। वहीं आधी रात के समय मरियम ने एक अति तेजस्वी पुत्र को जन्म दिया, जिसका 7 दिन बाद नामकरण संस्कार हुआ। बालक का नाम रखा गया 'जीजस', जिसे यीशु के नाम से भी जाना गया। यहूदियों के इस देश में उस समय रोमन सम्राट हेरोद का शासन था, जो बहुत पापी और अत्याचारी था। हेरोद को जीजस के जन्म की सूचना मिली तो वह बहुत घबराया क्योंकि भविष्यवक्ताओं ने भविष्यवाणी की थी कि यहूदियों का राजा इसी वर्ष पैदा होगा और उसके बाद हेरोद राजा नहीं रह सकेगा। हेरोद ने जीजस की खोज में अपने सैनिकों की टुकड़ियां भेजी लेकिन वे जीजस के बारे में कुछ पता नहीं लगा सके।

घोर गरीबी के कारण जीजस की पढ़ाई-लिखाई की व्यवस्था तो नहीं हो पाई पर उन्हें बाल्यकाल से ही ज्ञान प्राप्त था। गरीबों, दुखियों व रोगियों की सेवा करना उन्हें बहुत अच्छा लगता था। इतना ही नहीं, बड़े-बड़े धार्मिक नेता भी उनके सवाल-जवाबों से अक्सर चकित हो जाते थे। उन दिनों लोग मूर्तिपूजा किया करते थे और सर्वत्र धर्म के नाम पर आडम्बर फैला था। यीशु ने मूर्तिपूजा के स्थान पर एक निराकार ईश्वर की पूजा का मार्ग लोगों को बताया और उन्हें अपने हृदय में आविर्भूत ईश्वरीय ज्ञान का संदेश सुनाया। उनके उपदेशों से प्रभावित होकर उनके शिष्यों की संख्या दिनोंदिन बढ़ने लगी तथा उनकी दयालुता और परोपकारिता की प्रशंसा सर्वत्र फैल गई, जिससे यहूदियों के पुजारी और धर्म गुरू उनके घोर शत्रु बन गए।

एक बार यीशु प्रार्थना कर रहे थे तो उन्हें अपना शत्रु मान चुके यहूदियों के पुजारी व धर्मगुरू उनको पकड़कर ले गए। जब उन्हें न्यायालय में उपस्थित किया गया तो न्यायाधीश ने राजा और धर्मगुरूओं के दबाव में यीशु को प्राणदंड की सजा सुना दी। यहूदियों ने यीशु को कांटों का ताज पहनाया और फटे कपड़े पहनाकर कोड़े मारते हुए उन्हें पूरे नगर में घुमाया। फिर उनके हाथ-पांवों में कीलें ठोंककर उन्हें 'क्रॉस' पर लटका दिया गया लेकिन यह यीशु की महानता ही थी कि इतनी भीषण यातनाएं झेलने के बाद भी उन्होंने ईश्वर से उन लोगों के लिए क्षमायाचना ही की। सूली पर लटके हुए भी उनके मुंह से यही शब्द निकले, 'हे ईश्वर! इन लोगों को माफ करना क्योंकि इन्हें नहीं पता कि ये क्या कर रहे हैं? ये अज्ञानवश ही ऐसा कर रहे हैं।' उसके बाद से ही ईसाई समुदाय द्वारा 25 दिसम्बर अर्थात ईसा मसीह के जन्मदिवस को क्रिसमस के रूप में मनाया जाने लगा।

(लेखक न्यूयॉर्क की कंपनी में सॉफ्टवेयर डवलपमेंट इंजीनियर हैं)

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ 09 पटना झ 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया |सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार| मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

तमन्ना भाटिया की ओडेला 2 का नया पोस्टर जारी, खतरनाक अंदाज में नजर आईं तमन्ना

तमन्ना भाटिया वर्तमान में ओडेला 2 में अभिनय कर रही हैं, जो 2021 की हिट ओडेला रेलवे स्टेशन की बहुप्रतीक्षित अगली कड़ी है। अशोक तेजा द्वारा निर्देशित, फिल्म ने पहले ही महत्वपूर्ण रुचि जगा दी है। तमन्ना ने नागा साधु की भूमिका निभाई है, एक ऐसा किरदार जिसने प्रशंसकों के उत्साह को बढ़ाया हुआ है। इसी बीच तमन्ना के जन्मदिन के अवसर पर फिल्म से उनका खतरनाक लुक जारी कर दिया गया है।

ओडेला 2 से तमन्ना का लुक जारी

तमन्ना भाटिया को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए, ओडेला 2 के निर्माताओं ने एक नए पोस्टर का अनावरण किया, जिसमें अभिनेत्री को एक खतरनाक नागा साधु अवतार में दिखाया गया है। पोस्टर में उन्हें खोपड़ियों के एक मैदान में साहसपूर्वक चलते हुए दिखाया गया है, जिसके ऊपर उड़ते हुए गिद्ध एक तनावपूर्ण माहौल बना रहे हैं।

खतरनाक अंदाज में नजर आईं तमन्ना

यह पोस्टर फिल्म में उनके किरदार की गहन और शक्तिशाली प्रकृति का संकेत देता है। तमन्ना भाटिया ने अपनी भूमिका के लिए कठोर प्रशिक्षण लिया है, जिसमें दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने वाले लुभावने स्टंट को परफेक्ट करने के लिए व्यापक रिहर्सल भी शामिल हैं। ओडेला 2 एक रोमांचक सिनेमाई अनुभव का वादा करती है, जो तमन्ना द्वारा चित्रित अच्छाई और वशिष्ठ द्वारा चित्रित बुराई के बीच तीव्र टकराव पर केंद्रित है।

ओडेला 2 की कहानी, निर्माण

फिल्म की कहानी एक गांव के आसपास केंद्रित है, और कैसे इसके सच्चे रक्षक ओडेला मल्लन्ना स्वामी हमेशा अपने गांव को बुरी ताकतों से बचाते हैं। फिल्म के लिए संगीत अजनीश लोकनाथ द्वारा तैयार किया गया है, जो कंतारा में अपने काम के लिए मशहूर हैं। छायांकन प्रतिभाशाली साउंडराजन एस द्वारा किया जा रहा है। कला निर्देशन राजीव नायर के नेतृत्व में है। ऐसी कुशल और गतिशील तकनीकी टीम के साथ, ओडेला 2 एक अविस्मरणीय सिनेमाई अनुभव का वादा करती है।

गांधारी में एक्शन करती नजर आएंगी तापसी शूटिंग हुई शुरू

पसी पन्नू अपनी नई फिल्म की शूटिंग में ता बिजी हो गई हैं। उनकी इस फिल्म का नाम गांधारी है। जिसके सेट से एक्ट्रेस ने कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। जिसमें वह स्टार कास्ट के साथ नजर आ रही हैं। तापसी ने लिखा... हे प्रभु, मेरी प्रार्थना स्वीकार करो। मैं कभी भी अच्छे कर्म करने से विमुख न हो जाऊं। युद्ध में जाते समय मुझे शत्रुओं का भय न रहे और मैं दृढ़ निश्चय के साथ विजय हो जाऊं। मैं अपने मन को केवल आपके गुणगान करने की शिक्षा दूं। जब समय आए तो युद्ध के मैदान में वीरतापूर्वक लड़ते हुए मर जाऊं। इसका निर्देशन कनिका ढिल्लों कर रही हैं। यह कनिका और तापसी के बीच छठी साझेदारी है। गांधारी में तापसी काली बनकर दुष्टों का संहार करते दिखेंगी। वह फिल्म में एक मां की भूमिका में नजर आएंगी। नाम शबाना और बेबी वह फिर एक्शन करेंगी।

आमिर खान और दिलजीत के साथ बॉलीवुड डेब्यू करना चाहती है अहसास चन्ना

अहसास चन्ना, जिन्होंने एक बाल कलाकार के रूप में अभिनय की दुनिया में कदम रखा उन्होंने वेब सीरीज और शॉर्ट फिल्मों में शानदार अभिनय करते हुए लोगों का दिल जीता है। हाल ही में अभिनेत्री ने आमिर खान और दिलजीत दोसांझ के साथ बॉलीवुड में डेब्यू करने की इच्छा जाहिर की है। अभिनय से ब्रेक लेने के बारे में अपने विचार साझा करते हुए कहा कि उनका कभी भी इंडस्ट्री से गायब होने का इरादा नहीं था। एक बातचीत में उन्होंने फिल्म निर्माता इम्तियाज अली या करण जौहर के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने की इच्छा जताई। अभिनेत्री ने कहा, मैं आमिर खान के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करना चाहती हूं, मैं उन्हें एक अभिनेता के रूप में वास्तव में पसंद करती हूं।

ऋत्विक धनजानी की जिंदगी में हुई प्यार की एंट्री?

झऋत्विक धनजानी टीवी के जाने माने अभिनेता हैं और अपनी होस्टिंग को लेकर चर्चा में रहते हैं। ऋत्विक धनजानी और आशा नेगी की जोड़ी दर्शकों के बीच काफी फेमस थी। हालांकि, कुछ समय के बाद दोनों का रिश्ता खत्म हो गया था। अब फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी है, ऐसा लगता है कि ऋत्विक धनजानी के जिंदगी में अब प्यार की एंट्री हो गई है। अभिनेता ने क्रिस्टल डिसूजा के साथ अपने सोशल मीडिया हैंडल पर कई तस्वीरें साझा की है। फैंस को लगता है कि अभिनेता अब क्रिस्टल डिसूजा को डेट कर रहे हैं।

बॉलीवुड में बदलाव चाहते हैं वरुण धवन

वरुण धवन को बॉलीवुड में आए एक दशक से ज्यादा हो गया है। हाल ही में एक इंटरव्यू में अभिनेता ने कहा कि बॉलीवुड को नए सिरे से बदलाव की सख्त जरूरत है। उन्होंने अपनी चिंताएं व्यक्त कीं और आश्चर्य जताया कि क्या सत्ता में बैठे लोग वास्तव में इस जरूरत को समझते हैं। साक्षात्कार में उन्होंने यह भी कहा कि सुपरस्टार शाहरुख खान और सलमान खान समझ गए हैं कि चीजें कैसे बदल गई हैं।

इंडस्ट्री में नए लोगों की जरूरत

वरुण ने बॉलीवुड के परिदृश्य के बारे में बात की और इस क्षेत्र में और अधिक आवाजों के आने की जरूरत के बारे में बात की। उन्होंने साझा किया कि सत्ता में बैठे लोगों को खुद को फिर से तलाशने की जरूरत है। उन्होंने कहा, हम सभी को आगे बढ़ना होगा। जो लोग अभी शक्तिशाली पदों पर हैं, उनकी एक आयु सीमा होती है, जो लोग सालों से एक ही काम कर रहे हैं। वे केवल शीर्ष पर हैं।

सभी बड़े सितारों को बदलाव की जरूरत

उन्होंने आगे कहा, मुझे यकीन नहीं है कि वे इसे पहचानते हैं या नहीं, लेकिन समय के साथ बदलाव करना महत्वपूर्ण है। हम सभी को ऐसा करना होगा, जिसमें मैं भी शामिल हूं। यह मुश्किल है, क्योंकि आप बदलाव नहीं चाहते हैं। आने वाले सितारे या जो अभी भी महत्वाकांक्षी हैं, उनके पास ये मंडलियां हैं, लेकिन जो पहले से ही उस मुकाम पर हैं, उनके आस-पास ये लोग नहीं हैं। शाहरुख खान, सलमान खान, आमिर खान जैसे सितारे, वे भ्रमित नहीं हैं। वे जानते हैं कि क्या हो रहा है।

इंडस्ट्री में प्रवेश करना मुश्किल

वरुण को लगता है कि इंडस्ट्री में अलग-अलग और नई प्रतिभाओं की जरूरत है। उन्होंने आश्चर्य जताया कि आजकल ऐसा क्यों नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में प्रवेश करना थोड़ा कठिन हो गया है, क्योंकि लोगों के पास तलाशने और यह तय करने के लिए कई विकल्प हैं कि वे अभिनेता बनना चाहते हैं या प्रभावशाली व्यक्ति या ओटीटी का रास्ता अपनाना चाहते हैं। वहीं, वरुण धवन अगली बार बेबी जॉन में नजर आएंगे, जो 25 दिसंबर को रिलीज होगी।

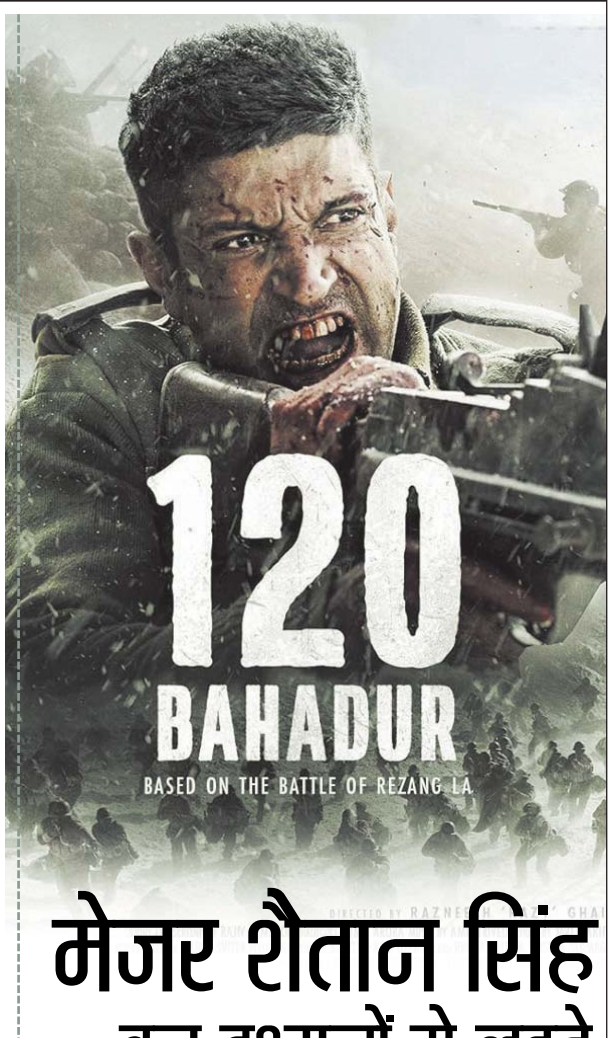

मेजर शैतान सिंह बन दुश्मनों से लड़ते दिखेंगे फरहान अख्तर

बॉलीवुड अभिनेता फरहान अख्तर इन दिनों कई फिल्मों के निर्माण को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस बीच वे 120 बहादुर को लेकर भी चर्चा में बने हुए हैं, जिसमें वे खुद अभिनय करते नजर आएंगे। कुछ समय पहले फिल्म का पहला पोस्टर जारी हुआ था। फिल्म को लेकर प्रशंसक भी काफी उत्साहित हैं। वहीं, अब आखिरकार फिल्म की रिलीज की तारीख का भी एलान हो गया है।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर की एक्सेल एंटरटेनमेंट ने अमित चंद्रा के ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज के साथ मिलकर 120 बहादुर की रिलीज की तारीख की घोषणा की है, जो 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म मेजर शैतान सिंह भाटी पीवीसी और चार्ली कंपनी, 13 कुमाऊं रेजिमेंट के सैनिकों को श्रद्धांजलि है। 1962 के भारत-चीन युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित 120 बहादुर रेजांगला युद्ध की कहानी दिखाएगी, जहां बहादुरी और बलिदान ने इतिहास रच दिया था।

फिल्म में फरहान अख्तर का किरदार

फिल्म की पहली घोषणा के बाद से ही फैंस के बीच उत्सुकता लगातार बढ़ती जा रही है, जिसे इसके दमदार फर्स्ट लुक और मोशन पोस्टरों ने और भी बढ़ा दिया है। फरहान अख्तर कई तरह के मजबूत और प्रेरक किरदार निभाने के लिए मशहूर हैं। अब वह मेजर शैतान सिंह भाटी पीवीसी की भूमिका निभा रहे हैं। वह फिल्म में मेजर के साहस और नेतृत्व की कहानी बताएंगे।

फिल्म का दमदार पोस्टर

रजनीश रजी घई द्वारा निर्देशित और एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित 120 बहादुर का उद्देश्य भारत के सैन्य नायकों की अटूट बहादुरी को श्रद्धांजलि देना है। फिल्म के पोस्टर में फरहान अख्तर हाथों में बंदूक थामे दमदार अंदाज में नजर आ रहे हैं। फरहान अख्तर इस फिल्म के निर्माता भी हैं। वे रितेश सिधवानी और अमित चंद्रा के साथ मिलकर इस फिल्म को बना रहे हैं।

वामिका के बाद अक्षय की भूत बंगला में हुई तब्बू की एंट्री?

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आगामी बहुचर्चित हॉरर-कॉमेडी फिल्म को लेकर कमर कस चुके हैं। फिल्म की शूटिंग लगातार जारी है। जानिए इस फिल्म में अक्षय के अपोजिट कौन सी अभिनेत्री नजर आएंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, निर्देशक प्रियदर्शन की आगामी फिल्म भूत बंगला में अक्षय कुमार संग तब्बू को जोड़ी नजर आ सकती है। अगर ऐसा होता है तो तब्बू करीब 13 साल बाद अक्षय कुमार और प्रियदर्शन के साथ इस फिल्म में काम करेंगी। इससे पहले दोनों ने साल 2000 में एक साथ फिल्म हेरा फेरी में काम किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हॉरर-कॉमेडी फिल्म में तब्बू महत्वपूर्ण भूमिका निभाती नजर आएंगी। तब्बू को फिल्म में उनका किरदार और स्क्रिप्ट दोनों काफी पसंद आए हैं। तब्बू इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं। भूत बंगला 2026 को रिलीज होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा तब्बू, परेश रावल, वामिका गब्बी, राजपाल यादव और असरानी नजर आएंगे। फिल्म भूत बंगला की शूटिंग लगातार जारी है। हो सकता है कि फिल्म की शूटिंग अप्रैल, 2025 तक खत्म हो जाएगी। फिल्म भूत बंगला की शूटिंग को लेकर अक्षय कुमार ने पहले सूचना दी थी। इसके साथ ही अक्षय ने फिल्म की रिलीज डेट से भी पर्दा उठाया था। अक्षय ने फिल्म के पोस्टर के साथ फिल्म की रिलीड डेट 2 अप्रैल, 2026 का खुलासा भी किया था। भूत बंगला के दो पोस्टर अभी तक सामने आ चुके हैं। भूत बंगला के दूसरे पोस्टर में अक्षय गेट किपर की तरह हाथ में लालटेन थामे नजर आए। तो वहीं फिल्म के पहले पोस्टर में अक्षय ब्लू सूट-व्हाइट शर्ट और रेड टाई में हाथ में दूध का कटोरा लिए और दूध को चाटते हुए नजर आए थे। उनके बगल में एक खतरनाक बिल्ली भी नजर आई। भूत बंगला से पहले भी प्रियदर्शन के फिल्म भूत बंगला से पहले अक्षय प्रियदर्शन के साथ कई फिल्मों में काम कर चुके हैं। इस लिस्ट में भागम भाग, भूल भुलैया, दे दना दन, हेरा फेरी शामिल हैं। फिल्म भूत बंगला का निर्देशन प्रियदर्शन कर रहे हैं और इसका निर्माण शोभा कपूर, एकता कपूर और अक्षय कुमार का प्रोडक्शन हाउस केप ऑफ गुड फिल्म्स के अंतर्गत किया जा रहा है। फिल्म की कहानी आकाश ए कोशिक ने लिखी है। फिल्म के डायलॉग रोहन शंकर ने लिखे हैं।

सोनू सूद ने 'हिटमैन' को बताया 'दिल्ली वालों' का गाना

फिल्म इंडस्ट्री के वर्सेटाइल अभिनेता सोनू सूद अपनी पहली निर्देशित फिल्म 'फतेह' के प्रमोशन में जुटे हैं। वह यो यो हनी सिंह के साथ दिल्ली पहुंचे, जहां उन्होंने बताया कि फिल्म का गाना 'हिटमैन' दिल्ली वालों के लिए एक तोहफा है और यह गाना दिल्ली वालों के लिए ही है। फिल्म के प्रमोशन के लिए दिल्ली पहुंचे अभिनेता ने कहा, दो पंजाबी लड़के, एक शानदार गाना और एक ऐसा शहर जो पार्टी करना जानता है। इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। 'हिटमैन' को दिल्ली लाना इसे घर लाने जैसा लगा। इस शहर का एनर्जी और म्यूजिक के प्रति प्यार बेजोड़ है। सोनू सूद ने कहा, हनी और मैं दिल्ली वालों को एक ऐसा गाना देना चाहते थे जिसे वे अपना सकें। दिल्ली वालों को हमारे साथ डांस करते, खुश होते और जश्न मनाते देखना शानदार रहा। यह तो बस शुरुआत है, पार्टी और भी बड़ी होने वाली है। पीवीआर प्लाजा, कनॉट प्लेस में आयोजित एक ग्रैंड इवेंट में सोनू सूद और हनी सिंह की जोड़ी ने अपने खास अंदाज और पंजाबी पावर के साथ गाने पर परफॉर्म किया और दिल्ली के रंग में रंगे नजर आए।

हनी सिंह ने कहा, मैं हिटमैन को पसंद करने और इसे हिट सॉन्ग बनाने के लिए अपने प्रशंसकों को धन्यवाद देना चाहता हूं। सोनू सर और दिल्ली के लोगों के साथ इस पर थिरकना 2024 का जश्न मनाने का सबसे सही तरीका है। हमने दिल्ली में अद्भुत समय बिताया और इस दौरान यहां पर हमने जो एनर्जी महसूस की वह अविश्वसनीय थी। यह गाना उन सभी के लिए है जो डांस फ्लोर पर धूम मचाने के लिए तैयार हैं। नए साल के लिए आपको गाना मिल चुका है।

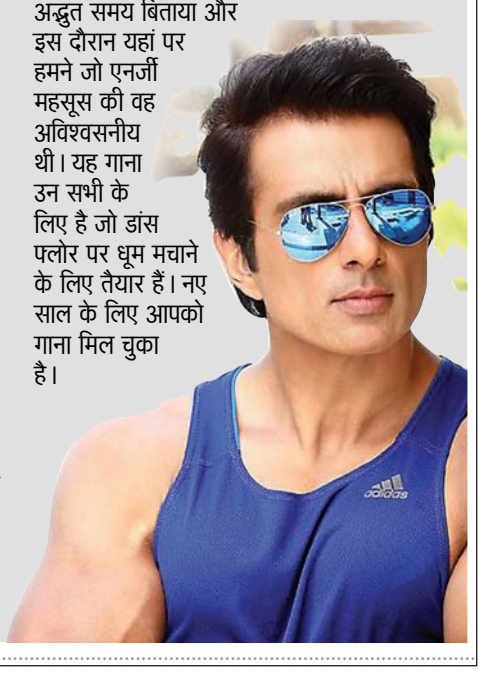

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आधिकारिक शेड्यूल जारी, जानें कब होगा भारत-पाक मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने मंगलवार को आखिरकार चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आधिकारिक शेड्यूल घोषित कर दिया। हाइब्रिड मॉडल में आयोजित होने वाले इस एलीट टूर्नामेंट की शुरुआत 19 फरवरी को कराची में पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच मैच से होगी। भारत अपने सभी मैच दुबई में खेलेगा और चैंपियंस ट्रॉफी का अपना पहला मैच 20 फरवरी को दुबई में खेलेगा।

आठ प्रतिस्पर्धी टीमों को दो समूहों में विभाजित किया गया है। ग्रुप ए में पाकिस्तान, भारत, न्यूजीलैंड, बांग्लादेश हैं जबकि ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान, इंग्लैंड हैं। भारत 23 फरवरी को दुबई में पाकिस्तान से खेलेगा। द्वुष्ष्ट ने कहा कि 8 टीमों के इस टूर्नामेंट में 15 मैच होंगे और ये मैच पाकिस्तान और दुबई में खेले जाएंगे। पाकिस्तान में रावलपिंडी, लाहौर और कराची तीन स्थान होंगे जहां टूर्नामेंट खेला जाएगा। प्रत्येक पाकिस्तानी स्थल पर तीन-तीन ग्रुप गेम खेले जाएंगे, जिसमें लाहौर दूसरे सेमीफाइनल की मेजबानी करेगा।

लाहौर 9 मार्च को फाइनल की मेजबानी भी करेगा, जब तक कि भारत क्वालीफाई नहीं कर लेता। भारत के फाइनल में क्वालीफाई के बाद यह दुबई में खेला जाएगा।

सेमीफाइनल और फाइनल दोनों में रिजर्व दिन होंगे। भारत के तीन ग्रुप मैच और पहला सेमीफाइनल दुबई में खेला जाएगा।

ग्रुप

ग्रुप ए : पाकिस्तान, भारत, न्यूजीलैंड, बांग्लादेश
ग्रुप ए : दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान, इंग्लैंड

चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम का शेड्यूल

20 फरवरी, बांग्लादेश बनाम भारत, दुबई
23 फरवरी, पाकिस्तान बनाम भारत, दुबई
2 मार्च, न्यूजीलैंड बनाम भारत, दुबई

चैंपियंस ट्रॉफी का पूरा शेड्यूल

19 फरवरी, पाकिस्तान बनाम न्यूजीलैंड, कराची, पाकिस्तान
20 फरवरी, बांग्लादेश बनाम भारत, दुबई
21 फरवरी, अफगानिस्तान बनाम दक्षिण अफ्रीका, कराची, पाकिस्तान
22 फरवरी, ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड, लाहौर, पाकिस्तान
23 फरवरी, पाकिस्तान बनाम भारत, दुबई
24 फरवरी, बांग्लादेश बनाम न्यूजीलैंड, रावलपिंडी, पाकिस्तान
25 फरवरी, ऑस्ट्रेलिया बनाम दक्षिण अफ्रीका, रावलपिंडी, पाकिस्तान
26 फरवरी, अफगानिस्तान बनाम इंग्लैंड, लाहौर, पाकिस्तान
27 फरवरी, पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश, रावलपिंडी, पाकिस्तान
28 फरवरी, अफगानिस्तान बनाम ऑस्ट्रेलिया, लाहौर, पाकिस्तान
1 मार्च, दक्षिण अफ्रीका बनाम इंग्लैंड, कराची, पाकिस्तान
2 मार्च, न्यूजीलैंड बनाम भारत, दुबई
4 मार्च, सेमीफाइनल 1, दुबई
5 मार्च, सेमीफाइनल 2, लाहौर, पाकिस्तान
9 मार्च, फाइनल, लाहौर (भारत के क्वालीफाई करने पर दुबई में)
10 मार्च, रिजर्व डे

आधुनिक समय के महान खिलाड़ी अपना रास्ता खुद बनाते हैं : रोहित ने कोहली का समर्थन किया

मेलबर्न (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया में ऑफ स्टंप के बाहर की गेंदों पर विराट कोहली के संघर्ष को लेकर चिंताओं को ज्यादा तवज्जो नहीं देते हुए टीम में लंबे समय के अपने साथी का पूर्ण समर्थन करते हुए मंगलवार को कहा, 'आधुनिक समय के महान खिलाड़ी अपने रास्ते को खुद तय कर लेते हैं।'

ऑस्ट्रेलिया के इस दौरे पर कोहली ने पांच पारियों में 5, 100 नाबाद, 7, 11 और तीन रन बनाए है। इस दौरान उनका औसत 31.50 रन का रहा है। खुद भी खराब दौर से गुजर रहे रोहित को लय हासिल करने की उम्मीद है। जब उनसे कोहली के संघर्षों के बारे में सवाल पूछा गया तो चेहरे पर मुस्कान के साथ इसका जवाब दिया।

जब एक पत्रकार ने रोहित से पूछा कि खराब दौर से गुजर रहे मौजूदा युग के किसी महान खिलाड़ी को आप सलाह देना पसंद करेंगे या उनके हालात पर छोड़ देंगे। भारतीय कप्तान ने कहा, 'आप ने ही कहा कि वह मौजूदा दौर के महान खिलाड़ी है। मौजूदा दौर के महान खिलाड़ी अपना रास्ता खुद तय कर लेते हैं।'

कोहली एमसीजी में नेट अभ्यास सत्र में भाग लेने वाले सबसे शुरुआती बल्लेबाजों में से एक थे और रोहित प्रमुख बल्लेबाजों में सबसे आखिरी में अभ्यास करने पहुंचे। भारतीय कप्तान ने आखिरी 20 मिनट में सिर्फ दो शॉट खेले और बाकी गेंदों को विकेट के पीछे जाने दिया। वह गेंद पर आक्रमण करने की अपनी नैसर्गिक प्रवृत्ति को नियंत्रित करने की कोशिश करते दिखे।'

अभ्यास के दौरान रोहित गेंदबाजों खासकर हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा से चौथे स्टंप की लाइन में गेंदबाजी करने को कहा। इस दौरान वहां लगभग 500 की संख्या में मौजूद प्रशंसकों में से किसी ने कहा, 'रोहित भाई पुल मारो ना।' रोहित से जब उनकी बल्लेबाजी क्रम के बारे में पूछा गया तो उन्होंने थोड़ा चिढ़ते हुए कहा, 'इसके बारे में चिंता न करें। मुझे लगता है कि कौन कहां बल्लेबाजी करेगा इस बारे में हमें टीम के अंदर चर्चा करनी चाहिए। मुझे हर संवाददाता सम्मेलन में इस सवाल का जवाब नहीं देना चाहिए।'

टीम में अक्षर पटेल और कुलदीप यादव की जगह तनुष कोटियान के चयन के बारे में पूछे जाने पर भारतीय कप्तान ने एक बार फिर चुटिले अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने चेहरे पर बड़ी मुस्कान के साथ कहा, 'कुलदीप के पास वीजा नहीं है।' रोहित ने फिर बताया कि कुलदीप चोट से पूरी तरह से उबरे नहीं है। उन्होंने कहा, 'अक्षर अभी पिता बने हैं। मैं यह नहीं कह रहा हूं तनुष बुरा गेंदबाज है लेकिन वह यहां विकल्प के तौर पर है।' पांच मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबरी पर है और इसके आखिरी दो मैच मेलबर्न और सिडनी में होंगे।

बेन स्टोक्स 3 महीने के लिए क्रिकेट से रहेंगे दूर, न्यूजीलैंड के खिलाफ चोट के कारण होगी सर्जरी

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स को बाएं हैमस्ट्रिंग की सर्जरी करानी होगी और वे कम से कम तीन महीने तक क्रिकेट के सभी प्रारूपों से बाहर रहेंगे। रिपोर्ट के अनुसार 33 वर्षीय स्टोक्स को इस महीने की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन गेंदबाजी करते समय चोट लगी थी। इस साल यह दूसरी बार है जब स्टोक्स की बाएं हैमस्ट्रिंग में चोट लगी है, इससे पहले अगस्त में द हंड्रेड में खेलते समय भी उन्हें यही चोट लगी थी।

इंग्लैंड ने कहा कि डरहम के ऑलराउंडर स्टोक्स की जनवरी में सर्जरी होगी। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने जारी एक बयान में कहा है कि बेन स्टोक्स जनवरी में हैमस्ट्रिंग की सर्जरी करवाएंगे। इसके बाद वह रिहैब की प्रक्रिया के कारण कम से कम तीन महीने के लिए क्रिकेट से दूर रहेंगे।

स्टोक्स ने एक्स पर पोस्ट किया, 'मेरे पास अभी बहुत कुछ बचा है और अपनी टीम और इस शर्ट के लिए मुझे बहुत खून, पसीना और आंसू बहाने हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'एक कारण है कि मेरे शरीर पर हमेशा के लिए फीनिक्स का टैटू गुदवा लिया गया है।' चोट के कारण स्टोक्स को भारत के व्हाइट-बॉल दौरे और जनवरी और फरवरी में चैंपियंस ट्रॉफी के लिए इंग्लैंड की टीम में शामिल नहीं किया गया था। उन्हें जनवरी में दक्षिण अफ्रीका की फ्रैंचाइजी टी20 लीग SA20 में MI केप टाउन के लिए खेलना था, लेकिन अब वे टूर्नामेंट से बाहर हो जाएंगे।

स्टोक्स काउंटी चैंपियनशिप के पहले दौर के लिए फिर से फिट होने का लक्ष्य रखेंगे, जिसमें 4 अप्रैल को डरहम का सामना नॉटिंघमशायर से ट्रेंट ब्रिज में होगा, हालांकि यह सर्जरी से उनकी रिकवरी पर निर्भर करेगा। स्टोक्स ने अपने करियर को लंबा करने के लिए मार्च से मई तक होने वाली 2025 इंडियन प्रीमियर लीग की नीलामी में प्रवेश करने से इनकार कर दिया।

बाहर की गेंद छोड़कर: मैथ्यू हेडन ने भी दे दी विराट कोहली को सलाह

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज मैथ्यू हेडन ने विराट कोहली से सिडनी में सचिन तेंदुलकर की अनुशासित पारी से प्रेरणा लेने और बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के शेष दो टेस्ट मैच में फॉर्म हासिल करने के लिए ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद पर प्रहार करने की अपनी प्रवृत्ति पर लगाम लगाने को कहा है। कोहली ने अपनी पिछली पांच पारियों में 05, नाबाद 100, 07, 11 और 03 रन के स्कोर से 31.50 की औसत से केवल 126 रन बनाए हैं।

हेडन ने कहा कि शानदार जीत हो सकती थी, हार हो सकती थी, स्पिन के अनुकूल हालात हो सकते थे, मेरा मतलब है, आप सैकड़ों अलग-अलग क्षेत्रों की सूची बना सकते हैं, जहां विराट कोहली ने अपने शानदार करियर के दौरान बल्लेबाजी की होगी। उन्होंने कहा कि लेकिन मेलबर्न में उसे बल्लेबाजी के लिए अच्छा विकेट मिलेगा। उन्हें बस इतना करना है कि क्रीज पर बने रहने का तरीका खोजना है। ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद पर प्रहार करने से बचना होगा। और मेरा सुझाव है - वह थोड़ा और गेंद की लाइन में आएं और सीधे शॉट खेलने का प्रयास करें।

हेडन ने 2004 के सिडनी टेस्ट के दौरान तेंदुलकर की नाबाद 241 रन की ऐतिहासिक पारी का उदाहरण देते

हुए बताया कि कैसे आत्मसंयम से चीजें बदल सकती हैं। उन्होंने कहा कि मुझे पता है कि उसके (कोहली) पास एक शानदार कवर ड्राइव है लेकिन सचिन तेंदुलकर के पास भी था और उसने इसे एक दिन के लिए दूर रखा। मैं गली में खड़ा होकर सोच रहा था कि यह शानदार, जिद्द से भरी बल्लेबाजी है। तेंदुलकर ने 2004 के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान खराब फॉर्म से जूझते हुए क्रीज पर बिताए 613 मिनटों के दौरान अपने ऑफ-साइड ड्राइव से पूरी तरह बचते हुए उल्लेखनीय आत्मसंयम और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया।

बल्लेबाजी के दौरान क्रीज पर शुरुआती आधे घंटे सतर्क रहे : गावस्कर की पंत को सलाह

मेलबर्न । महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के शेष दो टेस्ट मैचों में आक्रामक स्ट्रोक खेलने से पहले परिस्थितियों का 'सम्मान' करने की सलाह दी है। ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरे पर गाबा में मैच जिताऊ पारी खेलने के साथ भारत की श्रृंखला जीत के नायकों में शामिल रहे पंत मौजूदा दौरे पर अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित करने में नाकाम रहे हैं। इस 27 साल के खिलाड़ी ने अब तक तीन टेस्ट मैचों की पांच पारियों में 37, एक, 21, 28 और नौ का स्कोर बनाया है। अपने आक्रामक रवैये के लिए जाने जाने वाले पंत ज्यादातर मौके पर मैच की स्थिति की परवाह किए बिना आक्रामक शॉट खेलने को प्राथमिकता दी है। पांच मैचों की मौजूदा श्रृंखला में एडीलेड में खेले गये दिन-रात्रि टेस्ट में अपनी पारी की पहली ही गेंद पर तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड के खिलाफ आक्रामक शॉट खेलने के उनके साहसिक फैसले ने काफी ध्यान आकर्षित किया था। गावस्कर ने कहा, 'ऋषभ पंत को वही करने की जरूरत है जो सभी के लिए जरूरी है। शुरुआती आधे घंटे का सम्मान करें। क्रीज पर पहुंचने के बाद चाहे जैसी भी परिस्थिति हो सावधानी से बल्लेबाजी करते हुए थोड़ा समय बिताये। अगर भारतीय टीम का स्कोर तीन विकेट पर 525 रन के आसपास हो तो वह अपने तरीके से बल्लेबाजी कर सकते हैं।' पंत के लिए ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों की चुनौती के बारे में उन्होंने कहा, 'वे एक कोण से गेंदबाजी करते है। पैट कमिंस और यहां तक कि (जोश) हेजलवुड भी ऐसी गेंदों से उन्हें परेशान करते हैं। स्कॉट बोलैंड से उन्हें थोड़ी परेशानी होगी क्योंकि बोलैंड भी उस क्षेत्र के आसपास गेंदबाजी करते हैं।'

खेल रत्न विवाद पर मनु भाकर ने चुप्पी तोड़ी, नामांकन दाखिल करने में मेरी तरफ से चूक हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक की दोहरी कांस्य पदक विजेता मनु भाकर ने खेल रत्न पुरस्कार विजेताओं की सूची से उन्हें बाहर रखे जाने को लेकर उठे विवाद के बीच मंगलवार को स्वीकार किया कि इस साल के राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों के लिए नामांकन दाखिल करते समय शायद उनकी ओर से कोई चूक हुई है।

खेल मंत्रालय ने नुकसान की भरपाई के लिए कदम उठाते हुए कहा था कि पुरस्कार के लिए नामांकन की सूची को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है जिसके एक दिन बाद 22 वर्षीय स्टार पिस्टल निशानेबाज ने देश के सर्वोच्च खेल पुरस्कार के लिए नामांकन नहीं मिलने पर सोशल मीडिया पर अपनी स्थिति स्पष्ट की। मनु ने 'एक्स' पर लिखा, 'सबसे प्रतिष्ठित खेल रत्न पुरस्कार के लिए मेरे नामांकन को लेकर चल रहे मुद्दे के संबंध में मैं यह कहना चाहूंगी कि एक खिलाड़ी के रूप में मेरी भूमिका अपने देश के लिए खेलना और प्रदर्शन करना है।'

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि नामांकन दाखिल करते समय शायद मेरी ओर से कोई चूक हुई है जिसे ठीक किया जा रहा है।' हरियाणा की इस निशानेबाज ने कहा कि उनका लक्ष्य देश के लिए प्रदर्शन करना है और इसमें बदलाव नहीं आएगा, फिर चाहे उन्हें पुरस्कार मिले या नहीं। इससे पहले उनके निजी जसपाल राणा और पिता रामकिशन भाकर ने खेल मंत्रालय और चयन समिति पर उनकी शानदार उपलब्धियों के बावजूद उन्हें नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'पुरस्कार और मान्यता मुझे प्रेरित करते हैं, लेकिन ये मेरा लक्ष्य नहीं हैं।'

मनु ने कहा, 'पुरस्कार मिले या नहीं, मैं अपने देश के लिए और अधिक पदक जीतने के लिए प्रेरित रहूंगी। सभी से अनुरोध है कि कृपया इस पर अटकलें न लगाएं।' राणा और रामकिशन ने खेल मंत्रालय और चयन समिति पर उनकी शानदार उपलब्धियों के बावजूद उन्हें नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। हालांकि खेल मंत्रालय के अनुसार सूची को अभी अंतिम रूप दिया जाना बाकी है।

खेल मंत्रालय ने कहा कि कुछ दिनों में जब नामों का खुलासा होगा तो उनका नाम उसमें शामिल होने की संभावना है। विश्वसनीय रूप से पता चला है कि पुरुष हॉकी कप्तान हरमनप्रीत सिंह और पैरालंपिक स्वर्ण विजेता ऊंची कूद खिलाड़ी प्रवीण कुमार को खेल रत्न के लिए चुना गया है। इसके अलावा 30 अर्जुन पुरस्कार विजेताओं के नाम शामिल है जिसमें 17 पैरा खेलों से हैं।

पुरस्कार चयन समिति के अध्यक्ष उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति वी रामसुब्रमण्यम हैं और इसमें पूर्व महिला हॉकी कप्तान रानी रामपाल, मुक्केबाज विजेंदर सिंह और पूर्व महान क्रिकेटर अनिल कुंबले भी शामिल हैं। समिति को उन लोगों के नाम पर विचार करने का अधिकार है जिन्होंने आवेदन किया हो। लेकिन यदि आवश्यक हो

तो समिति उन नामों पर चर्चा करने के लिए भी अधिकृत है जो उस सूची में शामिल नहीं हैं। मनु ओलंपिक के एक ही सत्र में दो पदक जीतने वाली स्वतंत्र भारत की पहली खिलाड़ी हैं। उन्होंने पेरिस में 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम (सरबजोत सिंह के साथ) स्पर्धाओं में कांस्य पदक जीते।

सीनियर महिला वन-डे ट्रॉफी : शेफाली के शतक के बाद भी हारी हरियाणा

मुम्बई । शैफाली वर्मा की 197 रनों की शानदार पारी के बाद भी उनकी टीम को सीनियर महिला वन-डे ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में बंगाल के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में शेफाली ने 115 गेंदों पर 11 छक्के, 22 चौके लगाकर 197 रन बनाये। शैफाली की आक्रामक शतकीय पारी से हरियाणा ने 50 ओवर में 390 रन बना दिये। आजकल भारतीय टीम से बाहर चल रही शैफाली ने अपनी इस पारी से एक बार फिर चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा है। शैफाली ने अब अपनी आतिशी पारी से साबित कर दिया वह उसने लय हासिल कर ली है। शैफाली का टी20ई करियर शानदार रहा है, पर एकदिवसीय में वह अब तक खास उपलब्धि हासिल नहीं कर पायी हैं। साल 2021 में अपने पदार्पण के बाद से उन्होंने 25 मैच खेले हैं पर 23.00 की औसत से केवल 644 रन ही बनाए हैं। 2023 के अंत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में फ्लॉप रही जिसके बाद उन्हें टीम में स्थान गंवाना पड़ा था। शैफाली ने अबतक 85 टी20 मैच खेलकर 2,000 से ज्यादा रन बनाये हैं और 10 अर्द्धशतक लगाये हैं। मैच की बात की जाए तो हरियाणा ने रीमा के 58, शैफाली वर्मा के 197, त्रिवेणी के 46 तो सोनिया के 41 गेंदों पर 61 रनों की बदौलत 389 रन बनाए थे। इसके बाद बंगाल ने भी इसी अंदाज में जवाब दिया। धारा ने 49 गेंदों पर 69 रन जबकि मंडल ने 29 गेंदों पर 52 रन बनाए। इसके बाद टी सरकार ने 83 गेंदों पर 20 चौकों की मदद से 113 रन बनाये। मध्यक्रम में पी बाला ने 81 गेंदों पर 88 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

नए साल में खेली जाएगी एसए-20 क्रिकेट लीग

जोहांसबर्ग,(ईएमएस)। अफ्रीकी क्रिकेट लीग एसए-20 का आयोजन पहले दो सत्र में अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के साथ ही किया गया था पर इस बार यह लीग नए साल में होने वाले टेस्ट मैच के बाद खेली जाएगी। दक्षिण अफ्रीका की राष्ट्रीय टीम में शामिल खिलाड़ी भी इसमें भाग ले सकें। प्रतियोगिता के तीसरे सत्र में भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक भी इसमें खेलेंगे। वह इस लीग में इसमें खेलने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बनेंगे। पूर्व क्रिकेटर ग्रीम स्मिथ ने कहा है कि एसए20 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी लीग बनने की राह पर है। स्मिथ एसए20 लीग के आयुक्त हैं और उनका लीग को इस स्तर तक आने में विशेष योगदान रहा है। स्मिथ ने कहा, ''यह कहना सही नहीं लगता कि आप दुनिया की दूसरे नंबर की लीग बनना चाहते हैं पर सच्चाई यही है कि आईपीएल का कोई जवाब नहीं है। वह अविश्वसनीय टूर्नामेंट है जिसने क्रिकेट को बदल कर रख दिया'' उन्होंने कहा, ''हम भाग्यशाली हैं कि हमने आईपीएल की छह फ्रेंचाइजी को अपनी तरफआकर्षित किया है। हमने एसए20 को आगे बढ़ाने के लिए बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) के साथ मिलकर काम किया। हमें उनसे काफी कुछ सीखने को मिला।'' कार्तिक इस टूर्नामेंट में पार्ल रॉयल्स के लिए खेलेंगे। वह लीग के भारत के दूत भी हैं। उन्होंने कहा कि इस साल की शुरुआत में सभी प्रारूपों से संन्यास लेने के बाद एसए20 सबसे अच्छी प्रतियोगिता थी जिसमें वह भाग ले सकते थे। कार्तिक ने कहा, ''जब मैंने आईपीएल के बाद संन्यास लेने की घोषणा की तो तब भी मैं क्रिकेट खेलना जारी रखना चाहता था। मैं सोच रहा था कि मेरे लिए क्या विकल्प है और इसका पता कैसे करना है क्योंकि मैं कभी किसी अन्य लीग का हिस्सा नहीं रहा।'' उन्होंने कहा, ''मैंने उन खिलाड़ियों से पूछा जो अन्य लीग का हिस्सा रहे हैं और एक बात जो सर्वसम्मति से सामने आई, वह यह थी कि एसए20 अभी आईपीएल के बाद सबसे बेहतर टूर्नामेंट है।

अश्विन की जगह लेंगे तनुष कोटियन

मेजबर्न । भारतीय टीम गुरुवार से यहां मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वोले बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच में एक बड़े बदलाव के साथ उतरेगी। इस मैच में ऑफ स्पिन ऑलराउंडर तनुष कोटियन को आर अश्विन की जगह पर शामिल किया गया है। पहले कहा जा रहा था कि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएंगे पर बाद में तनुष को भेजने की बात सामने आयी। इससे पहले बीसीसी की मेडिकल टीम ने साफ कर दिया था कि शमी चोटिल हैं और वो ऑस्ट्रेलिया दौरे पर नहीं जाएंगे। इसी के साथ बीसीसीआई ने तनुष कोटियन के टीम में शामिल करने की भी पुष्टि कर दी। अश्विन की तरह ही तनुष भी गेंदबाजी के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं। तनुष कोटियन मुंबई की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। उन्होंन भारतीय अंडर 19 टीम से भी खेला है। भारत-ए के हाला के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी वह टीम का हिस्सा थे। इस क्रिकेटर ने आईपीएल 2024 में राजस्थान रॉयल्स के लिए एक मुकाबला भी खेला था हालांकि आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में उन्हें किसी ने नहीं खरीदा था। कोटियन ने 2018-19 के रणजी सत्र के जरिए फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था। उन्होंने अब तक 33 फर्स्ट क्लास मैचों में 25.70 के औसत से 101 विकेट हासिल किए हैं. इस दौरान उन्होंने 3 मौकों पर पारी में 5 विकेट लिए. बल्लेबाजी की बात करें तो तनुष ने 41.21 के औसत से 1525 रन बनाए हैं। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में कोटियन ने 2 शतक और 13 अर्धशतक लगाए हैं। उन्होंने 20 लिस्ट-ए और 33 टी20 मुकाबले भी खेले हैं। लिस्ट-ए मैचों में कोटियन के नाम पर 43.60 की औसत से 20 विकेट दर्ज हैं. वहीं टी20 मैचों में उन्होंने 20.03 के एवरेज से 33 विकेट लिए हैं।

15 साल के ग्रांड मास्टर सव्वा बने 11वें सनवे सिट्जस इंटरनेशनल शतरंज के विजेता

सिट्जस (एजेंसी)। लंबे समय तक शतरंज का सरताज रहे रूस को अगली पीढ़ी का नया सितारा मिलता नजर आ रहा है। 15 वर्षीय ग्रांड मास्टर सव्वा वेटोखिन नें 11वें सनवे सिट्जस इंटरनेशनल शतरंज का खिताब टाईब्रेक मुक़ाबले में इज़राइल के इदों गोर्शटेन को पराजित करते हुए यह प्रतिष्ठित खिताब हासिल किया 15 वर्षीय सव्वा इस ख़िताबी जीत के साथ अब लाइव रेटिंग में 2550 के करीब पहुँच गए है। 10 राउंड के इस टूर्नामेंट में 10 क्लासिकल राउंड के बाद फीडे के झंडे तले खेल रहे सव्वा और इज़राइल के इदों के बीच 8 अंको पर पहले और दूसरे स्थान के लिए टाई था जबकि तीसरे स्थान के लिए 7.5 अंको पर 6 खिलाड़ियों के बीच जिसमें भारत के इलामपारथी भी शामिल थे के बीच टाईब्रेक मुक़ाबला खेला गया। प्रतियोगिता के नियमों के अनुसार इन खिलाड़ियों के बीच टाईब्रेक को तोड़ने के लिए ब्लिट्ज़ मुक़ाबले खेले गए।

पहले स्थान के लिए हुए टाईब्रेक में सव्वा नें 1.5-0.5 के अंतर से जीत दर्ज करते हुए पहला स्थान हासिल किया, उन्होने पहला मुक़ाबला जीता जबकि दूसरा मुक़ाबला ड्रॉ खेलते हुए ख़िताबी विजय सुनिश्चित की। सव्वा के खेल जीवन का अब तक का यह सबसे बड़ा ख़िताब है। चेसबेस इंडिया से बातचीत करते हुए सव्वा नें कहा की आठवें राउंड में उनकी टॉप सीड आलेक्सींकों किरिल पर जीत उनके लिए बेहद खास रही और वह भविष्य में गुकेश की तरह विश्व चैम्पियन बनना चाहते है।

तीसरे स्थान के लिए टाईब्रेक के मुक़ाबले में चीन के ली डी नें सिंगापुर के टिन जिंगायों को पराजित करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया, सव्वा को 5000 यूरो, इदों को 3000 यूरो और ली डी को 1500 यूरो का पुरुष्कार मिला। साथ ही सव्वा का नाम टूर्नामेंट की प्रतिष्ठित ट्रॉफी में भी विजेता के तौर पर शामिल किया गया और यह काम खुद उनसे ही कराया गया।

शीर्ष 10 खिलाड़ियों में महदी घोलामी ईरान, जुलेस मोस्सार्ड और मार्क अंदरिया फ्रांस, भारत के इलामपारथी, जॉर्जिया के लूका किलद्ज़े और आस्ट्रिया के किरिल आलेक्सींकों शामिल रहे।

ईरान की मोबिना अलिनासेब नें सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का खिताब अपने नाम किया।

छात्र यहां बसने की उम्मीद लेकर ना आएं : कनाडा

ओटावा । कनाडा के इमिग्रेशन मिनस्टर ने भी एक बयान में कहा है कि स्टडी वीजा पर आने वाले छात्र यहां बसने की उम्मीद लेकर ना आएं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय, साइमन फ्रेजर विश्वविद्यालय और विक्टोरिया विश्वविद्यालय जैसे प्रमुख संस्थानों का कहना है कि उनके अंतरराष्ट्रीय छात्र नामांकन स्तर पहले से ही 30 प्रतिशत की सीमा से नीचे हैं। ऐसे में नई गाइडलाइन से उन पर कोई सीधा प्रभाव नहीं पड़ेगा। हालांक क्रांटलेन पॉलिटेक्निक विश्वविद्यालय ने 2023-24 शैक्षणिक वर्ष के लिए अपने 36 प्रतिशत नामांकन के साथ नई सीमा को पार कर लिया है। इस महीने प्रभावी होने वाले दिशानिर्देशों में आगामी वर्ष से तय समय सीमा को फॉलो करना होगा। कनाडा सरकार वर्तमान में तेजी से जनसंख्या वृद्धि के बीच आप्रवासन को धीमा करने के प्रयास में विदेशी छात्रों के लिए दीर्घकालिक वीजा जारी करने की भी समीक्षा कर रही है। इमिग्रेशन मिनस्टर मार्क मिलर ने विदेशी छात्रों की संख्या को घरेलू बाजार की मांग के अनुपात में रखने पर जोर दिया है। कनाडा की नीति शिक्षित आप्रवासियों और छात्रों का स्वागत करने की रही है लेकिन हालिया समय में उसकी नीति में बदलाव आया है। मंत्री मिलर इस बात पर जोर दे रहे हैं कि स्टडी वीजा को कनाडा में बसने की गारंटी की तरह नहीं देखा जाना चाहिए। स्टडी वीजा पढ़ाई की इजाजत देता है और उसे उसी तरह से देखा जाना चाहिए। बता दें कि कनाडा में विदेशी छात्रों की संख्या को सीमित करने के लिए ब्रिटिश कोलंबिया (बीसी) प्रान्त की सरकार ने नए दिशा निर्देश जारी किए हैं। बीसी सरकार ने सार्वजनिक पोस्ट सेकेंडरी संस्थानों में अंतरराष्ट्रीय छात्र नामांकन को कुल छात्रों के 30 प्रतिशत तक सीमित कर दिया है। पोस्ट सेकेंडरी एजुकेशन एंड स्किल मिनिस्ट्री ने कहा है कि छात्रों के नामांकन की सीमा तय करने का मकसद संस्थानों पर दबाव कम करना है। गाइडलाइन में सार्वजनिक विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को अंतरराष्ट्रीय शिक्षा रणनीतिक योजना प्रस्तुत करनी होगी। कॉलेजों की निगरानी प्रांत के प्रशासन की ओर से की जाएगी।

15 राज्यों के गवर्नर हेरिस के समर्थन में, लोकप्रियता में ट्रंप पिछड़े

न्यूयॉर्क । वर्तमान राष्ट्रपति वाइडेन के चुनाव मैदान से हटने और कमला हैरिस का नाम राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में सामने आने के बाद, अमेरिका की राजनीति में जबरदस्त उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है। कमला हैरिस का नाम सामने आते ही रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप की लोकप्रियता में 10 फ़ीसदी की गिरावट देखी जा रही है। जिन राज्यों से ट्रंप को भारी समर्थन मिल रहा था। उन राज्यों में भी कमला हैरिस का नाम सामने आने के बाद ऑनलाइन सर्वे में ट्रंप की लोकप्रियता में गिरावट आई है। कमला हैरिस को 24 घंटे के अंदर 15 डेमोक्रेटिक गवर्नर तथा 55 सीनेटरों का समर्थन मिला है। राष्ट्रपति पद के लिए कमला हैरिस का नाम सामने आते ही, अब डोनाल्ड ट्रंप को अपनी रणनीति को बदलना पड़ रहा है। डोनाल्ड ट्रंप को कमला हैरिस के पक्ष में जो सहानुभूति की लहर चल रही है। उसका मुकाबला करना पड़ेगा। कमला हैरिस अमेरिका के इतिहास में राष्ट्रपति पद के लिए पहली अश्वेत महिला हैं। अमेरिका की 25 फ़ीसदी आबादी अश्वेत मतदाताओं की है। कमला हैरिस गर्भपात के अधिकार की समर्थक रही हैं। कमला हेरिस अटॉर्नी रह चुकी हैं। वह ट्रंप के क्रिमिनल रिकॉर्ड को चुनावी प्रचार का हथकंडा बनाएंगी। ट्रंप के लिए कमला हेरिस को घेरना अब मुश्किल हो जाएगा।

10 घंटे में 435 करोड़ का चंदा – कमला हैरिस की उम्मीदवारी घोषित होते ही 10 घंटे के अंदर 435 करोड रुपए का चंदा इकट्ठा हुआ। 2020 के चुनाव में एक दिन के अंदर 295 करोड रुपए का रिकॉर्ड चंदा एकत्रित हुआ था। इस बार 10 घंटे में ही 435 करोड रुपए इकट्ठे हो गए।

अमेरिका के फ्लोरिडा का फोर्ड लाडरडेल अरबपतियों का नया पसंदीदा शहर

न्यूयॉर्क । अमेरिका के फ्लोरिडा का फोर्ट लाडरडेल शहर अरबपतियों का नया ठिकाना बन रहा है। फ्लोरिडा के इस शहर में बड़ी संख्या में अरबपति आकर बस रहे हैं। यहां की प्रॉपर्टी में याटपार्क करने की सुविधा है। जैफ बेजोस,कैन ग्रिफिन,लियोनेल मेसी जैसे दिग्गज यहां पर प्रॉपर्टी ले चुके हैं। अन्य अरबपति और ख़रबपति भी यहां प्रॉपर्टी में निवेश कर रहे हैं। पिछले डेढ़ साल में यहां संपत्तियों की कीमतें बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। डेढ़ साल पहले जो बंगला ढाई सौ करोड रुपए का था। अब वह 400 करोड रुपए में बिका है। कहा जा रहा है, अरबपतियों का यह नया गढ़ बन गया है। जिसके कारण आने वाले समय में यहां प्रॉपर्टी की कीमत और भी तेजी के साथ बढ़ेगी।

सऊदी सरकार का फैसला, अब स्थानीय लोगों को दी जाएगी नौकरी, भारतीयों पर मंडराने लगा खतरा

रियाद। सऊदी अरब की सरकार ने नौकरियों में स्थानीय लोगों को ज्यादा मौका देने का फैसला लिया है। सऊदी अरब ने निजी क्षेत्र में 25 फीसदी इंजीनियरिंग नौकरियां स्थानीय लोगों के लिए आरक्षित कर दी हैं। नौकरियों को लोकेलाइज करने का यह फैसला 21 जुलाई से लागू कर दिया गया है। देश के मानव संसाधन और सामाजिक विकास मंत्रालय, नगर निगम और आवास मंत्रालय ने इस संबंध में ये फैसला किया है। स्थानीयकरण का ये फैसला इंजीनियरिंग व्यवसायों में पांच या उससे ज्यादा कामगारों को रोजगार देने वाले निजी प्रतिष्ठानों पर लागू होगा। छोटे प्रतिष्ठानों, जिनमें कर्मचारियों की संख्या चार तक है, वहां ये नियम लागू नहीं होगा। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि ये फैसला कई क्षेत्रों में देश के पुरुष और महिला नागरिकों के लिए रोजगार के ज्यादा अवसर पैदा करेगा। सऊदी के इस फैसले से स्थानीय लोगों को नौकरी मिलने में आसानी होगी। देश में केमिकल इंजीनियर, सिविल इंजीनियर, फ्लाइट इंजीनियर, स्ट्रक्चरल इंजीनियर, मैकेनिकल इंजीनियर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियर के जॉब काफी संख्या में हैं। सऊदी सरकार ने इंजीनियरिंग में रोजगार बढ़ाने के लिए भी कदम उठाए हैं। प्रतिष्ठानों को मदद के लिए मानव संसाधन विकास कोष एचएडीएएफ ने प्रोत्साहन और सहायता, भर्ती प्रक्रियाओं और उपयुक्त श्रमिकों की खोज, प्रशिक्षण और व्यावसायिक योग्यता, भर्ती प्रक्रिया और कैरियर निरंतरता का समर्थन का फैसला लिया है। पिछले कुछ सालों में सऊदी अरब ने 2030 तक बेरोजगारी को सात फीसदी तक कम करने के लिए कई क्षेत्रों में श्रमिकों के सऊदीकरण की घोषणा की है, जो आय स्रोतों में विविधता लाने और तेल पर निर्भरता को कम करने के विजन 2030 के लक्ष्य के अनुरूप है। सऊदी सरकार के इस फैसले का सीधा असर भारतीय कामगारों पर भी होगा। सऊदी में काम करने वालों की संख्या करीब 26 लाख है। सऊदी में भारतीय करीब हर क्षेत्र में नौकरियां कर रहे हैं। इसमें ड्राइवर, सफाईकर्मी, रसोइया, नर्स के अलावा इंजीनियरिंग क्षेत्र की नौकरियां शामिल हैं। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस अपने महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट विजन 2030 के तहत सऊदी अरब के हर क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन कर रहे हैं। इसी क्रम में सऊदी में नौकरियों में आरक्षण का फैसला लिया गया है।

ट्रम्प पर हमले में अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने माना हुई बड़ी चूक

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर हुए हमले से जुड़ी एक बड़ी खबर आई है जिसमें बताया गया है कि सीक्रेट सर्विस से भारी चूक हुई है। सीक्रेट सर्विस के डायरेक्टर किम्बरली ने माना कि ट्रम्प पर हमला दशकों में सबसे बड़ी चूक है। संसद में अपनी पेशी के दौरान किम्बरली चिटेल ने यह बयान दिया। डोनाल्ड ट्रम्प पर हमले को रोकने दशकों में सीक्रेट सर्विस की बड़ी नाकामी है। इसकी वजह से ट्रंप घायल हो गए थे। हालांकि पहली गोली चलाने के 26 सेकंड बाद एक सीक्रेट सर्विस स्नाइपर ने हमलावर को मार गिराया था। हमले के बाद डायरेक्टर किम्बली चीटल के खिलाफ सुनवाई चल रही है। रिपब्लिकन कमिटी के अध्यक्ष जेम्स कॉमर ने कहा कि इस घटना को रोका जा सकता था। राष्ट्रपति जो बाइडन ने डोनाल्ड ट्रंप की हत्या के प्रयास के बाद राष्ट्रपति पद के स्वतंत्र उम्मीदवार रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर की सुरक्षा करने का आदेश यू.एस. सीक्रेट सर्विस' को दिया था। कैनेडी के अभियान कार्यक्रमों ने समर्थकों और उनके संदेश में रुचि रखने वाले लोगों की बड़ी भीड़ को आकर्षित किया है। बता दें पेंसिल्वेनिया में गत शनिवार को एक रैली में हुई गोलीबारी में ट्रंप बाल-बाल बच गए और उन्हें गंभीर चोट नहीं आई थी। हमले की स्वतंत्र समीक्षा की गई।

ताइवान में एक महिला सैनिकों को नदी के करीब किसी दुश्मन को रोकने के लिए बारुदी सुरंग लगाते हुए देखती हुई।

नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा को लेकर 'स्पष्ट और दृढ़', भारतीय क्षेत्रों पर दावा

-पीएम बनते ही ओली ने उठाया सीमा विवाद का मुद्दा

काठमांडू। नेपाल के नवनियुक्त पीएम के.पी.ओली शर्मा ने कहा कि भारत के साथ सीमा से जुड़े मुद्दों को कूटनीतिक तंत्र के जरिए हल करने के लिए तैयार है और काठमांडू अपनी अंतरराष्ट्रीय सीमा के बारे में 'स्पष्ट और दृढ़' है। प्रतिनिधि सभा में विश्वास मत हासिल करने के एक दिन बाद सांसदों के सवालों का जवाब देते हुए ओली ने कहा कि सरकार इस बात पर दृढ़ और स्पष्ट है कि 1816 की सुगौली संधि के अनुसार, लिम्पियाधुरा, कालापानी और लिपुलेख समेत महाकाली नदी के पूर्व में स्थित क्षेत्र नेपाल के हैं। ओली ने कहा कि संघीय संसद और नेपाल सरकार का रुख देश की अंतरराष्ट्रीय सीमा से जुड़े मुद्दों को लेकर स्पष्ट और दृढ़ है। उन्होंने कहा कि नेपाल ने एक नया मानचित्र अपनाया है, जिसे 2017 में संविधान में दूसरे संशोधन के जरिए से शामिल किया गया है और इसके अनुलग्नक तीन में उल्लेख किया गया है और हमारी अंतरराष्ट्रीय सीमा के बारे में अभूतपूर्व राष्ट्रीय सहमति बनी है। ओली ने 15 जुलाई को नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। उन्होंने कहा कि नेपाल और भारत के प्रधानमंत्रियों के बीच उच्चस्तरीय यात्राओं के दौरान हुई मुलाकातों में दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तंत्र के जरिए अंतरराष्ट्रीय सीमा से जुड़े मुद्दों को सुलझाने पर सहमति बनी है। ओली ने कहा कि 4 जनवरी को आयोजित नेपाल-भारत विदेश मंत्री स्तरीय संयुक्त आयोग की सातवीं बैठक के दौरान नेपाल-भारत सीमा से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की गई थी और नेपाल-भारत सीमा के शेष हिस्सों पर लंबित कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

चीनी भाई-भाई, इजरायल-यूएस की नाक के नीचे बीजिंग ने 17 साल पुराने 2 दुश्मनों की दोस्ती कराई

बीजिंग (एजेंसी)। इजरायल और फिलिस्तीन की जंग रूकने का नाम नहीं ले रही है। लगातार बढ़ती ही जा रही है। इन सब के बीच चीन से ऐसी खबर सामने आई है जो अमेरिका और इजरायल दोनों की टेंशन बढ़ा सकती है। हूती की लड़ाई अलग लेवल पर पहुंच गई है तो हिज्जबुल्ला ने भी अपने हमले बहुत तेज कर दिए हैं। इजरायल के ऊपर इसका असर दिखने लगा है। कुछ वक्त पहले की बात है जब रूस में हमास और फिलिस्तीन के अन्य संगठनों की मीटिंग हुई थी। इसके पीछे का मकसद था कि जंग के खत्म होने के बाद गाजा-वेस्ट बैंक के इलाके में सारे फिलिस्तीनी मिलकर काम करे। अब हाल में ही चीन में एक मीटिंग हुई है जो बहुत ही महत्वपूर्ण है। चीन की इस मीटिंग में फतह, हमास और इसके अलावा 14 अलग अलग आजाद फिलिस्तीन के एक्टिव संगठन मौजूद थे। इन सारे विभिन्न संगठनों में आपस में ही गतिरोध रहा है और जिसका फायदा इजरायल को मिलता रहा है। चीन के विदेश मंत्री और हमास के अधिकारियों ने कहा कि प्रतिद्वंद्वी फिलिस्तीनी गुटों हमास और फतह ने चीन की मध्यस्थता में हुई एक बैठक में इजराइल के साथ युद्ध के बाद कब्जे वाले वेस्ट बैंक और गाजा के लिए एक अंतरिम राष्ट्रीय सुलह सरकार बनाने पर सहमति व्यक्त करते हुए एक घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।

बीजिंग में तीन दिनों की वार्ता के बाद 12 अन्य फिलिस्तीनी गुटों के साथ समूहों के प्रतिनिधियों ने एकता के लिए काम करने का वादा किया। यह हमास और फतह के बीच लंबे समय से खंडित संबंधों के बीच हुए कई सुलह समझौतों में से नवीनतम है, जिनमें से किसी के भी कारण अभी तक विवाद का अंत नहीं हुआ है। इज़राइल ने वहां शत्रुता समाप्त होने के बाद

गाजा पर शासन करने में हमास या फतह की भूमिका से भी इंकार कर दिया है। गहरा विभाजन 2007 में शुरू हुआ जब फतह को क्षेत्र से हिंसक तरीके से बेदखल करने के बाद हमास गाजा में एकमात्र शासक बन गया। यह फिलिस्तीनी राष्ट्रपति और फतह नेता महमूद अब्बास द्वारा हमास के नेतृत्व वाली एकता सरकार को भंग करने के बाद आया, जब हमास ने एक साल पहले राष्ट्रीय चुनाव जीता था। तब से, फतह-प्रभुत्व वाले फिलिस्तीनी प्राधिकरण को वेस्ट बैंक के केवल कुछ हिस्सों का प्रभारी छोड़ दिया गया है।

इजराइल-हमास युद्ध से क्या चाहता है चीन?

बीजिंग ने पहले अप्रैल में हमास और फतह के बीच वार्ता की मेजबानी की थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने मंगलवार को कहा चीन और फिलिस्तीन भरोसेमंद भाई और अच्छे साझेदार हैं। उन्होंने कहा कि चीन एकता और सुलह की दिशा में सभी संबंधित पक्षों के साथ अथक प्रयास करेगा। विदेश मंत्री वांग यी का कहना है कि सुलह फिलिस्तीनी गुटों के लिए एक आंतरिक मामला है, लेकिन साथ ही, इसे अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समर्थन के बिना हासिल नहीं किया जा सकता है।

कनाडा में फिर हिंदू मंदिर को निशाना बनाया... भारत विरोधी टिप्पणियां लिखी गई

कनाडा (एजेंसी)। कनाडा भारत विरोधी गतिविधियों का गढ़ बन चुका है। खालिस्तान समर्थकों पर कनाडा में एक्शन ना होकर उन्हें बढ़ावा दिया जा रहा है। इस कड़ी में कनाडा के एडमोंटन में एक हिंदू मंदिर को निशाना बनाया गया। मंदिर की दीवारों पर भारत विरोधी टिप्पणियां लिख दी गई। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने बताया कि बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर की दीवारों पर भारत के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई। साथ ही कहा कि ग्रैफिटी के द्वारा भारतीय मूल के कनाडाई सांसद चंद्र आर्य पर भी हमला किया गया।

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने पोस्ट में लिखा, कनाडा के एडमोंटन में मंदिर आज सुबह एक और हिंदू मंदिर पर हमला किया गया। मंदिर पर कनाडा के हाउस ऑफ कॉमन्स के कुछ हिंदू सदस्यों में से एक के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग किया गया। हम इस घटना की निंदा करते हैं जो पिछले कई हमलों का ही हिस्सा है जिनमें से ज्यादातर के लिए खालिस्तान समर्थक दोषी हैं।

सांसद आर्य ने कहा है कि कनाडा में हिंदू मंदिरों को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। आर्य ने कहा, एडमॉन्टन में स्वामीनारायण मंदिर में फिर से तोड़फोड़ की गई है। पिछले कुछ सालों में ग्रेटर टोरंटो एरिया, ब्रिटिश कोलंबिया और कनाडा के दूसरे जगहों पर हिंदू मंदिरों को ग्राफिटी के जरिए नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

सांसद चंद्र आर्य ने कहा, जैसा कि मैं हमेशा से कहता रहा हूं, खालिस्तानी चरमपंथी हिंसा फैलाने के बावजूद आसानी से बच जाते हैं। फिर से मैं इस रिकॉर्ड पर रखूंगा। हिंदू कनाडाई इससे चिंतित हैं। मैं फिर से कनाडा की कानूनी एजेंसियों से इस मुद्दे को गंभीरता से लेने की गुजारिश करता हूं, इससे पहले कि ये बयानबाजी लोगों के खिलाफ शारीरिक हिंसा में तब्दील हो जाए।

पाकिस्तानी सेना के खिलाफ कबाइलियों ने बुलाया जिरगा, ऑपरेशन का किया विरोध

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तानी सेना का देश में विरोध शुरू हो गया है। पश्तून कबाइलियों ने सेना के चरमपंथ विरोधी ऑपरेशन के खिलाफ आवाज उठाई है। खैबर-पख्तूनख्वा (केपी) के सीएम हाउस पर कबाइलियों का जिरगा (बैठक) बुलाया गया, जिसमें कई बड़े कबाइली नेता शामिल हुए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जिरगा में नेताओं ने ऑपरेशन अज्म-ए-इस्तेहकाम का विरोध किया। इसके साथ ही पाकिस्तान को गुड तालिबान और बैड तालिबान दोनों को खत्म करने को कहा गया है। गुड तालिबान पाकिस्तान में उन तालिबानी आतंकवादियों को कहा जाता है, जिनके पाकिस्तानी सेना से अच्छे संबंध हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक जिरगा की अध्यक्षता खैबर पख्तूनख्वा के सीएम अली अमीन गंडापुर ने की। इसमें केपी के मुख्य सचिव, आईजी पुलिस, बन्नू के कमिश्नर और क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी, डिप्टी कमिश्नर ने भाग लिया। जिरगा में कबाइली नेताओं ने सीएम गंडापुर के सामने 11 मांगे रखी। उन्होंने मांग की कि तलाशी अभियान के दौरान मदरसों, घरों और व्यक्तियों के साथ अनुचित व्यवहार नहीं होना चाहिए।

जिरगा नेताओं ने कहा कि मदरसों और घरों पर रेड करना गलत होगा और इससे लोगों में गुस्सा बढ़ेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्थानीय प्रशासन को क्षेत्र में तालिबान से निपटने के लिए पूर्ण अधिकार दिए जाने चाहिए। इसके साथ ही आतंकवाद निरोधक विभाग को पूरी तरह सक्रिय करने और आतंकवादियों और आपराधिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए अधिकृत करने का आग्रह किया है।

पश्तूनों के विरोध का असर पाकिस्तान में दिखाई देने लगा है। लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने कहा कि ऑपरेशन अज्म-ए-इस्तेहकाम मिलिट्री ऑपरेशन नहीं है, बल्कि आतंकवाद विरोधी अभियान है। उन्होंने यह भी दावा किया कि एक मजबूत लॉबी नेशनल एक्शन प्लान को सफल नहीं होने देना चाहती है। उन्होंने कहा कि अज्म-ए-इस्तेहकाम की तुलना जर्ब-ए-अज्ब और राह-ए-निजात जैसे पिछले अभियानों से करना ठीक नहीं है।

सऊदी सरकार का फैसला, अब स्थानीय लोगों को दी जाएगी नौकरी, भारतीयों पर मंडराने लगा खतरा

रियाद (एजेंसी)। सऊदी अरब की सरकार ने नौकरियों में स्थानीय लोगों को ज्यादा मौका देने का फैसला लिया है। सऊदी अरब ने निजी क्षेत्र में 25 फीसदी इंजीनियरिंग नौकरियां स्थानीय लोगों के लिए आरक्षित कर दी हैं। नौकरियों को लोकेलाइज करने का यह फैसला 21 जुलाई से लागू कर दिया गया है।

देश के मानव संसाधन और सामाजिक विकास मंत्रालय, नगर निगम और आवास मंत्रालय ने इस संबंध में ये फैसला किया है। स्थानीयकरण का ये फैसला इंजीनियरिंग व्यवसायों में पांच या उससे ज्यादा कामगारों को रोजगार देने वाले निजी प्रतिष्ठानों पर लागू होगा। छोटे प्रतिष्ठानों, जिनमें कर्मचारियों की संख्या चार तक है, वहां ये नियम लागू नहीं होगा। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि ये फैसला कई क्षेत्रों में देश के पुरुष और महिला नागरिकों के लिए रोजगार के ज्यादा अवसर पैदा करेगा। सऊदी के इस फैसले से स्थानीय लोगों को नौकरी मिलने में आसानी होगी। देश में केमिकल इंजीनियर, सिविल इंजीनियर, फ्लाइट इंजीनियर, स्ट्रक्चरल इंजीनियर, मैकेनिकल इंजीनियर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियर के जॉब काफी संख्या में हैं।

सऊदी सरकार ने इंजीनियरिंग में रोजगार बढ़ाने के लिए भी कई कदम उठाए हैं। प्रतिष्ठानों को मदद के लिए मानव संसाधन विकास कोष एचएडीएएफ ने प्रोत्साहन और सहायता, भर्ती प्रक्रियाओं और उपयुक्त

श्रमिकों की खोज, प्रशिक्षण और व्यावसायिक योग्यता, भर्ती प्रक्रिया और कैरियर निरंतरता का समर्थन का फैसला लिया है। पिछले कुछ सालों में सऊदी अरब ने 2030 तक बेरोजगारी को सात फीसदी तक कम करने के लिए कई क्षेत्रों में श्रमिकों के सऊदीकरण की घोषणा की है, जो आय स्रोतों में विविधता लाने और तेल पर निर्भरता को कम करने के विजन 2030 के लक्ष्य के अनुरूप है।

सऊदी सरकार के इस फैसले का सीधा असर भारतीय कामगारों पर भी होगा। सऊदी में काम करने वालों की संख्या करीब 26 लाख है। सऊदी में भारतीय करीब हर क्षेत्र में नौकरियां कर रहे हैं। इसमें ड्राइवर, सफाईकर्मी, रसोइया, नर्स के अलावा इंजीनियरिंग क्षेत्र की नौकरियां शामिल हैं। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस अपने महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट विजन 2030 के तहत सऊदी अरब के हर क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन कर रहे हैं। इसी क्रम में सऊदी में नौकरियों में आरक्षण का फैसला लिया गया है।

हमारा दृष्टिकोण भविष्य पर केंद्रित है, डोनाल्ड ट्रंप का अतीत पर: हैरिस

-मध्यम वर्ग का निर्माण मेरे राष्ट्रपति पद का एक निर्णायक लक्ष्य

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने अपने राष्ट्रपति पद के लिए चुनावी अभियान की शुरुआत कर दी है। हैरिस ने विलमिंगटन, डेलावेयर में जोरदार तरीके से अपनी बात रखी। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप पर व्यक्तिगत हमला करते हुए ट्रम्प को धोखेबाज, जालसाज और महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करने वाला इंसान बताया है। हैरिस ने कहा कि उनका दृष्टिकोण भविष्य पर केंद्रित है जबकि ट्रंप का अतीत पर। इस दौरान राष्ट्रपति जो बाइडेन फोन द्वारा इसमें शामिल हुए।

हैरिस ने बाइडेन के स्टाफ को ही अपने अभियान में लगा लिया है। बाइडेन ने भी अपने स्टाफ से कमला हैरिस के लिए दिल से काम करने को कहा है। हैरिस के अभियान ने केवल 24 घंटे में 81 मिलियन डॉलर जुटाए हैं। डेमोक्रेट उत्साहित दिख रहे हैं और पहली प्रेसिडेंशियल डिबेट में बाइडेन के खराब प्रदर्शन के बाद अब हैरिस के पीछे खड़े हैं। 20,000 से ज्यादा नए वालंटियर अभियान में जुड़ गए हैं। हैरिस ने अपने भाषण में एक जिला अदालत से लेकर कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल बनने तक के अपने करियर को याद करते हुए कहा कि उन्होंने उन लोगों का सामना किया जो महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करते हैं। ऐसे धोखेबाज जो कंज्यूमर्स को लूटते हैं, जो अपने लाभ के लिए नियम तोड़ते हैं। उन्होंने कहा मेरी बात सुनिए क्योंकि मैं डोनाल्ड ट्रंप टाइप लोगों को जानती हूं।

हैरिस ने कहा डोनाल्ड ट्रंप एक कॉलेज ट्रम्प यूनिवर्सिटी चलाते थे, जिसे छात्रों को ठगने के लिए 25 मिलियन डॉलर का भुगतान करना पड़ा। 2007-2008 के वित्तीय संकट का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मैंने बड़े वॉल स्ट्रीट बैंकों से मुकाबला किया और कैलिफोर्निया के परिवारों के लिए 20 बिलियन डॉलर जीते। उन बैंकों को धोखाधड़ी के लिए जिम्मेदार ठहराया। ट्रंप को हाल ही में धोखाधड़ी के 34 मामलों में दोषी पाया गया है। हैरिस ने ट्रंप के साथ मुकाबले को अमेरिका के लिए दो विपरीत धाराओं की लड़ाई के रूप में परिभाषित किया। उन्होंने कहा कि ट्रंप देश को पीछे ले जाना चाहते हैं जब हमारे साथी अमेरिकियों को पूर्ण स्वतंत्रता और अधिकार नहीं थे। हम एक ऐसे

उज्जवल भविष्य में विश्वास करते हैं जो सभी अमेरिकियों के लिए जगह बनाए। हम एक ऐसे भविष्य में विश्वास करते हैं जहां हर व्यक्ति को न केवल गुज़र-बसर करने का बल्कि आगे बढ़ने का मौका मिले। इन सबका मतलब यह है कि मध्यम वर्ग का निर्माण मेरे राष्ट्रपति पद का एक निर्णायक लक्ष्य होगा।

बुढाना कस्बे में पवित्र स्थल में तोड़फोड़, पुलिस जांच में जुटी

मुजफ्फरनगर । उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में मौजूद एक पुराने धार्मिक स्थल को वहां के जमीन मालिकों ने मिलकर कथित तौर पर ध्वस्त किया। इसकी शिकायत के बाद पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। पुलिस ने बताया कि बुढाना कस्बे के छोटा बाजार के रहने वाले गुलजार उद्दीन, उसके भाई अघान और अमीर जिया सहित 10-15 अज्ञात लोगों पर आरोप है कि उन्होंने एक साधु से जुड़ी हुए पवित्र स्थल में तोड़फोड़ की है, जिसकी शिकायत मिलने पर उनके खिलाफ केस दर्ज हुआ है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जमीन के मालिकों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी गई शिकायत में बुढाना निवासी पवनेश कुमार ने बताया कि बुढ़ाना-कांधला रोड पर सब्जी मंडी के पास स्थित एक संत को समर्पित मजार में तोड़फोड़ की गई। बुढाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

पटना में पिछले 2 दिनों में करीब 2.59 करोड़ की ठगी, लड़की ने फोन कर लगाया चूना

पटना । पटना में इन दिनों साइबर ठगी के मामले बढ़े हैं। पिछले 2 दिनों में 40 से ज्यादा मामले सामने आए हैं। ठगों ने करीब 2.59 करोड़ की ठगी कर ली है। सबसे अधिक ट्रेडिंग के नाम पर ठगी हुई है। एजी कॉलोनी निवासी कृष्ण मोहन ओझा को एक लड़की ने फोन कर उसने दोस्ती कर ली। इस दौरान लड़की ने भरोसे में लेकर ट्रेडिंग में निवेश करा दिया। एक दिन बात करते-करते कृष्ण मोहन का मोबाइल लेकर गायब हो गई। सब कुछ फोन में ही था। कम लागत में ज्यादा फॉफिट के चक्कर में 33.50 लाख रुपए गंवा दिए। इसतरह वरुण को भी एक लड़की ने फोन पर ट्रेडिंग में निवेश करने का झांसा दिया। वरूण लड़की के बातों में आकर बैंक से लोन लेकर 22.68 लाख रुपए निवेश किया। ठगी का एहसास होने पर साइबर थाने में मामला दर्ज कराया। वहीं सिपारा निवासी पुरुषोत्तम कुमार ने यूट्यूब पर वीडियो देखकर एक नंबर पर फोन किया। कॉल करने पर एक लड़की ने फोन रिसीव किया। लड़की की बातों में आकर पुरुषोत्तम ने क्रिप्टो करेंसी खरीदने में 18 लाख रुपए लगा दिया। जिस साइट से क्रिप्टो करेंसी खरीदा था, अब वहां नहीं खुल रहा है।

कोलकाता डॉक्टर मर्डर केस : जहां मिला था महिला डॉक्टर का शव, वहां नहीं मिले संघर्ष के निशान

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर के रेप और मर्डर के मामले में नया खुलासा हुआ है। वारदात के बाद घटनास्थल की फॉरेंसिक जांच की गई थी। इस जांच की रिपोर्ट सीबीआई को सौंपी गई है। रिपोर्ट में जो जानकारी दी गई है, वह हैरान करने वाली है। दरअसल, रिपोर्ट में कहा गया है कि अस्पताल के जिस सेमिनार हॉल में ट्रेनी डॉक्टर की लाश मिली थी, वहां स्ट्रगल के कोई निशान नहीं मिले हैं। यानी ऐसे कोई सबूत नहीं हैं कि घटनास्थल पर आरोपी और ट्रेनी डॉक्टर के बीच कोई संघर्ष हुआ है। सेंट्रल फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी दिल्ली के विशेषज्ञों ने 14 अगस्त को आरजी कर अस्पताल की जांच कर सैंपल एकट्ठे किए। 11 सितंबर को सीबीआई के सामने इसकी रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। फोरेंसिक रिपोर्ट में सीएफएसएल ने कहा है कि सेमिनार हॉल में लकड़ी के स्टेज और गद्दे के अलावा आसपास संघर्ष को कई सबूत नहीं मिले हैं।

तीन साल की मासूम 23 घंटे से 700 फीट गहरे बोरवेल में फंसी

-काफी कोशिश के बाद अब बच्ची को हुक से खींचने की तैयारी

कोटपूतली। राजस्थान के कोटपूतली में तीन साल की बच्ची पिछले 23 घंटे से 700 फीट गहरे बोरवेल में 150 फीट पर फंसी है। उसे बाहर निकालने के लिए रात भर किए गए लेकिन सफलता नहीं मिली। बच्ची के लिए बोरवेल में ऑक्सीजन भेजा जा रहा है, लेकिन बोरवेल इतना संकरा है कि खाने पीने के लिए कुछ नहीं भेजा जा सकता है। रात को सीसीटीवी में बच्ची चेतना के सिर का मूवमेंट नजर आया था, लेकिन गर्दन के नीचे तक मिट्टी में फंसे होने से शरीर मूव नहीं कर पा रहा है। बोरवेल के

आसपास 150 फीट खोदना आसान नहीं है। इस ऑपरेशन में अभी एक सप्ताह का समय लग सकता है, इसलिए अब बच्ची को हुक से खींचने की तैयारी चल रही है। जिला प्रशासन ने चेतना के माता-पिता और दादा से लिखित में कपड़े में हुक लगाकर उसे ऊपर खींचने की इजाजत मांगी है ताकि अगर इस प्रक्रिया में चेतना को कोई चोट पहुंचती है तो वह प्रशासन को जिम्मेदार नहीं ठहराएंगे। एनडीआरएफ के सीनियर कमांडेंट ने बताया कि रात एक बजे हमने रिंग बनाकर अंब्रेला टेक्निक से बच्ची को निकालने का प्रयास किया लेकिन रिंग कपड़े में फंस गई और बच्ची ठीक से पकड़ नहीं पाई। मंगलवार सुबह 8 बजे फिर से रिंग डाली गई, लेकिन रिंग ग्रिप बच्ची के शरीर पर जगह कम होने की वजह से वहां नहीं पहुंच पा रहा है। इन प्रयासों के असफल होने पर हुक से निकालने का ही विकल्प बचा है जिसके लिए जिला प्रशासन को फैसला लेना है। मासूम के पिता भूपेंद्र ने बड़्याली ढाणी में अपने घर के बाहर बोरवेल खुदवाया था। 700 फीट तक खोदने पर भी पानी नहीं निकला तो उसे ढंकने के बजाय खुला छोड़ दिया। सोमवार करीब डेढ़ बजे के आसपास उनकी दोनों बेटियां तीन साल की चेतना और 8 साल की काव्या बोरवेल के पास खेल रही थीं। इसी बीच चेतना का पैर बोरवेल के पास फिसल गया और वह उसमें फंस गई। बता दें 15 दिन पहले राजस्थान के दौसा में ही आर्यन के बोरवेल में गिरने से मौत के बाद राज्य सरकार ने बोरवेल बंद करने के लिए एडवाइजरी जारी की थी, इसके बावजूद ये बोरवेल खुला था और जिसने ये बोरवेल खुदवाया, उसकी ही बेटी इसमें फंस गई। रेस्क्यू टीमें बच्ची को बचाने का प्रयास कर रही हैं। लोग बच्ची के सही सलामत बाहर आने के लिए दुआ मांग रहे हैं।

अब पाकिस्तान के जहाजों की बांग्लादेश में नहीं होगी जांच, भारत की बढ़ी टेंशन

-हथियारों की सप्लाई, मादक पदार्थों की तस्करी बढ़ने का है खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान और बांग्लादेश के बढ़ते रिश्तों ने भारत को चिंता में डाल द दिया है। भारत चटगांव बंदरगाह को लेकर चिंतित है। यहां आने वाले पाकिस्तान के मालवाहक जहाजों की फिजिकल जांच का जो नियम था, उसे बांग्लादेश ने खत्म कर दिया है। अब पाकिस्तान से आए माल जांच नहीं होगी। ऐसे में पाकिस्तान की एजेंसी आईएसआई हथियारों की सप्लाई, मादक पदार्थों की तस्करी जैसे कारनामों को अंजाम दे सकती है।

भारतीय एजेंसियों को संदेह है कि यहां इन चीजों को उतारे जाने के बाद बांग्लादेश की सीमा से लगते पूर्वोत्तर भारत के राज्यों में भेजा जा सकता है। पहले भी ऐसी कोशिशें हुई हैं, ऐसे में यह चिंता का कारण है। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के दौर में पाकिस्तान से आने वाले जहाजों की फिजिकल जांच होती थी। इसके अलावा भारत को चटगांव और मोंगला पोर्ट्स पर सीधा एक्सेस मिलता है। अब उसे भी खत्म करने पर बांग्लादेश विचार कर रहा है। 2004 में ऐसा ही हुआ था, जब चटगांव बंदरगाह पर 1500 डिब्बे बरामद किए गए थे, जिनमें चीनी हथियार मिले थे। तब एजेंसियों ने संदेह जताया था कि ये डिब्बे शायद आईएसआई ने रखवाए हैं और उन्हें पूर्वोत्तर भारत में सप्लाई किया जाना था। पहले भी आईएसआई उल्फा जैसे आतंकी संगठनों के साथ मिलकर भारत के खिलाफ साजिश करती रही है, लेकिन बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के दौर में उसके लिए यह उतना आसान नहीं था। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार पाकिस्तान के साथ दोस्ती बढ़ाने में जुटी है। यहां तक कि यूनुस पाकिस्तान जाने का मन बना रहे हैं और उनके विदेश मंत्री को बांग्लादेश आमंत्रित किया है। पाकिस्तान की ओर से 1971 में की गई ज्यादतियों को भी भुलाने की बातें की जा रही हैं। यही नहीं भारत के पीएम नरेंद्र मोदी की उस पोस्ट तक पर कुछ नेताओं ने ऐतराज जताया था, जिसमें उन्होंने 1971 की जंग के लिए भारतीय सेना की तारीफ की थी।

खास बात यह है कि 1971 में बांग्लादेश बनने के बाद से पाकिस्तान के साथ उसका कारोबार नाममात्र का ही रहा है। इसकी वजह है कि पाकिस्तान से वहां सीधे जहाजों को आने की अनुमति नहीं थी, जो अब मिल गई है। नवंबर में पहली बार करांची से रवाना हुआ मालवाहक जहाज दुबई होते हुए बांग्लादेश पहुंचा। इसके बाद अब एक और जहाज बीते सप्ताह यहां पहुंचा है। हाल ही में मुस्लिम देशों की समिट में मोहम्मद यूनुस और शहबाज शरीफ की मुलाकात हुई थी। इस बैठक में शहबाज ने बांग्लादेश को अपना भाई बताया था तो वहीं यूनुस ने 1971 के खूनी इतिहास को भुलाने की बात कही थी। दोनों के बीच अगस्त से अब तक दो मुलाकातें हो चुकी हैं।

राजौरी में फैली रहस्यमय बीमारी से अब तक नौ की मौत, विशेषज्ञों की टीमें कर रही जांच

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के बददल गांव में रहस्यमय बीमारी से अब तक नौ लोगों की जान जा चुकी है। इसको देखते हुए पीजीआई चंडीगढ़, राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र के विशेषज्ञों की टीमें राजौरी पहुंची और हालात का जायजा लिया। भोजन और पानी के सेम्पल लिए गए हैं। सूत्रों के मुताबिक अभी तक किसी तरह का निष्कर्ष नहीं निकाल सका है। इस जांच के बाद एक और मौत हो गई। सोमवार को जिस महिला की मौत हुई, उसकी पहचान राजिम अख्तर के रूप में हुई है, वह पहले ही अपने तीन नाबालिग बच्चों को इस बीमारी से खो चुकी है। इस गांव में सामने आ रहे इन मामलों से आसपास के इलाकों में दहशत फैल गई है। ताजा मामला एक महिला की मौत से जुड़ा है, जिसके तीन बच्चे पहले ही इस बीमारी के चलते काल के गाल में समा चुके हैं। जब यह मामले सामने आने लगे तो काफी गहन जांच भी की गई, लेकिन अभी तक किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा जा सका है। सूत्रों के मुताबिक महिला 12 दिसंबर को अपने बच्चों को लेकर राजौरी के सरकारी मेडिकल कॉलेज गई थीं, लेकिन 19 दिसंबर को उनकी मौत हो गई और वह घर लौट आई थी। सोमवार को उस महिला की तबीयत भी बिगड़ी और उसे जीएमसी राजौरी लाया गया, जहां उसकी भी मौत हो गई। पिछले एक पखवाड़े में रहस्यमय बीमारी के कारण यह नौवीं मौत है। इनमें एक परिवार के सात और दूसरे परिवार के दो लोग शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर के स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इटू और जल शक्ति मंत्री जावेद राणा ने राजौरी जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा करने के लिए क्षेत्र का दौरा किया है और अधिकारियों को निर्देश दिए।